राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 01 , पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार, 27 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

किसानों ने फिर भरी हुंकार

■ पूरे देश में 'खेती बचाओ, लोकतंत्र बचाओ दिवस' मनाया ■ चंड़ीगढ़-मोहाली सीमा पर किसानों ने बैरिकेड तोड़े

■ पुलिस ने किसानों पर की पानी की बौछारें

नई दिल्ली (एजेंसी) । पिछले सात महीनों से दिल्ली के बॉर्डर घेरकर बैठे किसानों ने शनिवार को आंदोलन में जान फूंकने की कोशिश की। किसानों ने संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले शनिवार को 'खेती बचाओ, लोकतंत्र बचाओ दिवस' मनाया। इसके तहत अलग-अलग राज्यों में राजभवनों का घेराव किया गया और राज्यपालों को ज्ञापन सौंपे।

दिल्ली में जहां किसानों की दिल्ली के उपराज्यपाल से वर्चुअल मीटिंग कराई गई। वहीं पूरे पंजाब से हजारों किसान मोहाली के रास्ते चंडीगढ़ पहुंचे तो हरियाणा के किसानों ने पंचकूला के रास्ते चंडीगढ़ में प्रवेश किया। इसके बाद आंदोलन की शुरुआत हुई। आंदोलन करते हुए किसान चंडीगढ़ के करीब 6 से 7 किलोमीटर अंदर घुस गए। उन्होंने बैरिकेड तोड़ दिए। हालांकि, राजभवन के पास पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पंजाब के किसानों ने गवर्नर के नाम ज्ञापन चंडीगढ़ के डीसी मनदीप बराड़ को दिया और वहां से वापस लौट गए। किसानों का संयुक्त मोर्चे ने कहा था कि उनका मार्च शांतिपूर्ण रहेगा, पर कई जगहों पर किसानों ने बैरिकेड्स तोड़े और पुलिस ने उन पर पानी की बौछारें कीं। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे कुछ किसान घायल भी हो गए। किसानों ने कहा कि केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानूनों को पास कर दिया है। इन्हें हटाने के लिए प्रधानमंत्री और मंत्रियों को पिछले 7 महीने से ज्यादा समय से कहा जा रहा है, लेकिन कोई बात सुन नहीं रहा।

अलग-अलग राज्यों में राज्यपालों को सौंपे ज्ञापन

पिछले 7 महीने से प्रधानमंत्री हमारी बात नहीं सुन रहे हैं। सरकार को जल्द से जल्द तीनों कृषि कानूनों को रद्द करना चाहिए नहीं तो इसी तरह के प्रदर्शन जारी रहेंगे : **किसान मोर्चा**

हमने अपने आंदोलन को मजबूत करने का फैसला किया है। हमने अगले महीने दो और ट्रैक्टर रैलियां करने का फैसला किया है : **राकेश टिकैट**

हम किसानों के साथ हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन ने सात महीने पूरे हो गए हैं और इस बीच किसानों ने अपने अभियान में और तेजी लाई है। मुद्दे पर बात करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि हम किसानों के साथ हैं।

गाजीपुर बॉर्डर पर गरजे राकेश टिकैत

दिल्ली बगैर ट्रैक्टर के नहीं मानती

इससे पहले दिल्ली में किसान नेता युद्धवीर सिंह और अन्य किसानों के उपराज्यपाल से न मिलने देने पर राकेश टिकैत ने बॉर्डर से गरजते हुए कहा कि, या तो किसानों को उपराज्यपाल से मिलने दें या उन्हें तिहाड़ जेल भेज दें। राकेश टिकैत ने कहा कि हम आगे बताएंगे कि दिल्ली का क्या इलाज करना है। दिल्ली बगैर ट्रैक्टर के नहीं मानती है। लड़ाई कहां होगी, स्थान और समय क्या होगा, यह तय कर बड़ी क्रांति होगी।

दिल्ली में कल से खुलेंगे जिम व बार, सिनेमा हॉल को छूट नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी) । दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार कम होते जा रहे हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान सिर्फ 85 नए मामले सामने आए हैं। जिसके बाद अब दिल्ली में प्रतिबंधों में छूट की सीमा बढ़ाई जा रही है। सोमवार से दिल्ली में बार, जिम फिर से खोल दिए जाएंगे। डीडीएमए द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि जिम और बार दोनों 50 प्रतिशत क्षमता के साथ सोमवार से खुल जाएंगे योगा सेंटर भी 50 प्रतिशत क्षमता के साथ काम कर सकेंगे। लेकिन सिनेमा हॉल, एंटरटेनमेंट पार्क, स्पा, स्वीमिंग पूल अभी बंद रहेंगे, सभी तरह के धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक आयोजनों पर भी रोक जारी रहेगी। धार्मिक स्थल को खोलने की इजाजत इस शर्त पर दी गई है कि कोई भी बाहरी आदमी धार्मिक स्थलों में प्रवेश नहीं करेगा। सिर्फ उन स्थलों से जुड़े लोग ही आ जा सकेंग। दिल्ली में बाजार को खोलने का फैसला पहले ही किया जा चुका है। इसे साथ ही नाइट कर्फ्यू अभी भी जारी रखने का फैसला किया गया है।

मध्य प्रदेश में पाबंदियां समाप्त

इस बीच मध्य प्रदेश में रविवार को लगाई गई पाबंदियों को समाप्त कर दिया है। अब सिर्फ रात्रिकालीन कर्फ्यू जारी रहेगा। बाजार रविवार को भी अन्य दिनों की तरह खुलेंगे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा प्रदेश में सक्रिय मामलों की संख्या एक हजार से भी कम हो गई है।

कानूनी पेशेवरों को फ्रंटलाइन वर्कर घोषित करने की जरूरत : सीजेआई

देशभर के हजारों युवा वकीलों को आजीविका हो रही प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारत के प्रधान न्यायाधीश एन.वी. रमना ने शनिवार को चिंता व्यक्त की कि ग्रामीण, आदिवासी, दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्रों में खराब कनेक्टिविटी न्याय वितरण की गति पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है और देशभर के हजारों युवा वकीलों को उनकी आजीविका से भी वंचित कर रही है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कानूनी पेशेवरों और संबंधित पदाधिकारियों को फ्रंटलाइन वर्कर (अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता) घोषित करने की आवश्यकता का भी हवाला दिया।

न्यायाधीश रमना ने कहा, डिजिटल डिवाइड के कारण वकीलों की एक पूरी पीढ़ी को सिस्टम से बाहर किया जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने ये टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर. वी. रवींद्रन की एक किताब एनोमलीज इन लॉ एंड जस्टिस के विमोचन के मौके पर पैनल चर्चा के दौरान की।

वर्चुअल माध्यम से की 92312 सुनवाई

नई दिल्ली। पिछले साल कोरोना महामारी की पहली लहर के कारण शुरू किये गये वर्चुअल माध्यम से 92 हजार 312 सुनवाई की गयी है। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना ने शनिवार को एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के बाद आयोजित एक परिचर्चा में हिस्सा लेते हुए यह जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने की विकास योजना की समीक्षा

दुनिया का पर्यटन केंद्र बनेगा अयोध्या

नई दिल्ली (एजेंसी) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अयोध्या के लिए विकास योजना की समीक्षा की। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों ने एक प्रस्तुति दी, जिसमें अयोध्या के विकास के कई पहलुओं को शामिल किया गया। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। अयोध्या के विकास की परिकल्पना एक आध्यात्मिक केंद्र, वैश्विक पर्यटन केंद्र और एक स्थायी स्मार्ट सिटी के रूप में की जा रही है। प्रधानमंत्री को अयोध्या के साथ कनेक्टिविटी में सुधार के लिए विभिन्न आगामी और प्रस्तावित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बारे में बताया गया।

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बारे में दी गई जानकारी

भक्तों के लिए ठहरने की सुविधा पर भी चर्चा

हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, सड़कों और राजमार्गों के विस्तार जैसी विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई।

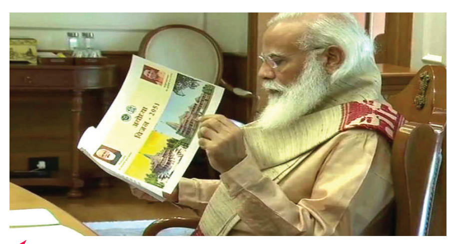

अयोध्या के विकास का मॉडल ऐसा हो, जिससे युवाओं में आध्यात्मिकता और अच्छे संस्कार पनपे : **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

एक आगामी ग्रीनफील्ड टाउनशिप पर भी चर्चा की गई, जिसमें भक्तों के लिए ठहरने की सुविधा, आश्रमों के लिए जगह, मठ, होटल, विभिन्न राज्यों के भवन शामिल हैं। एक पर्यटक सुविधा केंद्र और एक विश्वस्तरीय संग्रहालय भी बनाया जाएगा। सरयू नदी और उनके घाटों के आसपास बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

राम मंदिर जमीन विवाद में संजय सिंह का आरोप

बिना कानूनी और कागजी जांच के जमीन खरीद रहा ट्रस्ट

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने नया आरोप लगाया है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए भारी मात्रा में जमीन खरीद रहा था। खरीदी जा रही भूमि के कुछ हिस्से पर मंदिर के एक हिस्से का निर्माण होना था, तो कुछ हिस्से पर उन लोगों को बसाया जाना था जिनकी भूमि राम मंदिर के उपयोग में ली जा रही थी और बदले में उन्हें अन्यत्र बसाया जाना था। लेकिन इस पूरी खरीद में ट्रस्ट ने आवश्यक प्रक्रिया का पालन तक नहीं किया। यहां तक कि जिस भूमि को खरीदा जाना था, उसकी कानूनी स्थिति पता करने की कोशिश तक नहीं की गई।

पूरी खरीद में ट्रस्ट ने आवश्यक प्रक्रिया का पालन तक नहीं किया

उप्र के 16 जिलों में भाजपा का जिपं अध्यक्ष चुना जाना तय

लखनऊ, (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव का बिगुल बज चुका है। इसके साथ ही भाजपा के लिए खुशखबरी भी आ गई है। पार्टी के करीब एक दर्जन से ज्यादा प्रत्याशियों का निर्विरोध चुना जाना तय है। इनके खिलाफ किसी ने भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया है। अब सिर्फ औपचारिक तौर पर घोषणा और जीत का प्रमाण पत्र दिया जाना ही बाकी है। अभी तक कुल 17 सीटों में से 16 पर भाजपा प्रत्याशी और 1 पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी का निर्विरोध चुना जाना तय है। दरअसल अब तक गोरखपुर, वाराणसी समेत 16 जनपदों में बीजेपी के जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव

आईसीएमआर ने किया दावा

दूसरी लहर जितनी गंभीर नहीं होगी तीसरी लहर

नई दिल्ली (एजेंसी) । देश में कोरोना की तीसरी लरह को लेकर लोगों में भय का माहोल है। इसी बीच आइसीएमआर ने दावा किया है कि कोरोना की तीसरी लहर दूसरी लहर के जितनी गंभीर नहीं होगी। आइसीएमआर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉक्टर समीरन पांडा ने कहा कि देश में चलाए जा रहा टीकाकरण अभियान इस लहर को कम करने में महत्तवपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि डेल्टा प्लस वेरिएंट के प्रभाव पर अध्ययन चल रहा है। भारत में कोरोना की तीसरी लहर की संभावना पर एक गणितीय मॉडलिंग आधारित विश्लेषण भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने किया है।

डेल्टा प्लस वेरिएंट के प्रभाव पर चल रहा अध्ययन

लोग दोबारा हो सकते हैं संक्रमित

इस अध्ययन में कहा गया कि संक्रमण आधारित प्रतिरक्षा यानी इम्यूनिटी कैपेसिटी समय के साथ कम हो सकती है। ऐसे में संभावनाएं हैं कि पहले से संक्रमण की चपेट में आ चुके लोग दोबारा संक्रमित हो सकते हैं। दूसरी लहर में गर्भवती महिलाएं अधिक गंभीर रूप से प्रभावित हुई ।

अब लद्दाख के राजनीतिक दलों से केंद्र करेगी चर्चा

श्रीनगर, (एजेंसी) । जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों से वार्ता के बाद अब केंद्र सरकार ने लद्दाख के विभिन्न संगठनों को बातचीत के लिए बुलाया है। कारगिल में आज एक प्रेस वार्ता में इस बात का खुलासा करते हुए कारगिल डेमोक्रेटिक अलायन्स (केडीए) ने कहा कि बातचीत 1 जुलाई को दिल्ली में होगी। इससे पहले केन्द्रीय गृह सचिव की तरफ से लेह और कारगिल के सभी संगठनों को बातचीत के लिए फोन से न्यौता आया था। वार्ता 1 जुलाई को सुबह 11 बजे होगी लेकिन यह साफ नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इन नेताओं की मुलाकात होनी है या नहीं। लद्दाख से आने वाले नेताओं की बैठक केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी से होनी है।

1 जुलाई को बैठक संभव

राजनीति — मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर चर्चाएं तेज

मोदी मंत्रिमंडल में 27 नए मंत्री हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी) । जम्मू-कश्मीर पर सर्वदलीय बैठक संपन्न होने के साथ, कैबिनेट फेरबदल ने एक बार फिर गति पकड़ ली है। ज्योतिरादित्य सिंधिया, सुशील मोदी, सर्बानंद सोनोवाल, नारायण राणे और भूपेंद्र यादव सहित 27 संभावित नेता केंद्रीय मंत्रिमंडल के बड़े पैमाने पर फेरबदल का हिस्सा हो सकते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार में जिन नए मंत्रियों के शपथ लेने की संभावना है, उनमें मध्य प्रदेश के पूर्व कांग्रेस दिग्गज सिंधिया शामिल हैं, जो अब भाजपा में हैं।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी, भाजपा के वरिष्ठ संगठन पार्टी महासचिव, राजस्थान से भूपेंद्र यादव और मध्य प्रदेश से कैलाश विजयवर्गीय, जो पश्चिम बंगाल में भाजपा के अभियान के प्रभारी थे। भाजपा प्रवक्ता और अल्पसंख्यक चेहरा सैयद जफर इस्लाम भी केंद्र सरकार में भूमिका निभा सकते हैं।

मास्टर लिस्ट में असम के पूर्व सीएम सर्बानंद सोनोवाल और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम नारायण राणे के अलावा, महाराष्ट्र बीड के सांसद प्रीतम मुंडे और गोपीनाथ मुंडे की बेटी फेरबदल उम्मीदवारों की सूची में हैं।

सैयद जफर इस्लाम को भी मिल सकता है मौका

अनुप्रिया भी संभावितों में शामिल

उत्तर प्रदेश से बीजेपी यूपी प्रमुख स्वतंत्र देव सिंह, निश्चित रूप से पंकज चौधरी, महाराजगंज से सांसद, वरुण गांधी और गठबंधन सहयोगी अनुप्रिया पटेल संभावितों में शामिल हैं। राज्यसभा सांसद अनिल जैन, ओडिशा के सांसद, अश्चिनी वैष्णव और

बैजयंत पांडा, बंगाल के पूर्व रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी भी सूची में हैं। जैन अखिल भारतीय टेनिस संघ के अध्यक्ष भी हैं। राजस्थान से मोदी सरकार में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी.पी. चौधरी, चूरू से प्रदेश के सबसे युवा सांसद, राहुल कस्वां और सीकर के सांसद सुमेधानंद सरस्वती भी इन संभावितों में शामिल हैं। दिल्ली से एकमात्र प्रविष्ठि नई दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी हो सकती हैं। बिहार में महत्वपूर्ण मंथन के बीच, चिराग पासवान के खिलाफ बगावत करने वाले पशुपति पारस को लोजपा से केंद्रीय सीट मिलने की संभावना है। उसी तरह से जेडीयू के नामांकन आर.सी.पी. सिंह और संतोष कुमार भी इस सूची में हैं।

लद्दाख के सांसद पर भी विचार

कर्नाटक का प्रतिनिधित्व राज्यसभा सांसद राजीव चंद्रशेखर कर सकते हैं। गुजरात भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल अहमदाबाद पश्चिम सांसद किरीट सोलकी के साथ सरकार की ओर बढ़ रहे हैं। हरियाणा से, सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल, एक पूर्व आयकर अधिकारी, भी संभावितों में शामिल हैं। अपने संसद भाषण से प्रभावित करने वाले लद्दाख के सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल पर भी विचार किया जा रहा है। यूपी में आगामी चुनाव फेरबदल का एक कारक है और एक मजबूत संगठनात्मक चेहरे भूपेंद्र यादव के प्रवेश के साथ सरकार में कुछ अतिरिक्त चेहरे को भी जोड़ने की जरूरत है। 2019 में पीएम मोदी के सत्ता में आने के बाद से यह इस तरह का पहला फेरबदल सह विस्तार होगा।

एक नज़र...

असम, मणिपुर में नए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने असम विधानसभा में रंगिया से निर्वाचित भाबेश कलिता को पार्टी की प्रदेश इकाई की कमान सौंप दी। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रंजीत कुमार दास की जगह भाबेश कलिता की नियुक्ति को मंजूरी दी। श्री दास को राज्य की नई सरकार में पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री बनाया गया है। भाजपा ने मणिपुर में पार्टी उपाध्यक्ष श्रीमती शारदा देवी को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।

गोवा-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस पटरी से उतरी

मुंबई। निजामुद्दीन-मडगांव राजधानी सुपरफास्ट स्पेशल को ले जा रहे लोकोमोटिव का अगला पहिया रत्नागिरी में एक सुरंग के माध्यम से जूम करते समय पटरी से उतर गया। यह हादसा तड़के करीब 4.15 बजे हुआ जब ट्रेन कोंकण रेलवे रूट पर कारबुडे टनल में उक्षी और भोके स्टेशनों के बीच थी। सुरंग में एक बोल्डर दुर्घटना के कारण दुर्घटना हुई, लेकिन ट्रेन में सो रहे किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई।

ईडी ने देशमुख के दो सहयोगियों को किया गिरफ्तार

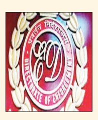

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कथित 'हफ्ता' मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया। दोनों के नाम कुंदन शिंदे और संजीव पलांडे हैं, जो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता देशमुख के साथ निजी कर्मचारी के रूप में काम कर रहे हैं।

एनसीबी ने चरस तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारत और नेपाल में चरस की तस्करी में शामिल एक अंतरराष्ट्रीय रैकेट का भंडाफोड़ किया है। एनसीबी के मुताबिक उसने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और साथ ही साथ 12.5 किलोग्राम दवा जब्त की है। बिहार के पूर्वी चंपारण से 51 वर्षीय महिला और हरियाणा के करनाल निवासी 40 वर्षीय मुकेश को गिरफ्तार किया है।

लक्खा सिधाना को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर परेड के दौरान लाल किले पर हुई हिंसा में कथित संलिप्तता के सिलसिले में गैंगस्टर से एक कार्यकर्ता बने लक्खा सिधाना को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश के मौलाना ने फेसबुक के हाहा इमोजी के खिलाफ जारी किया फतवा, यूजर्स ने इसी इमोजी से किया विरोध

वॉशिंगटन, एजेंसी । बांग्लादेश के बड़ी संख्या में ऑनलाइन फॉलोअर्स वाले प्रमुख मुस्लिम मौलवी ने लोगों का मजाक उड़ाने वाले फेसबुक के हाहा इमोजी के इस्तेमाल के खिलाफ फतवा जारी किया है. मौलाना अहमदुल्ला के फेसबुक और यूट्यूब पर 30 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. वह मुस्लिम बहुल बांग्लादेश में धार्मिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नियमित रूप से टेलीविजन शो में दिखाई देते हैं. शनिवार को अहमदुल्ला ने तीन मिनट का एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने फेसबुक पर लोगों का मजाक उड़ाने पर चर्चा की और एक फतवा जारी किया, जिसमें बताया गया कि यह मुसलमानों के लिए ÷पूरी तरह से हराम है. अहमदुल्ला ने वीडियो में कहा, आजकल हम लोगों का मजाक उड़ाने के लिए फेसबुक के हाहा इमोजी का इस्तेमाल करते हैं अगर हम हाहा इमोजी का इस्तेमाल विशुद्ध रूप से मज़ाक के साथ प्रतिक्रिया देने के लिए करते हैं और कंटेंट पोस्ट करने वाले का भी यही इरादा, तो यह ठीक है.

ऐसे मजाक उड़ाना इस्लाम में हराम– अहमदुल्ला ने कहा, लेकिन अगर आपकी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर पोस्ट करने या कमेंट करने वाले लोगों का मजाक उड़ाने या उपहास करने के लिए थी, तो यह इस्लाम में पूरी तरह से हराम है. मौलान ने कहा अल्लाह के लिए मैं आपसे इस कार्य से परहेज करने का अनुरोध करता हूं. किसी का मजाक उड़ाने के लिए हाहा इमजो का इस्तेमाल नहीं करें। यदि आप किसी मुस्लिम को आहत करते हैं तो वह बुरी भाषा के साथ जवाब दे सकता है जो अप्रत्याशित होगा. अहमदुल्ला के हजारों फॉलोअर्स ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी. इनमें से अधिकांश ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, हालांकि सैंकड़ों यूजर्स ने हाहा इमोजी का उपयोग करते हुए फतवे का विरोध किया. अहमदुल्ला इंटरनेट पर काफी सक्रिय रहते हैं और उनके हर वीडियो को लाखों व्यूज मिलते हैं.

जर्मनी में चाकू से किए गए हमले में तीन लोगों की मौत, कई लोग घायल, संदिग्ध हमलावर गिरफ्तार

बर्लिन: दक्षिण जर्मनी के वुर्जबर्ग शहर में एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर तीन लोगों की जान ले ली जबकि कई अन्य लोग हमले में घायल हुए हैं. जर्मनी के अधिकारियों ने बताया कि हमलावर को गोली मारकर घायल किया गया और उसके बाद उसकी गिरफ्तारी की जा सकी. यह हमला बवेरिया राज्य स्थित शहर के मध्य भाग में हुआ और अब तक स्पष्ट नहीं है कि इसमें कितने लोग घायल हुए हैं. पुलिस ने संदिग्ध हमलावार की पहचान 24 वर्षीय सोमालियाई मूल के व्यक्ति के तौर पर की है जो शहर में रहता था. अधिकारियों ने बताया कि पुलिस की गोली से घायल हमलावर की जान को कोई खतरा नहीं है. वहीं सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियों में दिख रहा है कि राहगीर हमलावर को घेरे हुए हैं. जर्मन आरटीएल टेलीविजन पर एक महिला ने बताया कि उसने घटना को देखा है और पुलिस पहुंच चुकी है. जूलिया रुनजे ने बताया, उसके पास बड़ा चाकू था और वह लोगों पर हमला कर रहा था. इसके बाद कई लोगों ने उसे रोकने के लिए कुर्सी, छाता या सेलफोन से वार किया. इसके बाद पुलिस पहुंची और मेरा मानना है कि उसे गोली मारी, आप आवाज साफ तौर पर सुन सकते हैं.

पुलिस ने गोली मारकर किया गिरफ्तार– पुलिस प्रवक्ता कर्स्टिन कुनिक ने कहा कि अधिकारियों को शाम करीब पांच बजे जानकारी मिली कि शहर के मध्य में बारबरोसा चौक पर चाकू से लोगों पर हमला किया जा रहा है. जिसके बाद मौके पर पहुंचकर हमलावर व्यक्ति को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, ऐसा नहीं करने पर व्यक्ति को गोली मारकर घायल करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया.

कनाडा में जहां पहले स्कूल था, वहां मिली 751 कब्रें

वॉशिंगटन, एजेंसी । कनाडा में जहां कभी पहले स्कूल हुआ करता था, वहां अब 751 बच्चों की कब्रें मिली हैं. इससे कनाडा में हड़कंप मच गया है. यह स्कूल 1899 से 1997 तक कार्यशील था. उसके बाद बंद हो गया. इन कब्रों पर किसी तरह के कोई चिन्ह नहीं हैं. कनाडा सस्केचेवान प्रांत के पूर्व मैरीवल इंडियन रेजिडेंशियल स्कूल में खुदाई के दौरान इन कब्रों के मिलने का दावा किया गया है. स्थानीय संगठन काउसेस नेशन फर्स्ट ने बताया कि खुदाई में करीब 751 कब्रें मिली हैं. कब्रों पर कोई नाम नहीं है, इसलिए ये समझना मुश्किल है कि यहां क्या हुआ होगा. एक सप्ताह पहले भी कुछ ऐसी ही अनाम कब्रों का पता चला था. ये शव मैरीबल इंडियन रेजिडेंशियल स्कूल में मिला हैं, जो वर्तमान में सस्केचेवान की राजधानी रेगिना से लगभग 87 मील पूर्व काउसेस में 1899 से 1997 तक संचालित था. कॉज फर्स्ट नेशंस के प्रमुख कदोमसुंडेलमोर ने एक इन कब्रों के बारे में बताया.

फेडरेशन ऑफ सॉवरेन इंडिजिनस पीपुल्स फेडरेशन के प्रमुख बॉबी कैमरन ने कहा कि उन्हें आशंका है कि पूरे कनाडा में आवासीय स्कूलों के परिसर में और कब्रें मिलेंगी. उन्होंने कहा कि यह मानवता के खिलाफ अपराध है और स्वदेशी लोगों पर हमला है. उन्होंने कहा कि हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हमें सभी शव नहीं मिल जाते. पहले कहा गया था कि इन कब्रों को चिह्नित किया गया था लेकिन स्कूल चलाने वाले लोगों ने कहा कि यह अचिह्नित थे. उन्होंने कहा, हम इसे एक अपराध के रूप में देखते हैं. काउसेस और सस्केचेवान का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉवरेन इंडिजिनस पीपुल्स फेडरेशन ने कल कहा था कि बिना किसी पहचान वाली इन कब्रों की संख्या से कनाडा में अब तक के महत्वपूर्ण छुपे हुए कब्रों की संख्या का पता लग सकता है.

नरसंहार की आशंका – काउसेस फर्स्ट नेशन के प्रमुख कैडमस डेलोर्मे ने आशंका जाहिर की है कि इन कब्रों के हेडस्टोन या मार्कर को जानबूझकर हटा दिया गया होगा, ताकि किसी को सच्चाई पता नहीं चल सके. वहीं Federation of Sovereign Indigenous First Nations के चीफ बॉबी कैमरून ने कहा कि कब्रों को देखकर लगता है कि यहां कोई नरसंहार हुआ होगा. उन्होंने आगे कहा, 'दुनिया कनाडा को देख रही है. सस्केचेवान प्रांत में कॉन्सन्ट्रेशन कैंप थे, जिन्हें भारतीय आवासीय स्कूल कहा जाता था. उन्होंने कहा, कनाडा को एक ऐसे राष्ट्र के रूप में जाना जाएगा जिसने 'फर्स्ट नेशन' खत्म करने की कोशिश की. अब इसके सबूत भी मिलने लगे हैं. पिछले महीने पहले ब्रिटिश कोलंबिया के Kamloops के पास भी एक बड़े स्वदेसी स्कूल के परिसर में 215 बच्चों के कब्रों का पता चला था. इनमें से एक बच्चे की उम्र मात्र तीन साल थी. एक समय यह स्कूल कनाडा का सबसे बड़ा स्कूल हुआ करता था.

अमेरिकी अदालत का बड़ा फैसला, जॉर्ज फ्लॉयड हत्या मामले में पूर्व पुलिस अधिकारी डेरेक चाउविन को 22.5 साल की जेल

वॉशिंगटन, एजेंसी । अमेरिका की एक अदालत ने जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है. इससे पहले वॉशिंगटन की हेनेपिन काउंटी कोर्ट ने मिनियापोलिस के पूर्व पुलिस अधिकारी डेरेक चाउविन को अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लायड की हत्या का दोषी ठहराया था. जिस मामले में दोषी ठहराए गए मिनियापोलिस के पूर्व पुलिस अधिकारी डेरेक चाउविन को 22.5 साल जेल की सजा सुनाई गई है. पिछले साल चाउविन के जरिए फ्लॉयड की गर्दन को घुटने से दबाए जाने के बाद दम घुटने से मौत हो गई थी, जिसका वीडियो सामने आने के बाद अमेरिका में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे. एक समाचार पत्रिका के अनुसार कहा जा रहा है कि अभियोजकों ने 30 साल की सजा मांगी थी. हालांकि, चाउविन का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है. इसलिए न्यायाधीश को 10 साल से 15 साल के बीच की सजा देने की सलाह दी गई थी.

मिली 22.5 साल जेल की सजा– जज पीटर ए काहिल ने चाउविन को सजा सुनाने से पहले कहा कि उनकी सजा भावनाओं पर आधारित नहीं होगी, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा मैं उस दर्द को स्वीकार करना चाहता हूं जो सभी परिवार महसूस कर रहे हैं, खासकर फ्लॉयड परिवार. इसके साथ ही जज ने चाउविन को 22.5 साल जेल की सजा सुनाई.

चाउविन ने फ्लॉयड परिवार के प्रति व्यक्त की संवेदना– बता दें कि इससे पहले चाउविन को अप्रैल में सेकेंड-डिग्री मर्डर, थर्ड-डिग्री मर्डर और सेकेंड-डिग्री मैन्सलॉटर का दोषी ठहराया गया था. उन्हें सेकेंड-डिग्री हत्या के लिए 40 साल तक, थर्ड-डिग्री हत्या के लिए 25 साल तक और हत्या के लिए 10 साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है. वहीं कोर्ट में संक्षेप में बोलते हुए चाउविन ने फ्लॉयड के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की. उसने कहा मैं फ्लॉयड परिवार के प्रति अपनी संवेदना देना चाहता हूं.

वैक्सीन नहीं लगवाना अब पड़ रहा भारी, अमेरिका में अब लगभग सभी कोविड मौत बिना टीकाकरण वालों की

वॉशिंगटन, एजेंसी । अमेरिका में कोविड -19 से लगभग सभी मौतें अब उन लोगों की हो रही हैं जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई थी. इससे साबित हो रहा कि वैक्सीन कितनी प्रभावी हैं. अमेरिका में दैनिक मौतों का आंकड़ा अब 300 से कम हो गया है और सभी पात्र लोगों को टीका लगाया जाए तो यह संख्या जीरो आ सकती है.

मई के बाद से सरकारी आंकड़ों का एसोसिएटेड प्रेस ने विश्लेषण किया है. इससे पता चलता है कि पूरी तरह से टीकाकरण वाले लोगों में ब्रेकथ्रू संक्रमण के 853,000 से ज्यादा मामलों में से अस्पतालों में 1,200 से कम लोग भर्ती हुए. भर्ती होने वालों का यह आंकड़ा लगभग 0.1त्न है. वहीं, मई में 18,000 से अधिक कोविड -19 मौतों में से केवल 150 लोग ही ऐसे थे जिनका पूरी तरह से टीकाकरण हुआ था. यह लगभग 0.8त्न है या औसतन प्रति दिन पांच मौतें हुई .

45 राज्यों ने ब्रेकथ्रू इंफेक्शन की रिपोर्ट – सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) द्वारा प्रदान किए गए आंकड़े के विश्लेषण से यह बात सामने आई है. हालांकि आंकड़ों में लिमिट्स का हवाला देते हुए सीडीसी ने खुद अनुमान नहीं लगाया है कि पूरी तरह से टीकाकरण वाले लोगों में कितने प्रतिशत अस्पताल में भर्ती हुए और कितनी मौतें हुईं. सीडीसी अधिकारियों ने कहा कि लगभग 45 राज्यों ने ब्रेकथ्रू इंफेक्शन की रिपोर्ट की है और कुछ ऐसे मामलों में दूसरों की तुलना में अधिक अग्रेसिव हैं. इसलिए डेटा शायद ऐसे इंफेक्शन को समझता है.

इस महीने की शुरुआत में, कोविड -19 पर बिडेन प्रशासन के पूर्व सलाहकार एंडी स्लाविट ने कहा था कि कोरोना वायरस से मरने वाले 98त्न से 99त्न अमेरिकियों का टीकाकरण नहीं हुआ था. और सीडीसी के निदेशक डॉ. रोशेल वालेंस्की ने मंगलवार को कहा कि टीका इतना प्रभावी है कि कोविड -19 के कारण विशेष रूप से वयस्कों में लगभग हर मौत को इससे रोका जा सकता है. उन्होंने ऐसी मौतों को विशेष रूप से दुखद बताया था. अमेरिका में टीकाकरण के बाद से मौतों की संख्या में कमी आई है. सीडीसी के अनुसार, 12 साल और उससे अधिक उम्र के सभी पात्र अमेरिकियों में से लगभग 63त्न लोगों को वैक्सीन कम से कम एक डोज मिल चुकी है और 53त्न को दोनों डोज दी जा चुकी हैं.

जो बाइडन बोले- अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना वापस बुलाने के बाद भी हमारे बीच कायम रहेगी साझेदारी

वॉशिंगटन, एजेंसी । अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस बुलाने की तैयारी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि दक्षिण एशियाई राष्ट्र के साथ उनके देश की साझेदारी कायम रहेगी. अफगानिस्तान से निकलने की अमेरिका की तैयारियों के बीच, बाइडन ने कहा कि दोनों नेताओं के पास बहुत मुश्किल काम हैं.

उन्होंने कहा, वे अफगान नेताओं के बीच एकता बनाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं. अफगानिस्तान के नागरिक अपना भविष्य निर्धारित करने जा रहे हैं कि वे क्या चाहते हैं. लेकिन इससे हमारी मदद में कमी नहीं होगी... बेवजह की हिंसा, इसे रोकना होगा, यह बहुत मुश्किल होने वाला है. लेकिन हम आपके साथ रहेंगे और हम भरसक कोशिश करेंगे कि आपको जिन चीजों की जरूरत हो वे आपको मिलें.

गनी ने कहा कि अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों के नये युग में प्रवेश कर रहा है जहां साझेदारी न सिर्फ सैन्य होगी बल्कि परस्पर हितों के संबंध में व्यापक होगी. उन्होंने कहा, हम अत्यंत प्रोत्साहित एवं संतुष्ट हैं कि यह साझेदारी हो रही है. प्राथमिकताएं तय करने के लिए धन्यवाद. इससे पहले पेंटागन में रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने उल्लेख किया था कि कैसे रक्षा मंत्रालय ने अफगानिस्तान में सुरक्षा एवं स्थिरता तथा समझौता वार्ता के लिए बहुत अधिक प्रयास किए हैं.

सहयोगी को Kiss करते दिखे ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री, कोरोना पाबंदियों का उल्लंघन करने का लगा आरोप तो मांगी माफी

लंदन, एजेंसी । ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पाबंदियों का उल्लंघन करने के लिए माफी मांगी, जब एक अखबार ने उनकी एक महिला को गले लगाने की तस्वीरें प्रकाशित की जिसके साथ उनका कथित रूप से प्रेम संबंध है.

हैनकॉक उन सरकारी अधिकारियों में सबसे नये हैं जिनके खिलाफ कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लगाए गई पाबंदियों का उल्लंघन करने का आरोप लगा है. 'सन' अखबार ने स्वास्थ्य विभाग के एक कार्यालय में हैनकॉक और एक वरिष्ठ सहयोगी को गले मिलती तस्वीरें प्रकाशित की हैं. उसने कहा कि सीसीटीवी तस्वीरें लॉकडाउन नियमों में ढील दिये जाने से 11 दिन पहले 6 मई को ली गई थीं.

हैनकॉक ने एक बयान में कहा कि ''मैं स्वीकार करता हूं कि मैंने इन परिस्थितियों में सामाजिक दूरी नियमों का उल्लंघन किया है.'' उन्होंने कहा ,''मैंने लोगों को निराश किया है और मुझे बहुत खेद है. मैं देश को इस महामारी से बाहर निकालने के लिए काम करने पर ध्यान केंद्रित किये हुए हूं और इस व्यक्तिगत मामले पर अपने परिवार के लिए गोपनीयता के लिए आभारी रहूंगा.''

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन हैनकॉक के समर्थन में खड़े हैं लेकिन मुख्य विपक्षी दल लेबर पार्टी ने कहा कि उन्हें सामाजिक दूरी नियमों का उल्लंघन करने के लिए पद से हटा दिया जाना चाहिए.

लेबर पार्टी की अध्यक्ष एनेलिस डोड्स ने कहा, ''अगर मैट हैनकॉक का अपने कार्यालय में एक सलाहकार के साथ गुप्त रूप से संबंध रहा है जिसे उन्होंने करदाता-वित्त पोषित भूमिका के लिए व्यक्तिगत रूप से नियुक्त किया है तो यह सत्ता का एक ज़बरदस्त दुरुपयोग है. बोरिस जॉनसन को उन्हें बर्खास्त कर देना चाहिए.''

जॉनसन के प्रवक्ता जेमी डेविस ने कहा कि प्रधानमंत्री को हैनकॉक पर पूरा भरोसा है. उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री की माफी स्वीकार कर ली है और इस मामले समाप्त मानते हैं. वह और बाकी सरकार महामारी से निपटने के लिए ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी.'' डेविस ने कहा, ''नियुक्ति में सभी सही प्रक्रियाओं का पालन किया गया.''

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी वाशिंगटन में व्हाइट हाउस के ओवल कार्यालय में राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बैठक के दौरान बोलते हुए।

इंसान के दिमाग में घुसेगा कम्प्यूटर का कीड़ा, सारी दुनिया को पता चल जाएंगे आपके सीक्रेट और प्लान

वॉशिंगटन, एजेंसी । कई बार ऐसा होता होगा कि आप कुछ सोचते हैं, लेकिन उसे करने से पहले ही भूल जाते हैं. कोई बेहद महत्वपूर्ण काम या कोई पासवर्ड अचानक दिमाग से गायब हो गया, फिर उसे याद करना मुश्किल हो जाता है. ऐसे में आपको वो सारी हॉलीवुड फिल्में याद आ जाती हैं, जिनमें ब्रेन से कनेक्टेड टेक्नॉलजी दिखाई जाती है. ये सिर्फ फिल्में नहीं, हमारी ज़िंदगी का बेहद नज़दीकी सच है. कुछ ही सालों में हमारी लाइफस्टाइल ऐसी ही रोबोटिक टेक्नॉलजी से लैस होगी. ये नई तकनीक विकसित कर रहे हैं टेक टायकून एलन मस्क . उनकी कंपनी ने इसका डेमो भी दे दिया है. इस तकनीक के ज़रिये हमारा दिमाग किसी दूसरी मशीन के साथ सीधा कनेक्टेड होगा. इसका फायदा ये है कि हमारे दिमाग में कोई बात आते ही प्रॉसेस होने लगेगी. एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक एक ऐसा ही न्यूरल इम्प्लांट विकसित कर रही है, जो बिना किसी हार्डवेयर के इंसानी दिमाग की गतिविधियों को दूसरी मशीन पर प्रसारित कर देगी.

क्या है न्यूरालिंक टेक्नोलॉजी– ये तकनीक ऐसे न्यूरल इंप्लांट को विकसित करने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जिससे इंसानी दिमाग को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सिंक्रोनाइज़ करके कम्प्यूटर्स, कृत्रिम शारीरिक अंग और दूसरी मशीनों को सिर्फ सोचने भर से चलाया जा सके. इसके लिए विकसित की जा रही डिवाइस बेहद छोटी होगी. इसका आकार नाखून के बराबर होगा और ये बैटरी से ऑपरेट होगी. इसमें इस्तेमाल होने वाले तार इंसान के बालों से भी कई गुना पतले होंगे. इसे दिमाग के अंदर इंप्लांट किया जाएगा.

कुछ लोगों के लिए वरदान होगी तकनीक

अगर ये तकनीक अच्छी तरह विकसित हो गई, तो इससे फायदा उन लोगों को होगा, जिनके हाथ-पांव नहीं चलते लेकिन दिमाग चलता है. रीढ़ की हड्डी की चोट, स्ट्रोक या फिर और भी शारीरिक अक्षमताओं के चलते काम न कर पाने वाले लोगों के लिए ये तकनीक वरदान होगी. न्यूरालिंक के ज़रिये वे अपने दिमाग का इस्तेमाल कर पाएंगे. हालांकि खुफिया एजेंसियों और एजेंट्स के लिए इसकी उपयोगिता सबसे ज्यादा होगी.

कोई सीक्रेट छिप नहीं पाएगा– इस तकनीक से कम्प्यूटर सुपरमेसी का डर सबसे ज्यादा है. दिमाग विचारों से मशीनों पर काबू पाएगा लेकिन अगर इसका उल्टा हुआ तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी इंसानी दिमाग पर काबू पा सकती है. ऐसा हुआ तो न तो कोई सीक्रेट आप तक सीमित रहेगा न ही कोई प्राइवेसी बाकी रहेगी. वहीं दिमाग के अंदर बाहरी चीज़ फिक्स करने से इंफेक्शन का भी खतरा बना रहेगा और ब्रेन न्यूरॉन्स के लिए खतरा बन सकता है.

भारतीय महिला ने ब्रिटेन में कोरोना से डर के चलते 5 साल बेटी को चाकू मारकर उतारा मौत के घाट

लंदन, एजेंसी । ब्रिटेन में 36 वर्षीय एक भारतीय महिला ने अपनी पांच वर्षीय बेटी की अपने घर पर हत्या करने की बात स्वीकार की है. महिला का कहना है कि उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उसके अंदर कोविड-19 से मरने का डर पैदा हो गया था और सोचा कि उसकी छोटी बच्ची उसके बिना नहीं रह सकती. एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है.

मेट्रो डॉट को डॉट यूके की रिपोर्ट के अनुसार, सुधा शिवनाथम ने पिछले साल 30 जून को दक्षिण लंदन के अपने फ्लैट के बेडरूम में अपनी बेटी सयागी की 15 बार चाकू मारकर हत्या कर दी, जिसके बाद खुद को भी गंभीर रूप से घायल कर लिया. रिपोर्ट में कहा गया कि उसके पति ने कहा कि वह वायरस से संक्रमित होने को लेकर डर गई थी और हो सकता है कि लॉकडाउन प्रतिबंधों के कारण वह अकेलापन महसूस कर रही हो और उसे कोई रास्ता न सूझा हो. गुरुवार को ओल्ड बेली में पेश हुई शिवनाथम ने अपराध स्वीकार कर लिया। उसे अनिश्चित काल के लिए अस्पताल में रखा जाएगा.

शादी के बाद 2006 से ब्रिटेन में रह रही शिवनाथम ने महामारी से लगभग एक साल पहले रहस्यमय बीमारियों की शिकायत की थी. अभियोजकों ने कहा कि वह गंभीर रूप से बीमार थी और आश्वस्त हो गई थी कि वह मरने वाली है.

हमले के दिन, उसने अपने पति से काम पर न जाने का आग्रह किया और दोस्तों को फोन करके बताया कि वह अस्वस्थ है. शाम करीब चार बजे पड़ोसी मिचम के मोनार्क परेड के फ्लैट में गए, तो उसे शिवनाथम को घायल पाया. बिस्तर पर पड़ी सयागी के गले, छाती और पेट में कई वार किए गए थे.

सुधा को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका पुलिस हिरासत से रिहाई मिलने से पहले दो महीने से अधिक समय तक इलाज चला. उसे मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम की धारा 37 और 41 के तहत अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया.

अमेरिका के फ्लोरिडा में इमारत ढही- चार शव मिले, 159 लोग लापता

सर्फसाइड (अमेरिका), एजेंसी । मियामी के बाहरी इलाके में समुद्र तट के नजदीक स्थित एक इमारत बुधवार देर रात आंशिक रूप से ढह गई, जिसमें मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई और 159 लोग अभी लापता बताए जा रहे हैं. बचावकर्ताओं ने कई लोगों को मलबे से निकाला है और अन्य लोगों की तलाश की जा रही है. घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि कुछ लोगों को मामूली इलाज के बाद जाने दिया गया. अधिकारियों ने बताया कि सर्फसाइड में 12 मंजिला इमारत का एक हिस्सा स्थानीय समयानुसार देर रात डेढ़ बजे ढह गया. मेयर चार्ल्स बरकेट ने कहा, ''यह बहुत दुखद है.''

मियामी-डेड काउंटी के सहायक दमकल प्रमुख रेड जदल्लाह ने कहा, ''हर बार जब हम कोई आवाज़ सुनते हैं, तो हम उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हैं.'' राहत और बचाव का काम जोरों पर किया गया.

मियामी-डेड पुलिस निदेशक फ्रेडी रामिरेज ने कहा कि तीन और शव कल रात बरामद किये गये थे और पीड़ितों की पहचान करने के लिए अधिकारी चिकित्सा परीक्षक के कार्यालय के साथ काम कर रहे हैं. हादसे में 11 लोग घायल हुए है और चार लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है. ऐसा संभव है कि घायलों की संख्या बढ़ जाए, क्योंकि अभी मलबे में और लोगों के फंसे होने की आशंका है.

मियामी-डेड की मेयर डेनिएला लेविन कावा ने कहा कि बचाव दल के मलबे से गुजरने का ''अत्यधिक खतरा'' है. अधिकारियों ने इमारत कैसे ढही, इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है. हालांकि यह पता चला है कि इमारत की छत पर कुछ काम चल रहा था. अधिकारियों का कहना है कि अभी प्राथमिकता इस मलबे में लोगों को तलाशने की है.

उन्होंने बताया कि लगभग आधी इमारत की लगभग 130 इकाइयां प्रभावित हुईं, और बचाव दल ने इमारत ढहने के बाद पहले घंटों में कम से कम 35 लोगों को मलबे से निकाला जा चुका है, लेकिन 159 लोग अभी भी लापता है और उनकी तलाश की जा रही है.

जॉर्ज फ्लॉयड मामले में आया बड़ा फैसला, दोषी पूर्व पुलिस अधिकारी को मिली साढ़े 22 साल की सजा

मिनेपोलिस, एजेंसी । अश्वेत अफ्रीकी-अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के मामले में दोषी पाए गए पूर्व पुलिस अधिकारी डेरेक चॉविन को 22 साल 6 महीने जेल की सजा सुनाई गई है. फ्लॉयड परिवार के वकील ने अदालत के इस फैसले को ऐतिहासिक बताया है. हालांकि, अभियोजन पक्ष ने चॉविन को 30 साल की सजा दिए जाने की मांग की थी. खास बात यह है कि फ्लॉयड की मौत के बाद ही अमेरिका में ब्लैक लाइव्स मैटर के बैनर तले भारी विरोध प्रदर्शन हुआ था. शुक्रवार को मिनेपोलिस कोर्ट में मौजूद 45 साल के चॉविन ने सजा सुनाए जाने से पहले फ्लॉयड के परिवार को सांत्वना दी. हालांकि, इस दौरान उन्होंने परिवार से माफी नहीं मांगी.

जज पीटर काहिल ने कहा कि यह सजा पद और अधिकार का दुरुपयोग और जॉर्ज फ्लॉयड के खिलाफ दिखाई गई क्रूरता पर आधारित है. एपी के अनुसार, काहिल ने सजा सुनाए जाने के बाद लंबे समय तक बात नहीं की, लेकिन उन्होंने इस फैसले को समझाते हुए एक 22 पन्नों का मेमोरेंडम जारी किया है. उन्होंने कहा कि यह ज्यादा गहन या चतुर होने का सही समय नहीं था. उन्होंने कहा कि उनका निर्णय भावना या हमदर्दी पर आधारित नहीं है, लेकिन उन्होंने इस दर्द स्वीकार किया, जो फ्लॉयड की मौत की वजह से समुदाय को हुआ है. मई 2020 में चॉविन और उनके तीन सहकर्मियो ने 46 साल के फ्लॉयड को 20 डॉलर का फर्जी नोट चलाने के आरोप में पकड़ा था. इस दौरान उन्होंने जमीन पर पड़े फ्लॉयड की गर्दन को घुटने से करीब 10 मिनट तक दबाए रहा. इस दौरान फ्लॉयड लगातार दम घुटने की बात कह रहा था. पास से गुजर रही एक महिला ने मामले का वीडियो बनाया, जो कुछ ही समय में वायरल हो गया.

डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ सकती है मुश्किलें, कैपिटल बिल्डिंग हिंसा की जांच के लिए बनी स्पेशल टीम

वॉशिंगटन, एजेंसी । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें आने वाले दिनों में बढ़ सकती है. राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे के बाद कैपिटल बिल्डिंग में हुए हिंसा की जांच के लिए अलग टीम बनाई गई है. हाउस डेमोक्रेट्स की स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने 6 जनवरी को हुए घातक हिंसा की जांच के लिए एक विशेष कांग्रेस कमेटी बनाई है. पेलोसी ने कहा कि यह जरूरी है कि जो हुआ उसके हमें उसके पीछे की सच्चाई जाननी चाहिए.

समाचार एजेंसी-क्क की रिपोर्ट के अनुसार पेलोसी ने कहा कि यह जांच विस्तार से होगी. इसके लिए कोई समयसीमा नहीं गई है. पेलोसी ने समिति की संरचना के बारे में विवरण नहीं बताया. यह भी नहीं बताया गया कि इस टीम का नेतृत्व कौन करेगा. सीनेट रिपब्लिकन ने पिछले महीने जांच करने के लिए 9/11 आयोग पर आधारित एक स्वतंत्र पैनल स्थापित करने के लिए कानून को सिमित कर दिया था.

6 जनवरी को क्या हुआ था– पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार नहीं की थी. उन्होंने 3 नवंबर को हुए चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे. ट्रंप के इन आरोपों के बीच, कैपिटल बिल्डिंग पर उनके समर्थकों ने 6 जनवरी को धावा बोला था और हिंसा की थी. यह हमला उस समय किया गया था, जब संसद में जो बाइडन की राष्ट्रपति चुनाव में जीत को सत्यापित किया जा रहा था.

5 लोगों की मौत, 400 से ज्यादा लोग आरोपित– इस हिंसा में कैपिटल पुलिस अधिकारी सहित पांच लोगों की मौत हो गई थी. कैपिटल हमले से संबंधित अपराधों के लिए 400 से अधिक लोगों को आरोपित किया गया है.

विधेयक पारित कराने के लिए 10 रिपब्लिकन वोट की जरूरत

सदन में तीन दर्जन से अधिक रिपब्लिकन और सात सीनेट रिपब्लिकन ने कहा कि वे एक पक्षपातपूर्ण जांच से बचना चाहते हैं. उन्होंने एक आयोग बनाने के लिए कानून का समर्थन किया, जो 9/11 आतंकवादी हमलों की जांच करने वाले आयोग के समान हो. लेकिन, यह सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी के विरोध को दूर करने के लिए काफी नहीं है, जहां अगर डेमोक्रेट के सभी सदस्य इसके पक्ष में वोट करें तो भी विधेयक पारित कराने के लिए 10 रिपब्लिकन के मतों की जरूरत होगी.

राम मंदिर घोटाले को लेकर संजय सिंह का केंद्र से सवाल

घोटाला करने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं

नई दिल्ली (संवाददाता)। राज्यसभा सदस्य एवं आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी संजय सिंह ने राम के मंदिर के नाम पर हुए करोड़ों रुपए के घोटाले पर प्रधानमंत्री से कई सवालों का जवाब मांगा है। उन्होंने पीएम से पूछा है कि घोटाला करने वाले भाजपा और ट्रस्ट के लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है, क्या प्रधानमंत्री की संवेदनाएं समाप्त हो चुकी है? पीएम की ट्रस्ट के लोगों के साथ जो बैठक हुई, क्या उसमें उन्होंने पूछा कि यह घोटाला क्यों किया और प्रभु श्रीराम का मंदिर क्यों नहीं बन पा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के मेयर का रिश्तेदार रवि मोहन तिवारी ने जिस सुल्तान अंसारी, हरीश पाठक व कुसुम पाठक से मिलकर 18 मार्च को 2 करोड़ की जमीन ट्रस्ट को 18.50 करोड़ में जमीन बेची थी, बाद में उसने उन्हीं की

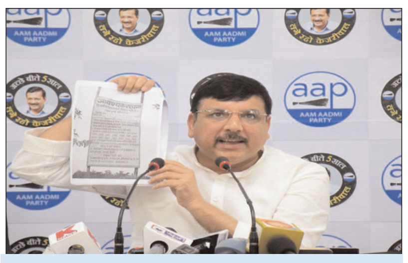

- प्रधानमंत्री की संवेदनाएं क्या खत्म हो चुकी हैं : संजय सिंह
- आरएसएस प्रमुख को भ्रष्टाचार से संबंधित कागजात देने के लिए पत्र लिखा मांगा मिलने का समय

पार्टनरशिप में 19 अप्रैल को 10 करोड़ रुपए की जमीन खरीदी है। संजय सिंह ने कहा कि मैंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भाजपा नेताओं और ट्रस्ट के लोगों के घोटाले व भ्रष्टाचार से संबंधित कागजात देने के लिए पत्र लिखकर मिलने का समय मांगा है। हिंदूवादी संगठन होने का दावा करने वाले आरएसएस प्रमुख को इस मुद्दे पर अपना पक्ष देश के सामने सार्वजनिक करनी चाहिए। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले बताया है कि किस तरह से 5 मिनट में दो करोड़ रुपए कीमत की जमीन 18.50 करोड़ रुपए की हो गई, किस तरह से प्रति सेकंड 5.50 लाख रुपए और प्रति मिनट 3.30 करोड़ रुपए जमीन महंगी हो गई। हमने बताया कि किस तरीके से 20 लाख की जमीन 2.50 करोड़ रुपए में बेच दी गई और बीजेपी वालों ने यह भ्रष्टाचार किया।

देश के करोड़ों हिंदुओं की आस्था पर चोट पहुंचाने का किया काम : संजय सिंह

नई दिल्ली। संजय सिंह ने प्रधानमंत्री से पूछते हुए कहा कि इस घोटाले का खुलासा करते हुए 10 से 12 दिन हो गए। इसके अनेक साक्ष्य आ चुके हैं। जब आप इनसे मीटिंग कर रहे हैं, तो क्या आपने इनसे सवाल किया कि डेढ़ साल में प्रभु श्रीराम के मंदिर की नींव अभी तक क्यों नहीं भर पाए? ऊपर तक अगर करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार का हिस्सा जा रहा है, तो किसको-किसको जा रहा है? कितने बीजेपी वाले और कितने ट्रस्ट वाले इसमें शामिल हैं। ट्रस्ट वालों की मिलीभगत से बीजेपी वालों ने इतनी चंदा चोरी की कि प्रभु श्रीराम के मंदिर का निर्माण पूरी तरह से रुक गया है। दिन-रात उनका दिमाग जमीन के नाम पर चंदा चोरी करने में लगा हुआ है। देश के करोड़ों हिंदुओं की आस्था पर चोट और गहरा आघात पहुंचाने का काम भाजपा और ट्रस्ट के लोगों ने किया है। इसलिए आज प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए, प्रधानमंत्री को इन लोगों से पूछना चाहिए कि घोटाला किया, तो क्यूं किया।

भाजपा वालों की नियत राम मंदिर बनाने में नहीं, चंदा चोरी में

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह ने आज पार्टी मुख्यालय में महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण में जो ट्रस्ट काम कर रहा है, उन लोगों के साथ एक बैठक की है। मैं पिछले कई दिनों से लगातार एक नहीं, कई साक्ष्य मीडिया के माध्यम से देश की जनता के सामने कर चुका हूं कि किस तरह से भाजपा वालों ने प्रभु श्रीराम के मंदिर की जमीन में करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार और घोटाला किया है। पिछले डेढ़ साल से अगर प्रभु श्रीराम का मंदिर आयोध्या में नहीं बन पा रहा है, अगर प्रभु श्रीराम मंदिर के निर्माण का काम रुका हुआ है, तो उसके लिए कोई और नहीं, बल्कि बीजेपी वाले जिम्मेदार हैं, उनकी चंदा चोरी जिम्मेदार है। उनकी नियत प्रभु श्रीराम का मंदिर बनाने में नहीं, बल्कि चंदा चोरी में है। उनकी आस्था प्रभु श्रीराम में नहीं है, उनकी आस्था प्रॉपर्टी डीलर्स में है। हमें जानकारी मिली है कि इसका पैसा ऊपर तक जा रहा है।

सरकारी टेंडर और नौकरी दिलाने के बहाने ठगने वाले गैंग का भंडाफोड़, 3 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली के दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस ने सरकारी टेंडर और नौकरी दिलाने के बहाने लोगों को ठगने वाले गैंग का भंडाफोड़ कर तीन आरोपियो को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उनके पास से 9 मोबाइल फोन और एक कार बरामद की है.

दिल्ली के दक्षिण पूर्वी जिला अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जिले में अपराध को ध्यान में रखते हुए एसीपी ऑपेराशन उमेश बर्थवाल की देखरेख में एएसआई कृपाल सिंह, हेड कांस्टेबल प्रवीण, उमेश कुमार, शरवन और कांस्टेबल अनुज की टीम का गठन किया गया था. इस टीम ने जांच के दौरान खुफिया तंत्र विकसित किया.

इसी दौरान सूत्रों से मिली गुप्त सूचना के आधार पर मदनपुर खादर रेड लाइट के पास मथुरा रोड पर जाल बिछाकर बदरपुर बार्डर की तरफ से आती कार को गुप्त मुखबिर के संकेत पर रोक दिया.

पूछताछ करने पर, कार के चालक की पहचान प्रवीण राघव (40) और कार में बैठे दो अन्य व्यक्तियों की पहचान महेंद्र तिवारी (43) और लवकुश मिश्रा (38) के रूप में हुई. पुलिस ने जांच के दौरान तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से नौ मोबाइल फोन और एक कार बरामद की गई.

पुलिस की पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि वे करीबी दोस्त हैं. वे कम समय में जल्दी पैसा कमाना चाहते थे. इसलिए उन्होंने टेंडर और सरकारी नौकरी दिलाने के बहाने लोगों को ठगना शुरू कर दिया. पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपी यूपी में वांछित अपराधी हैं और उन पर 50,000 का इनाम घोषित है. महेंद्र और प्रवीण पहले यूपी में धोखाधड़ी के 01 मामले में शामिल रहा है जबकि लव कुश तीन मामलों में शामिल रहा

संक्षिप्त खबर

कल्याण जी जाना का दिल्ली में किया किया भव्य स्वागत

नई दिल्ली। गरीबों के मसीहा सुप्रसिद्ध समाजसेवक मुंबई के दादासाहब फाल्के के चेयरमैन कल्याण जाना का दिल्ली में भव्य स्वागत किया गया। स्वागत आम आदमी पार्टी के नेता श्रवण दीक्षित के कार्यालय में हुआ। जिसमे कृष्णा नगर के लोकप्रिय विधायक व दिल्ली सरकार के चाचा नेहरू हॉस्पिटल के चेयरमैन एस के बग्गा भी उपस्तिथ रहे। सिनेंमा जगत के हास्य कलाकार कल्याण जाना ने कोरोना काल में जरूरतमंद लागो को राशन मुहैया करवाया। प्रवासी मजदूरों को सहायता राशि प्रदान कर उन्हें उनके कल्याण जी जाना की दादासाहब फाल्के ने पूरे कोरोना काल में पूरे महाराष्ट्र में लोगों की सेवा करी। घर-घर जाकर लोगों को सेनिटाइजर व मास्क वितरण करे। और कोरोना काल में जिन लोगों को आक्सीजन की कमी हुई उन्हें आक्सीजन उपलब्ध करवाई व जरूरतमंद दवाई असहाय मरीजों तक पहुंचाई। कल्याण जी जाना के किए हुए कार्यों की सिनेमा जगत के सभी कलाकारों ने तारीफ करी। वहीं आम आदमी पार्टी के विधायक एस. के. बग्गा ने कल्याण जी जाना के दिल्ली आगमन पर उन्हें पुष्प देकर उनका स्वागत किया व कोरोना काल में जन सेवा कैसे करनी चाहिए इस विषय पर कलयाण जी जाना से चर्चा करी। विधायक एस. के. बग्गा ने कहा कि वाक्य में आप गरीबों के एक्टर है। आम आदमी पार्टी के नेता श्रवण दीक्षित ने कल्याण जी जाना को गरीबों का फरिशता बताया और कहा कि जिस प्रकार कल्याण जी जाना ने कोरोना काल में जो कार्य कियें है वो एक मिसाल हैं। अपनी जान की परवाह ना करते हुए कल्याण जी जाना खुद लोगों की सेवा करने के लिए सडकों पर उतरें। अपने हाथों से ही लोगों को भोजन व खाने का सामान वितरण किया।

दक्षिणी निगम की नई पहल, अब स्रोत पर ही होगा कूड़े का निष्पादन

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम ने स्रोत पर ही कूड़े के निष्पादन हेतु एक नई पहल बड्डी कम्पोस्टर की शुरुआत की। इस नए कार्यक्रम की शुरुआत दक्षिणी जोन से की गई है। इस पहल के तहत दक्षिणी जोन ने आईटीसी वाव के सहयोग से क्षेत्र की 20 कॉलोनियों को होमकम्पोस्टिंग के लिए चुना है जिसमें 10 कॉलोनियों में इस कार्यक्रम की शुरुआत हो चुकी है। सीएसआर के तहत हर कॉलोनी को मुफ्त 10 होमकम्पोस्टिंग किट वितरित की गई है ताकि नागरिक घर पर ही रसोई के कचरे से जैविक खाद तैयार कर सके।

स्काईशॉप इम्पेक्स ने पारकीन ब्रदर्स के साथ खुद को जोड़ा

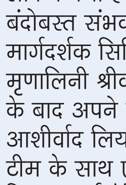

नई दिल्ली। मेडिकल ऑक्सीजन की अहमियत पिछले दिनों पूरे देश ने पहचानी। लेकिन कुछ लोग अलग ही होते हैं। स्काईशॉप इम्पेक्स के सीईओ डॉक्टर राहुल बनर्जी को जब अपने परिचित की जान बचाने के लिए अमेरिका के कैलिफोर्निया से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मंगवाना पड़ा, तो उनके सोचने का तरीका ही बदल गया। आज वह और उनके सहयोगी देश में 450 जगहों पर ऑक्सीजन प्लांट लगवा रहे हैं। उनके स्कूल के दिनों के वरिष्ठ डॉक्टर गुरदीप फ्लोरा ने कैलिफोर्निया से तुरंत कंसंट्रेटर भेज दिया था। लेकिन क्या हर व्यक्ति के लिए इस तरह का बंदोबस्त संभव है? इस विचार को उन्होंने अपनी मार्गदर्शक सिक्किम कैडर की वरिष्ठ आईपीएस मृणालिनी श्रीवास्तव के सामने रखा। उनकी सलाह के बाद अपने गुरु योगी प्रियव्रत अनिमेष का आशीर्वाद लिया। भरोसेमंद सहयोगियों की अपनी टीम के साथ एक नए लक्ष्य की तरफ कदम बढ़ा दिए। स्काईशॉप इम्पेक्स ने पारकीन ब्रदर्स के साथ खुद को जोड़ा। दोनों समूह ने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ एक अहम समझौता किया।

मनमानी कर रहे प्राइवेट स्कूल पर दिल्ली सरकार ने लगाई लगाम

नई दिल्ली (संवाददाता)। दिल्ली सरकार ने पंजाबी बाग स्थित स्वामी शिवानंद मेमोरियल स्कूल के खिलाफ अभिभावकों की लगातार आती शिकायतों के बाद स्कूल के मैनेजमेंट को टेकओवर करने का निर्णय लिया है।अभिभावकों की शिकायत थी कि स्कूल बच्चों से मनमानी फीस वसूल रहा है। स्कूल द्वारा शिक्षा के अधिकार अधिनियम का भी उल्लंघन किया जा रहा था। स्कूल द्वारा बच्चों को जानबूझकर परीक्षा में फेल कर दोबारा उसी कक्षा में पढ़ने को मजबूर किया जा रहा है। दिल्ली सरकार ने अभिभावकों के शिकायतों को प्राथमिकता देते हुए एक जांच कमिटी के गठन किया। जांच कमिटी ने स्कूल के कामकाज में अनियमितता पाई और अपनी रिपोर्ट में बताया कि स्कूल को लेकर अभिभावकों द्वारा जो शिकायतें की गई है वे सही है। कमिटी द्वारा रिपोर्ट देने के बाद स्कूल मैनेजमेंट को अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया लेकिन स्कूल मैनेजमेंट कोई स्पष्टीकरण नहीं दे पाई। स्कूल पर लगे आरोपों के सिद्ध होने के बाद दिल्ली सरकार ने स्कूल के मैनेजमेंट को टेकओवर करने का निर्णय लिया है और दिल्ली स्कूल एजुकेशन एक्ट 1973 के तहत स्कूल के मैनेजमेंट को टेकओवर करने की यथोचित कार्यवाही शुरू कर दी है।

मैनेजमेंट को टेकओवर करने का लिया निर्णय

सिसोदिया ने लगातार चौथे दिन कई स्कूलों का किया दौरा

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद भी आवश्यक

नई दिल्ली (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को लगातार चौथे दिन दिभबी सरकार के कई स्कूलों का दौरा किया और वहां जारी निर्माण गतिविधियों का जायजा लिया। दिल्ली को स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित करने के लिए लगातार दिल्ली सरकार द्वारा खेलों को न सिर्फ बढ़ावा दिया जा रहा है बल्कि खिलाड़ियों के लिए वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार किया जा रहा है। इसी दिशा में उपमुख्यमंत्री ने जीजीएसएसएस कोहाट इन्क्लेव का दौरा कर वहां अधिकारियों को एक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने के निर्देश दिया और जल्द से जल्द स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का डिजाइन तैयार करने का आदेश दिया। इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्विमिंग पूल, टेनिस कोर्ट व बैडमिंटन कोर्ट बनाए जाएंगे जिसका उपयोग स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ आस-पास के इलाकों के बच्चें भी कर पाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के 360 डिग्री विकास के लिए पढ़ाई के

कोहाट इन्क्लेव में विद्यार्थियों के लिए बनेगा वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स : : मनीष सिसोदिया

साथ-साथ खेल भी बेहद ज़रूरी है। दिल्ली सरकार दिल्ली के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के साथ-साथ बेहतर खेल सुविधाएं देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में दिल्ली सरकार अपने स्कूलों के मूलभूत ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने के साथ-साथ उसमें वर्ल्ड-क्लास खेल सुविधाओं को भी विकसित कर रही है ताकि हमारे बच्चों को बेहतर खेल-सुविधाएं और प्रशिक्षण मिल सके और वो देश के लिए मेडल लाकर देश का नाम रौशन करे। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने जीबीएसएसएस, प्रशांत विहार, सर्वोदय को-एड विद्यालय सेक्टर-8 रोहिणी, जीजीएसएसएस सरस्वती विहार का भी दौरा दौरा किया।

शनिवार को रिकॉर्ड दो लाख से अधिक लोगों का हुआ वैक्सीनेशन : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने शनिवार को रिकॉर्ड दो लाख से अधिक लोगों को वैक्सीनेट किया है। पिछले 3 दिनों से लगातार डेढ़ लाख से अधिक लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है। दिल्ली सरकार तेजी से लोगों को वैक्सीनेट कर संभावित तीसरी लहर से बचाने की कोशिश कर रही है। केजरीवाल सरकार की तरफ से दिल्ली में तेजी से वैक्सीनेशन किया जा रहा है। इसके संबंध में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि दिल्ली में शनिवार को वैक्सीनेशन का रिकॉर्ड बनाया गया है। पिछले 3 दिनों से लगातार डेढ़ लाख से अधिक लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है। दिल्ली में पिछले सभी रिकॉर्ड को तोड़ते हुए शनिवार को दो लाख से अधिक लोगों को वैक्सीनेट किया गया है। दिल्ली में 2,05,170 लोगों को वैक्सीन की डोज लगाई गई है। केजरीवाल सरकार तेजी से वैक्सीनेट कर लोगों को संभावित तीसरी लहर से बचाने की कोशिश कर रही है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में शनिवार को रिकॉर्ड 1.66 लाख लोगों वैक्सीन लगाई गई थी। इससे पहले शुक्रवार को भी 1.56 लाख लोगों का टीकाकरण किया गया था। इसमें खास बात यह है कि अधिकांश वैक्सीन की डोज युवाओं को लगाई जा रही हैं।

नशे की लत के शिकार युवाओं को मुख्यधारा में लाएगी दिल्ली पुलिस, 10,000 युवाओं को देगी कौशल विकास की ट्रेनिंग

नई दिल्ली । दुनिया में हर साल 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाता है. आज दिल्ली पुलिस के क्राइम ब्रांच की नारकोटिक्स सेल की ओर से कई कार्यक्रम आयोजित किए गए. अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस के अवसर पर दिल्ली पुलिस की ओर से 5 जिलों में नए प्रशिक्षुओं का नामांकन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें दिल्ली पुलिस के युवा कौशल ट्रेनिंग प्रोग्राम से 53 ऐसे युवा भी जुड़े हैं जो कि नशीली दवाओं के पुनर्वासित है. इन सभी युवाओं का दिल्ली पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम से जुड़ते हुए स्वागत किया है.

दिल्ली पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी और क्राइम ब्रांच (नारकोटिक्स सेल) डीसीपी चिन्मय बिश्वाल ने बताया कि 5 जिलों के पांच कौशल प्रशिक्षण केंद्रों को जोड़कर वेब कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इन सभी नए प्रशिक्षुओं का नामांकन इन सभी पांच कौशल केंद्रों में हुआ है.

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने युवाओं पर नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया. साथ ही उन्होंने युवाओं से संघर्ष की भावना के साथ जीवन चुनने का आह्वान भी किया. उन्होंने युवाओं से अपील की कि नशीले पदार्थों या मनोदैहिक पदार्थों आदि का सहारा नहीं लें.

सीपी श्रीवास्तव ने कहा कि मादक द्रव्यों के सेवन के अनुभव पूरी तरह से असत्य और काल्पनिक होते हैं, जहां कोई नियंत्रण खो देता है और उसका नुकसान झेलता है. उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को कभी भी नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए और इसके जाल में नहीं फंसना चाहिए. इसके लिए एक बार भी कोशिश नहीं की जानी चाहिए. पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने आगे कहा कि पुलिस अधिकारियों को भी उन युवाओं की पहचान करनी चाहिए जो नशे की लत का शिकार हो गए हैं. उन सभी को मुख्यधारा में वापस आने में मदद करनी चाहिए. वहीं, नशे का कारोबार करने वाले और नशीले पदार्थों की आपूर्ति नेटवर्क पर भी कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए. पुलिस कमिश्नर ने यह भी कहा कि ऐसे युवाओं का पुनर्वास करना आवश्यक है और दिल्ली पुलिस ने कौशल विकास कार्यक्रम में उन युवाओं को नामांकित करके और नौकरी प्रशिक्षण के साथ एकीकृत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है. उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस ने मिशन-10,000 की स्थापना की है. जिसके अंतर्गत 10,000 युवाओं को कौशल विकास में प्रशिक्षित करने की योजना है.

डीसीपी क्राइम ब्रांच (नारकोटिक्स सेल) चिन्मय बिश्वाल ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों को उजागर करने और जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए. इस अवसर पर नशा मुक्ति पर एक ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें हैप्पी पब्लिक स्कूल, दरियागंज और अभिनव पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा के 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों ने भाग लिया और अपनी प्रविष्टियां जमा कीं.

सोशल मीडिया फेम हिमांशी की यमुना में तैरती मिली लाश, परिजनों ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी की रिपोर्ट

नई दिल्ली । देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक बड़ी खबर सामने आई है. दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास शनिवार को यमुना नदी में एक युवती की लाश मिली है. इस घटना से आसपास के इलाके में सससनी फैल गई है. अब स्थानीय थाना पुलिस ने मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक, मृतका की पहचान सोशल मीडिया फेम हिमांशी के रूप में हुई है. कहा जा रहा है कि 24 जून की रात से ही हिमांशी लापता थी. इसके बाद परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत स्थानीय थाना पुलिस में दर्ज कराई गई थी, लेकिन इससे पहले पुलिस उसे खोज पाती, दो दिन बाद शनिवार को हिमांशी की लाश यमुना नदी में मिली. पुलिस के मुताबिक, 24 जून को हिमांशी के गायब होने की शिकायत बुराड़ी थाने में दर्ज कराई गई है. इसके बाद से पुलिस इसकी छानबीन कर रही थी.

पुलिस की मानें तो शिकायत में कहा गया था कि हिमांशी अपने घर संतनगर बुराड़ी से सुबह से निकली थीं, लेकिन रात तक घर नहीं लौटी. इस दौरान उसका फोन भी बंद था. जब बुराड़ा थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो हिमांशी की लास्ट लोकेशन बुराड़ी के पास ही मिली थी. वहीं, पुलिस को जांच में कुछ सीसीटीवी फुटेज भी हाथ लगे हैं, जिसमें हिमांशी सिग्नेचर ब्रिज की तरफ जाती हुई भी दिख रही थी.

उसे मारा गया या फिर उसने खुदकुशी की

वहीं, पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में लग रहा है कि हिमांशी ने आत्महत्या की है. पुलिस की मानें तो 24 जून की दोपहर 3 बजे के करीब हिमांशी ने यमुना में छलांग लगाई थी. जिसके बाद शनिवार को उसकी लाश कश्मीरी गेट के पास मिली है. पुलिस का कहना है कि हिमांशी के शरीर पर किसी तरह के कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं. फिलहाल उसकी लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है. हालांकि इसके बाद भी पुलिस जांच कर रही है कि आखिर हिमांशी की मौत कैसे हुई. उसे मारा गया या फिर उसने खुदकुशी की.

दिल्ली हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी- जेलों में हिंसा की वजह से प्रत्यर्पण का विरोध कर रहे आरोपी

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने तिहाड़ जेल के अधिकारियों से कहा है कि देश की जेलों के अंदर हिंसा की घटनाओं की वजह से आरोपी भारत में प्रत्यर्पण किए जाने का विरोध कर रहे हैं. अगर जेल अधिकारी कैदियों की पिटाई करते हैं तो यह संदेश जाता है कि अदालत कैदियों की पिटाई कर रही है, क्योंकि जेल अधिकारी अदालत के प्रतिनिधि होते हैं. कोर्ट की यह टिप्पणी एक आरोपी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दी है. इसने कहा गया था कि तिहाड़ जेल के अंदर उसका उत्पीड़न किया जा रहा है.

कोर्ट ने जेल महानिदेशक को कैदी की शिकायत को पांच कार्य दिवसों के भीतर निपटाने का निर्देश देते हुए उसे तिहाड़ जेल परिसर से दिल्ली की किसी अन्य जेल में ट्रासफर करने की संभावना पर निर्णय लेने का निर्देश दिया. कोर्ट 5 जुलाई को इस मामले में अगली सुनवाई करेगा. पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के आरोप में मंडोली जेल में बंद आरोपी सुशील कुमार पहलवान को कल तिहाड़ जेल में शिफ्ट किया गया था. इस दौरान आरोपी सुशील पहलवान के साथ सेल्फी लेने और फोटो खींचने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है. दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस मामले में जांच के आदेश दे दिए हैं. आरोपी सुशील कुमार के साथ सेल्फी लेने और फोटो खींचने की फोटो वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने इसको गंभीरता से लिया है. बताते चलें कि आरोपी सुशील कुमार को कल शुक्रवार को मंडोली जेल से तिहाड़ जेल में शिफ्ट किया गया था जिसकी सुरक्षा में दिल्ली पुलिस की थर्ड बटालियन और स्पेशल के जवानों को लगाया गया था. पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ एक्शन लिया जायेगा. सूत्रों की माने तो इसके लिए उन्हें निलंबित तक किया जा सकता है.

जानकारी के अनुसार, सुशील को पुलिस ने बीते 23 मई को पहलवान सागर धनखड़ हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया था. दो जून से वह मंडोली जेल में बंद था. शुक्रवार को सुशील को मंडोली जेल से तिहाड़ जेल शिफ्ट किया गया. उसे शिफ्ट करने के लिए जहां एक तरफ थर्ड बटालियन के पुलिसकर्मी गए थे, तो वहीं दूसरी तरफ स्पेशल सेल के जवानों को भी सुरक्षा के लिए भेजा गया था.

नई दिल्ली में एक मोबाइल टीकाकरण केंद्र में एक ट्रांसजेंडर को कोविड -19 वैक्सीन की एक खुराक मिलती हुई।

संपादकीय

ताकि अवसाद हमें घेरे न ज्यादा

जो अंदर मन में उत्साह, उमंग और खुशी रहती थी, वह अब किसी के अंदर नहीं है। जीवन का सार क्या है? लोग सोचने लगे हैं कि हम क्यों कमा रहे हैं? भौतिक सुखों के पीछे भागने वाले लोगों के मन में भी अनेक सवाल पैदा हो रहे हैं कि आखिर हमें क्या मिला? हम कितना कमाएंगे, तो सुरक्षित हो जाएंगे? लोगों में आमतौर पर चिंता और भय व्याप्त है। मेरी बात एक महिला से हो रही थी, उन्होंने कहा, 'मैं कोई भी ऐसी बात सुन नहीं सकती। कोई मुझसे कोविड की बात करता है, तो मैं बुरी तरह घबरा जाती हूं, साफ कहती हूं, मुझसे ऐसी बात मत करो।' आज यही सच है, दुख की खबरें लोग सहन नहीं कर पा रहे हैं और सोचने लग रहे हैं कि अभी आखिर और कितना दुख उनके हिस्से शेष है। वाट्सएप पर आए शोक-दुख के संदेश लोगों को परेशान करने लगे हैं। एक व्यक्ति ने कहा, 'डॉक्टर साहब, मैं कोरोना से जुड़े संदेश पढ़ते ही रोने लगता हूं, घबरा जाता हूं, मैं क्या करूं?' लोग अपने रोजमर्रा के काम कर रहे हैं, लेकिन उनके जीवन पर कहीं न कहीं गहरा असर पड़ चुका है। कोरोना की त्रासदी का मानसिक स्तर पर प्रभाव कुछ समय बाद स्पष्ट होगा। कोरोना की पहली लहर आई थी, तब ऐसा नहीं था। पहली लहर के समय लोगों में उत्साह था, उमंग थी, लोग अपने घर में भी खुश नजर आ रहे थे। इसलिए जब पहली लहर बीत गई, तब लोगों के मन से कोरोना का भय भी लगभग खत्म हो गया, लेकिन दूसरी लहर ने लोगों के विश्वास को हिला दिया है। दूसरी लहर के भयंकर दुष्प्रभाव से हिम्मत टूट गई है। अब कोरोना तो चला जाएगा, लेकिन बहुत सारे लोगों में पुरानी हिम्मत शायद कभी नहीं लौटेगी। यह स्थिति 'क्रोनिक डिप्रेशन' को जन्म देती है, यह ठीक है कि आप खाना खा रहे हैं, अपने सारे काम कर रहे हैं, लेकिन जो उमंग थी, उसे आप खो चुके हैं। आने वाले समय में ऐसे अवसाद के असर सामने आने लगेंगे। छह महीने में संकेत मिलने लगेंगे और दो साल में यह पता चलेगा कि आखिर हमारे समाज और हम पर कितना असर पड़ा है।

आज जिन लोगों के पास पैसा है, उनके अंदर खर्च करने की इच्छा कम हो गई है। बुजुर्ग विशेष रूप से परेशान हैं। आज पढ़े-लिखे तबके के परिवारों में एक-एक, दो-दो बच्चे होते हैं। बहुत कम ऐसे परिवार बचे हैं, जिन तक कोरोना का असर नहीं पहुंचा है। जिनको एक बेटा और एक बेटी है, उनके मन में भय बढ़ गया है कि किसी एक को भी कुछ हो गया, तो क्या करेंगे? अभी जो बुजुर्ग हैं, उनके बच्चे 35 से 50 साल के हो चुके हैं, ऐसे बुजुर्गों में भविष्य को लेकर बहुत ज्यादा भय पैदा हो गया है। समाज के जो तबके आज मानसिक रूप से ज्यादा दबाव में हैं, उनकी फिक्र सरकार को करनी चाहिए। सरकार को संसाधन के स्तर पर पूरे इंतजाम करने चाहिए, ताकि संसाधनों की कमी की वजह से लोगों को मानसिक परेशानियां न उठानी पड़ें। समस्या आज की है, लोग उसका हल आज ही खोज रहे हैं। मान लीजिए, ऑक्सीजन की जरूरत आज है, छह महीने बाद ऑक्सीजन उपलब्ध हो जाए, तो क्या होगा? संसाधनों की कमी की वजह से जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके बारे में आज कौन सोच रहा है? ऐसे में, चिकित्सकों की जिम्मेदारी तेजी से बढ़ रही है। अच्छी सेवा के साथ-साथ चिकित्सा सामग्रियों के इंतजाम में भी डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। चिकित्सा सामग्रियों की आपूर्ति श्रृंखला अगर सही रहती, तो न केवल इलाज में परेशानी कम होती, बल्कि परिजनों का तनाव भी कम होता है। भाग-दौड़ के बावजूद अपनों को गंवा देने वालों पर बुरी बीती है, इसका भी असर आने वाले समय में दिखेगा। हमें सावधान हो जाना चाहिए। समस्याओं को बहुत उभारने से बचना होगा। आजकल छोटे बच्चे भी सोशल मीडिया पर हैं, जहां उन्हें सारी सूचनाएं मिलती हैं। बीमारी और भविष्य के बारे में एक बच्चा भी जानकारी रखता है। मुझे लगता है, अन्य देशों की अपेक्षा हमारे देश में नकारात्मक समाचार कुछ ज्यादा चर्चा में रहते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बहुत से लोगों को भविष्य अंधकारमय दिखता है, सोचकर अवसाद होता है। देश में ऐसा माहौल होना चाहिए कि नकारात्मक समाचार के बजाय सकारात्मक समाचार को बढ़ावा मिले। बुरी चीजों को भी बताने का ऐसा सलीका होना चाहिए कि कोई आहत न हो। यह सत्य बताने के सभ्य और संवेदनशील तरीके इस्तेमाल करने का वक्त है।

सरकारों ने कई राहत की घोषणाएं की हैं। ध्यान रहे, ऐसी आर्थिक घोषणाएं समूह विशेष के लिए होती हैं, तमाम लोगों पर उसका सीधा असर नहीं पड़ता। इसलिए सरकार को मध्यवर्ग पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। यह वर्ग दो वक्त की रोटी और रोजगार इत्यादि के भय में ज्यादा जीता है। खांसी, बुखार भी हुआ, तो इस वर्ग के लोगों के मन में भय बैठ जाता है कि कोरोना हो गया है। पहले की तुलना में इस वर्ग के लोगों की नींद भी कम हुई है। कई लोग नींद में चिल्लाने लगते हैं, कोरोना-कोरोना। जो लोग आईसीयू में रह चुके हैं, उन्हें ऑक्सीजन और वेंटिलेटर के सपने आते हैं। ध्यान रहे, अवसाद सभी को नहीं होता। हर व्यक्ति की एक क्षमता होती है, इस क्षमता के बाद अवसाद होता है।

अवसाद का खतरा पहले व्यक्ति विशेष पर था, लेकिन अब समाज पर है। देश भी जूझ रहा है, समस्या अकेले की नहीं है, इससे भी लोगों को बल मिल रहा है। सपोर्ट सिस्टम की वजह से अवसाद कम भी हो रहा है। पीड़ितों को एहसास होना ही चाहिए कि मैं अकेला नहीं हूं और भी लोग दुखी हैं। किसी भी मानसिक उपचार के लिए तभी जाना चाहिए, जब बहुत जरूरी हो जाए। आज सरकार यह सुनिश्चित करे कि रोटी की समस्या किसी को न आए और घर-समाज की भूमिका है कि पीड़ितों का सहारा दिया जाए। समाज खुद को खड़ा करे। सामाजिक या आवासीय संगठन कार्यक्रम करते हैं, तो सबको बुलाते हैं, ऐसे संगठनों को लोगों की सेवा के लिए भी आगे आना चाहिए। जरूरी है, लोगों को दुख में भी याद किया जाए। हमारी जिम्मेदारी है, मुसीबत के समय काम आएं और सबको विश्वास दिलाएं कि हम हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

अर्थव्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए मुद्रा की मांग और पूर्ति में संतुलन आवश्यक

> **भारतीय रुपये की कीमत अमेरिकी डॉलर से प्रभावित होती रहती है। वर्तमान परिस्थिति में यदि नोट छाप कर आर्थिक विकास की बात की जाए तो रुपये के अवमूल्यन का खतरा है। वित्तीय घाटा जो मान्य सुरक्षा सीमा 3.5 प्रतिशत के ऊपर 9.3 प्रतिशत तक जा चुका है, और अधिक ऊपर जाकर अर्थव्यवस्था को कमजोर करेगा। बेरोजगारी की स्थिति भयावह हो चुकी है। अनलाक की प्रक्रिया शुरू होने से कल-कारखाने खुल रहे हैं और प्रवासी मजदूर शहरों की तरफ रुख करने लगे हैं। महामारी का और कोई दौर नहीं आया तो अगले दो-तीन महीनों में रोजगार की स्थिति में सुधार की अच्छी उम्मीद है।**

आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती के कारण कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि भारत सरकार को नोट छाप कर अधिक मुद्रा चलन में लानी चाहिए, ताकि उद्योग-धंधे और व्यापार के लिए अधिक धन उपलब्ध हो सके। सीआइआइ के अध्यक्ष उदय कोटक ने पहले यह सुझाव दिया। फिर देश के पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने इसी तरह के विचार व्यक्त किए और कुछ अर्थशास्त्रियों ने भी इसका अनुमोदन किया। इसके पीछे जो तर्क दिए गए वे विचारणीय हैं, परंतु इस संबंध में कोई भी निर्णय लेने के पहले पूरी स्थिति को अच्छी तरह जांचना आवश्यक है। लाकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित: इस दौर में भारत की अर्थव्यवस्था में भी भारी गिरावट आई। वित्त वर्ष 2020-21 में जीडीपी माइनस 7.5 पर आ गया। मई 2020 में भारत सरकार ने 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के राहत पैकेज की घोषणा की, रिजर्व बैंक ने भी समय समय पर आवश्यक कदम उठाए जिससे अर्थव्यवस्था नियंत्रण में रही, किंतु लाकडाउन के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती रहीं, मंदी की स्थिति बनी रही। इसमें दोराय नहीं कि कोरोना की दूसरी लहर पहले से अधिक घातक सिद्ध हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं, मेडिकल आक्सीजन, वैक्सीन और अस्पतालों की क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार को भारी रकम खर्च करना पड़ा। हालांकि स्थिति नियंत्रण में आ रही है और अनलाक की प्रक्रिया शुरू होने से आर्थिक गतिविधियां बढ़नी शुरू हो गई हैं, किंतु अर्थव्यवस्था में अभी भी मंदी की स्थिति है।

यह समझना होगा कि हमारी वर्तमान आर्थिक स्थिति मुद्रा की कमी के कारण नहीं है, बल्कि महामारी के कारण है। अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर आ रही है। ऐसे में नोट छाप कर अधिक मुद्रा चलन

में लाने से मुद्रास्फीति हो सकती है, रुपया कमजोर हो सकता है, वित्तीय घाटा जो पहले से ही मान्य सीमा के ऊपर जा चुका है वह तेजी से बढ़ सकता है, और इस प्रकार धन का दुरुपयोग बढ़ सकता है। मुद्रा की आवश्यकता तीन प्रमुख कारणों से होती है- वस्तुओं और सेवाओं की खरीद और बिक्री के लिए, भविष्य की अनिश्चितता से बचने के लिए और निवेश के लिए जो अनावश्यक वस्तुओं और सेवाओं में भी खर्च की जा सकती है जैसे स्पेक्युलेटिव व्यापार एवं उद्योगपतियों, व्यापारियों, नेताओं और सरकारी अफसरों द्वारा भ्रष्टाचार आदि में।

राष्ट्रीयकृत बैंकों का एनपीए छह लाख करोड़ के आसपास है। उसकी उगाही के और ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही, विनिवेश का जो लक्ष्य वर्ष 2021-22 के लिए 1.75 लाख करोड़ का निर्धारित किया गया है, उसे पूरी करने की कोशिश करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि आर्थिक मंदी की स्थिति में नोट छाप कर अर्थव्यवस्था को दुरुस्त करने का सिद्धांत सबसे पहले ब्रिटिश अर्थशास्त्री लार्ड कीन्स ने वर्ष 1930 में प्रतिपादित किया था। इसका उद्देश्य था भारी मंदी के कारण पटरी से उतर चुकी वैश्विक अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना, उसे फिर से व्यवस्थित करना। उस मंदी का एक बड़ा कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मुद्रा नीति थी जिससे बाजार में मुद्रा का चलन बहुत कम हो गया था, डॉलर की पूर्ति मांग से कहीं बहुत कम हो गई थी।

लिहाजा कीन्स ने प्रचलित मुद्रा सिद्धांत जो मुद्रा की मात्र और कीमतों में सीधा संबंध मानता था, उसकी जगह एक नया सिद्धांत दिया जिसके अनुसार मुद्रा की मात्र का संबंध केवल कीमतों से नहीं होता, बल्कि उत्पादन और रोजगार से भी जुड़ा होता है। मंदी की स्थिति में थोड़े समय के लिए अधिक नोट छाप कर मुद्रा की मात्र बढ़ाने से ब्याज दर में कमी आती है, निवेश के लिए अधिक धन उपलब्ध होता है, कल कारखानों में उत्पादन बढ़ता है और रोजगार के और अवसर बढ़ते हैं। साथ ही, लोगों की आमदनी में वृद्धि होती है, चीजों की मांग बढ़ती है और इस तरह अर्थव्यवस्था को लाभ होता है। पूर्ण रोजगार की स्थिति बन जाने पर नोट छापने की आवश्यकता नहीं रह जाती। यदि ऐसा किया जाता है तो कीमतों में वृद्धि होने लगती है और मुद्रास्फीति की स्थिति आ जाती है।

यह सही है कि कीन्स का सिद्धांत उस समय विश्वव्यापी मंदी से उबरने में उपयोगी सिद्ध हुआ। किंतु भारत की वर्तमान अर्थव्यवस्था पिछली सदी के तीसरे दशक के अमेरिकी मंदी की तरह नहीं है। बाजार में रुपये की कमी नहीं है, राहत पैकेजों में जो धन सरकार और रिजर्व बैंक ने उपलब्ध कराया है उतना भी निवेशकों ने नहीं उठाया, ब्याज दर पर रिजर्व बैंक ने पहले से ही नियंत्रण कर रखा है, रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट में कुछ महीनों से कोई परिवर्तन नहीं किया है। गरीबों के लिए मुफ्त राशन की व्यवस्था की गई है। गरीब महिलाओं और बुजुर्गों के बैंक खातों में सीधे धन हस्तांतरण की व्यवस्था भी की है।

नोट छापने की वकालत करने वाले विशेषज्ञ अमेरिका, जापान और विकसित यूरोपीय देशों का उदाहरण देते हैं, जहां महामारी से निपटने के लिए सरकारों ने नोट छापे। उन देशों की अर्थव्यवस्था भारत से भिन्न है, उनकी मुद्रा मजबूत है, अंतरराष्ट्रीय व्यापार बड़े पैमाने पर है, नोट छाप कर भी अर्थव्यवस्था को विकसित करने के खतरे से निपटने में अधिक सक्षम हैं। डॉलर और यूरो विश्व मुद्रा हैं, जिनका उपयोग दुनिया के करीब सभी देश करते हैं और जिनका प्रभाव सभी अन्य मुद्राओं पर सीधा पड़ता है।

भारतीय रुपये की कीमत अमेरिकी डॉलर से प्रभावित होती रहती है। वर्तमान परिस्थिति में यदि नोट छाप कर आर्थिक विकास की बात की जाए तो रुपये के अवमूल्यन का खतरा है। वित्तीय घाटा जो मान्य सुरक्षा सीमा 3.5 प्रतिशत के ऊपर 9.3 प्रतिशत तक जा चुका है, और अधिक ऊपर जाकर अर्थव्यवस्था को कमजोर करेगा। बेरोजगारी की स्थिति भयावह हो चुकी है। अनलाक की प्रक्रिया शुरू होने से कल-कारखाने खुल रहे हैं और प्रवासी मजदूर शहरों की तरफ रुख करने लगे हैं। महामारी का और कोई दौर नहीं आया तो अगले दो-तीन महीनों में रोजगार की स्थिति में सुधार की अच्छी उम्मीद है।

राजनीति को केंद्र में रखकर पटल पर उतारी जा रही वेबसीरीज, बचकानी गलतियों से बचें फिल्मकार

हाल में राजनीति की पृष्ठभूमि पर बनी दो वेबसीरीज, 'महारानी' और 'द फैमिली मैन' आई। 'महारानी' बिहार की राजनीति को केंद्र में रखती है। ये कहानी लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की कहानी से प्रेरित है। इसमें चारा घोटाला से लेकर बिहार की राजनीति के खूनी दौर को भी रेखांकित किया गया है। इसके कुछ दिन पहले एक वेब सीरीज और आई थी जिसका नाम था 'तांडव'। इस वेब सीरीज की कहानी भी राजनीति को केंद्र में रखती है। इसके कुछ दृश्यों को लेकर भारी विवाद हुआ था और मामला कोर्ट में भी पहुंचा था। इसी दौरान एक दलित महिला के जीवन के संघर्षों पर आधारित एक फिल्म आई थी 'मैडम चीफ मिनिस्टर' । इसकी कहानी एक दलित महिला के इर्द गिर्द घूमती है जो एक दिन उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनती हैं। उपरोक्त तीनों वेब सीरीज का अगर हम विश्लेषण करें तो ये स्पष्ट होता है कि राजनीतिक घटना या चरित्रों को केंद्र में रखकर फिल्म बनाना बेहद श्रमसाध्य काम है। लेखक और निर्देशक के लिए यह बहुत आवश्यक होता है कि उसको राजनीति की बारीकियों की समझ हो, संसदीय परंपरा का ज्ञान हो, दलीय परंपरा और अफसरशाही की कार्यशैली के बारे में जानकारी हो।

'महारानी' वेबसीरीज को देखें तो लेखक और निर्देशक दोनों एक पर एक बचकानी गलतियां करते चलते हैं। इस सीरीज में रानी भारती सरकार के खिलाफ चार-पांच महीने के अंदर ही दूसरा अविश्वास प्रस्ताव आ जाता है। जबकि हमारे देश की संसदीय व्यवस्था में किसी भी सरकार के खिलाफ दो अविश्वास प्रस्ताव के बीच का अंतराल छह महीने से कम नहीं होता। इसमें ही निर्देशक ये दिखाता है कि राज्य का वित्त सचिव अकेले ही छानबीन करने पहुंच जाता है। जिलाधिकारी जब दस्तावेज देने में बहानेबाजी करते हैं तो वो रात में अपने एक सहयोगी के साथ उनके आफिस पहुंच जाते हैं और चौकीदार को चकमा देकर कार्यालय का ताला तोड़कर उसमें घुसते हैं। वहां उनपर गोली चलती है, वित्त सचिव बच जाते हैं, लेकिन किसी को कानोंकान खबर नहीं होती।

इसी तरह से 'तांडव' वेब सीरीज में एक प्रसंग है जहां एक ब्लैकमेलर बड़े आराम से नार्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक के इलाके में आता है और कूड़ेदान में कोई सामान रखकर चला जाता है। नार्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक दिल्ली का वो इलाका है जहां प्रधानमंत्री कार्यालय है, वित्त मंत्रालय, रक्षा और गृह मंत्री का दफ्तर है। ये इलाका बेहद सुरक्षित है जो चौबीस घंटे सुरक्षा बलों की निगरानी में रहता है और वहां आसानी से कोई सामान रखकर चला जाए ये आसान नहीं। इस तरह के कई प्रसंग 'तांडव' में हैं जो ये संकेत देते हैं कि लेखक को इन विषयों की बारीकियों की जानकारी नहीं है या उसने लापरवाही में वो सब प्रसंग लिखे या पर्याप्त शोध नहीं किया।

अपेक्षाकृत 'द फैमिली मैन' की घटनाएं और प्रसंग यथार्थ के ज्यादा करीब प्रतीत होती हैं। इसमें लेखक ने दृश्यों को लिखने के पहले उस विषय के बारे में सूक्ष्मता से अध्ययन किया और फिर लिखा है। चाहे वो प्रधानमंत्री के साथ खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक का संवाद हो या फिर सुरक्षा संबंधी तैयारियों का विवरण हो।

दरअसल जब फिल्मों या वेब सीरीज का लेखन होता है तो इसके ज्यादातर लेखकों से एक चूक होती है कि वो पहले क्लाइमैक्स सीन सोच लेते हैं और फिर वहां तक पहुंचने का रास्ता तलाशते हैं। क्लाइमैक्स को सही ठहराने के लिए कहानी में इससे जुड़े प्रसंग ठूंसे जाते हैं। 'महारानी' में भी ये दिखता है कि लेखक ने पहले ही तय कर लिया कि भीमा भारती को चारा घोटाले के लिए परिस्थिति और राज्यपाल ने मजबूर किया था। फिर उसके हिसाब से कहानी गढ़ी गई जो अविश्वसनीय हो गई। दरअसल कहानी लेखन की यह प्रविधि ही दोषपूर्ण है। इन राजनीतिक वेब सीरीज या हाल की फिल्मों को देखकर ये लगता है कि हमारे देश की राजनीतिक व्यवस्था पूरी तरह भ्रष्ट है, लोकतांत्रिक व्यवस्था में समाज के सभी वर्गों को न्याय मिल पाए ये संभव ही नहीं है। ज्यादातर अज्ञानतावश और कुछ एजेंडा के तहत देश की व्यवस्था और संसदीय प्रणाली को भी नकार दिया जाता है।

दरअसल राजनीति पर फिल्म बनाना बेहद श्रमसाध्य कार्य है। रोमांटिक फिल्में बनाना, घटना प्रधान फिल्में बनाना, धार्मिक फिल्में बनाना अपेक्षाकृत आसान हैं। जब आप राजनीति पर फिल्म बनाते हैं तो आपकी कल्पनाशक्ति और यथार्थ को कहने की संवेदना की परीक्षा होती है। आपको दोनों के बीच संतुलन कायम रखना पड़ता है। इस संदर्भ में मुझे याद पड़ता है गुलजार की फिल्म 'आंधी' । आंधी की नायिका में इंदिरा गांधी की छवि देखी गई थी। उनकी वेशभूषा से फिल्मकार ने भी यही छवि गढ़ने की कोशिश भी की थी। इस फिल्म की नायिका मालती देवी का जो महात्वाकांक्षी चरित्र गुलजार ने गढ़ा वो यथार्थ के बहुत करीब दिखता है। वो चरित्र स्वार्थी और महात्वाकांक्षी तो है लेकिन अपने परिवार के साथ जब होती है तो उसकी संवेदना को भी फिल्मकार उभारते हैं। यह कौशल ही फिल्मकार को भीड़ से अलग करता है। इसी तरह फिल्म 'आंधी' में हमें संसदीय व्यवस्था के बारे में कोई गलती, बचकानी गलती नजर नहीं आती है। मालती देवी जब विपक्ष के नेता चंद्रसेन से या अपने चुनावी सलाहकार लल्लू बाबू से संवाद करती हैं तो उसमें कोई झोल नहीं है।

सरकार दे मुआवजा

कोरोना महामारी का शिकार हुए लोगों के परिवारों को सहायता देने के सवाल पर केंद्र सरकार का रुख हैरान करता है। पहले तो उसने कहा कि इतना बड़ा खर्च उठाना उसके बूते की बात नहीं है। बाद में इस पर स्पष्टीकरण देते हुए सरकार ने माना कि समस्या संसाधनों की कमी की नहीं है। पैसे तो उसके पास हैं, लेकिन वह इन्हें स्वास्थ्य ढांचे को दुरुस्त करने, ऑक्सिजन और टीके की निर्बाध सप्लाई सुनिश्चित करने और अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज करने जैसे कार्यों में लगाना चाहती है। स्वास्थ्य ढांचा मजबूत करने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने जैसे उद्देश्यों की अहमियत से भला कौन इनकार कर सकता है, ये काम सरकार की प्राथमिकताओं में होने ही चाहिए, लेकिन सवाल इस मान्यता पर जरूर उठता है जो यह संकेत दे रही है कि अगर कोरोना से पीड़ित जरूरतमंद परिवारों को मदद दी जाएगी तो सरकार इन बड़े उद्देश्यों पर काम नहीं कर पाएगी। ध्यान रहे कि कोरोना से हुई मौतों के मामले में संबंधित परिवारों को प्रति परिवार 4 लाख रुपये मुआवजा देने का प्रस्ताव विचाराधीन है। यह भी कहा जा चुका है कि अगर यह बहुत ज्यादा है तो सरकार अपनी तरफ से कोई राशि बताए, जिससे इन परिवारों की मदद हो जाए और उस पर असह्य बोझ भी न पड़े।

सरकार ने कहा भी है कि वह इस पर विचार कर रही है कि रकम कितनी हो। तब तक अगर 4 लाख रुपये को अंतिम मान कर चलें और कोरोना से हुई मौतों की संख्या पांच लाख मान लें- वैसे आधिकारिक तौर पर फिलहाल यह आंकड़ा चार लाख से कम ही है- तो भी रकम होती है 20,000 करोड़ रुपये। यह देश के जीडीपी के एक फीसदी का एक हजारवां हिस्सा है। यह कहना हास्यास्पद है कि सरकार इतने बड़े खर्च का बोझ नहीं उठा सकती। यह मान लेना भी तर्कसंगत नहीं होगा कि मदद के रूप में दी गई यह राशि पानी में चली जाएगी और इसका अर्थव्यवस्था को खड़ा करने में कोई योगदान नहीं होगा। जिन परिवारों तक भी यह मदद पहुंचेगी, वे निश्चित रूप से इस रकम को खर्च करेंगे, जिससे बाजार में मांग पैदा होगी। यह शेयर बाजार की उठा-पटक की भेंट नहीं चढ़ने वाली। दूसरे शब्दों में, जिसे सरकार का एक विभाग मुआवजा मान रहा हो, उसे दूसरा विभाग आर्थिक पैकेज के रूप में देख सकता है। वैसे भी महामारी से पीड़ित आबादी को सरकार की तरफ से कोई मदद देनी है या नहीं, यह पूरी तरह से राजनीतिक सवाल है। वित्तीय अनुशासन से जुड़ी सामान्य कसौटियों को असाधारण चुनौतियों के मौजूदा दौर में किस हद तक मान्य या अमान्य करना है, यह तय करना भी आज राजनीतिक नेतृत्व की एक अहम जिम्मेदारी हो गई है।

130 करोड़ की आबादी के आरोग्य का काम केवल भौतिक संसाधन जुटाने से संभव नहीं, दक्ष मानव संसाधन भी जरूरी

> **मोदी सरकार ने इस मोर्चे पर पहली बार बुनियादी पहल की है। कोरोना काल में सहायक सेवाओं के निर्णायक महत्व को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य देखरेख आयोग विधेयक को स्वीकृति दी गई है। वस्तुतः 130 करोड़ की आबादी के आरोग्य का काम केवल भौतिक संसाधन जुटाने से संभव नहीं है। इसके लिए दक्ष मानव संसाधन अपरिहार्य हैं। भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली अभी तक डॉक्टरों की प्रवीणता को प्रतिपादित करती रही है, जबकि तथ्य यह है कि एलाइड सेवाओं के बिना कोई भी पैथी प्रमाणिकता से समाज का भला नही कर सकती। आशा की जानी चाहिए कि आने वाले समय में हमारी स्वास्थ्य प्रणाली का ढांचा पूरे कौशल के साथ एक समावेशी धरातल पर काम करेगा।**

कोरोना की दूसरी लहर ने जिस अप्रत्याशित तरीके से लोगों की जान ली, उससे तमाम बुनियादी सबक भी मिले हैं। इनमें सबसे प्रमुख है एलाइड यानी सहायक सर्विसेज की गुणवत्ता। यदि ईमानदारी से कोई ऑडिट किया जाए तो यह प्रमाणित होगा कि भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली सहायक सेवाओं की भारी कमी का सामना कर रही है। संक्रमण की दूसरी लहर में तमाम लोग अस्पतालों में इसलिए जान से हाथ धो बैठे, क्योंकि उन्हें समय पर वेंटिलेटर नहीं लगाया जा सका। आक्सीजन कंसंट्रेटर पर मरीजों को रखने के बाद उनकी सतत निगरानी नहीं हुई या यह ध्यान नहीं रखा गया कि किस क्षमता का कंसंट्रेटर किस मरीज को लगाया जाना चाहिए? आक्सीजन पाइपलाइन से कितनी मात्रा आक्सीजन फ्लो की जानी है?

उपयोग किए जा चुके उपकरणों को किस मानक विधि से नए मरीजों पर हाइजीन के साथ प्रयोग किया जाना चाहिए? नतीजतन कम संक्रमित मरीज बड़ी संख्या में अस्पताल में आकर ज्यादा संक्रमित हुए और मौतों का आंकड़ा लाखों में पहुंच गया। ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों पर बगैर एसओपी (मानक प्रविधि) से इलाज किया गया, जिसके चलते शहरी अस्पतालों में गंभीर मरीजों का तांता लगा गया। कई नए खुले मेडिकल कॉलेजों में वेंटिलेटर पैकिंग से बाहर नहीं निकाले जा सके, क्योंकि उन्हें चलाने वाले दक्ष स्टाफ की उपलब्धता नहीं थी। कई राज्यों में तमाम वेंटिलेटर मरीजों के लिए उपयोगी साबित नही हुए। हजारों की संख्या में आरटीपीसीआर के नमूने प्रयोगशालाओं में खारिज हुए, क्योंकि उन्हें लेते समय सावधानी नहीं बरती गई।

असल में किसी आपदा की तरह यह जो दूसरी लहर आई, उसने हमारी एलाइड सेवाओं की पोल खोल कर रख दी। अगर प्राथमिक उपचार में दक्ष पैरामेडिकल स्टाफ सब जगह उपलब्ध होता तो संभव है कई राज्यों में मौतों का आंकड़ा इतना अधिक नहीं होता। ब्लैक फंगस की चुनौती के मूल में स्टेरायड दवाओं को बेतरतीबी से मरीजों को दिया जाना है। यह काम सहायक चिकित्साकर्मियों की देखभाल में तभी मानक अनुरूप हो सकता था, जब उन्हें इस तरह का पूर्व प्रशिक्षण हासिल होता। देश में एलाइड स्वास्थ्यकर्मियों के मामले में अभी तक कोई ठोस सिस्टम नहीं है। निजी अस्पतालों में भी ऐसे पेशेवर कर्मियों का नितांत अभाव है, जो क्लिनिकल अभ्यास से जुड़े हुए हों। फीजियोथेरेपिस्ट, टेक्निशियन, लैब असिस्टेंट, कंपाउंडर, काउंसलर, डायलिसिस एवं एनस्थीसिया टेक्निशियन, एमआरआइ, एंडोस्कोपी असिस्टेंट, डायटीशियन, एनालाइजर सहित 56 विधाएं पैरामेडीकल स्टाफ के अंतर्गत आती हैं, जो मरीज को डॉक्टरी उपचार के दौरान और सर्जरी के बाद बेहद उपयोगी होती हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन सेवाओं के लिए कोई मानक या सतत प्रशिक्षण का तंत्र ही नहीं है। यही कारण है कि करोड़ों के चिकित्सकीय उपकरण सरकारी अस्पतालों धूल खाते रहे और कोविड मरीजों की जान जाती रही।

मोदी सरकार ने कोविड की पहली लहर के तत्काल बाद नर्सिंग मिडवाइफरी एवं पैरामेडिकल स्टाफ के विनियमन के लिए कानून बनाने वाले बिल पिछले संसद सत्र में पारित किए हैं। सरकार को कोसने वालों को यह भी समझना चाहिए कि 70 साल से इस देश में एलाइड यानी सहायक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कोई नियामकीय तंत्र विकसित नहीं हुआ। एक दूसरा पक्ष उपलब्ध सेवाओं के अधिकतम सदुपयोग का भी है। बीएससी नर्सिंग करने वाली नर्सों को हमने कम महत्व के कार्यों में लगा रखा है। देश में नर्सिंग स्टाफ के अद्यतन प्रशिक्षण की कोई मानक व्यवस्था नहीं है। फिजियोलॉजी, एनाटॉमी और फार्माकोलॉजी जैसे चिकित्सकीय विषयों को पढ़ने वाली नर्सें सामान्य क्लिनिकल उपचार के कार्य आसानी से कर सकती हैं, लेकिन यह हमारे देश में नहीं होता। यही भारतीय नर्सें विदेश जाकर क्लिनिकल प्रैक्टिस के आधे कार्यों में पारंगत हो जाती हैं। ब्रिटेन के नेशनल हेल्थ सिस्टम में प्रति साल एक हजार भारतीय नर्सों के लिए अलग से भर्ती होती है।

ये नर्सें डॉक्टरों का आधा काम करने में कुछ ही समय में प्रवीण हो जाती हैं। भारत में एकाध प्रमोशन पाकर नर्सें रिटायर हो जाती हैं। एक विसंगति यह भी है कि सैन्य प्रशासन में स्टाफ नर्स से भर्ती महिला कर्नल तक प्रमोशन पा जाती है और आर्मी हॉस्पिटल में क्लिनिकल प्रैक्टिस का अहम हिस्सा बन जाती है, वहीं सिविल प्रशासन में वह जड़ताग्रस्त कार्य संस्कृति की शिकार बनी रहती है। वेतनमान के मामले में भी विसंगति है। तमाम नर्सें दिहाड़ी पर काम कर रही हैं। मोदी सरकार ने इन्हें हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर्स पर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में तैनात करने का निर्णय लिया है। कैग की एक रिपोर्ट बताती है कि बिहार, झारखंड, मप्र, उप्र, सिक्किम, उत्तराखंड और बंगाल के स्वास्थ्य केंद्रों में करीब 50 फीसद पैरामेडिकल कर्मचारियों की कमी है। जाहिर है न केवल डॉक्टरों की उपलब्धता, बल्कि सहायक सेवाकर्मिकों के मोर्चे पर भी भारत में दीर्घकालिक और मानक रणनीति की आवश्यकता है।

मोदी सरकार ने इस मोर्चे पर पहली बार बुनियादी पहल की है। कोरोना काल में सहायक सेवाओं के निर्णायक महत्व को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य देखरेख आयोग विधेयक को स्वीकृति दी गई है। वस्तुतः 130 करोड़ की आबादी के आरोग्य का काम केवल भौतिक संसाधन जुटाने से संभव नहीं है। इसके लिए दक्ष मानव संसाधन अपरिहार्य हैं। भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली अभी तक डॉक्टरों की प्रवीणता को प्रतिपादित करती रही है, जबकि तथ्य यह है कि एलाइड सेवाओं के बिना कोई भी पैथी प्रमाणिकता से समाज का भला नही कर सकती। आशा की जानी चाहिए कि आने वाले समय में हमारी स्वास्थ्य प्रणाली का ढांचा पूरे कौशल के साथ एक समावेशी धरातल पर काम करेगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

जालंधर के करतारपुर में एसएसपी नवीन सिंगला ने नशे के खिलाफ निकाली साइकिल रैली, लोगों को किया जागरूक

जालंधर । जालंधर ग्रामीण के सभी पुलिस अधिकारी और गैर सरकारी संगठन ने नशा मुक्ति के लिए युवाओं और बच्चों को जागरूक करने के लिए करतारपुर में एक साइकिल रैली का आयोजन किया। इस साइकिल रैली में युवाओं के साथ-साथ बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह साइकिल रैली करीब 12 किलोमीटर तक चली जिसमें आम जनता के साथ-साथ युवाओं और बच्चों को नशे से दूर रहने और लोगों को इस बारे में जागरूक करने का संदेश दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के मौके पर एसएसपी नवीन सिंगला ने बीजेपी दिनकर गुप्ता के निर्देशों पर करतारपुर में नशीली दवाओं के रोग और तस्करी के खिलाफ कई कार्यक्रमों में शिरकत की। इस दौरान एसएसपी नवीन सिंगला ने कहा कि नशे की तस्करी करने वाले किसी भी शख्स को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर जालंधर को नशा मुक्त बनाया जाएगा जिसके लिए देहात क्षेत्र में पुलिस द्वारा कई ग्रामीण पुलिस स्टेशन स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही कई नशा तस्करों के खिलाफ मामले दर्ज कर उन पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

एसएसपी नवीन सिंगला ने कहा कि अगर आपके आसपास कोई नशा बेच रहा है या उसका सेवन कर रहा है तो इस मामले की जानकारी अपने थाने के प्रभारी या मेरे मोबाइल नंबर 9779885557 पर दे सकते हैं। जानकारी देने वाले का नाम और पता पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। इस मौके पर सुरेंद्र कुमार एमसी, तेजपाल सिंह एमसी, उपकार सिंह एमसी, वेद प्रकाश नगर अध्यक्ष और गोपाल सूद प्रखंड अध्यक्ष भी मौजूद रहे।

फिर हुए आक्रामक, बेअदबी मामले पर सुखबीर बादल के साथ कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार को भी लपेटा

चंडीगढ़ । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने आज एक बार फिर से श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के मामले में जहां सुखबीर बादल पर तीखा हमला किया है, वहीं उन्होंने अपनी सरकार को भी लपेट लिया है। सिद्धू ने आज सुखबीर के एक ट्वीट के जवाब में ट्वीट करते हुए कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के मामले को छह साल बीत गए हैं न तो आपके दो साल में इंसाफ मिला है न पिछले साढ़े चार साल में इस पर कोई इंसाफ हुआ है। अब नई एसआईटी जब इस काम को निपटा रही है तो आप इसे राजनीतिक हस्तक्षेप बता रहे हैं। राजनीतिक हस्तक्षेप यह नहीं है बल्कि वह था जिसमें छह साल से बेअदबी मामले में लोगों को इंसाफ नहीं मिला।

नवजोत सिद्धू सुखबीर बादल के उस ट्वीट का जवाब दे रहे थे जिसमें सुखबीर ने कहा था कि किसान परेशान हो रहे हैं और मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह गांधी परिवार को खुश करने में लगे हुए हैं। राहुल गांधी के निर्देशों पर अकाली दल के नेताओं को झूठे मामलों में फंसाया जा सकता है। पुरानी एसआइटी के राजनीतिक मामले में फंसे होने के चलते अब नई एसआइटी गठित कर दी गई है जिसे विजिलेंस विभाग की ओर से चलाया जा रहा है। बता दें, आज 26 जून को सुखबीर बादल को एसआइटी के सामने पेश होना है। पता चला है कि वह 11 बजे चंडीगढ़ सेक्टर 32 के पुलिस इंस्टीट्यूट में गए हैं जहां एसआइटी ने उन्हें बुलाया था। कोटकपूरा गोलीकांड के समय सुखबीर बादल के पास चूंकि गृह विभाग था इसलिए एसआइटी गोलीकांड को लेकर उनकी भूमिका के बारे में जानना चाहती है। इससे पहले 22 जून को एसआइटी ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल से उनके आवास पर जाकर पूछताछ की थी। हालांकि तब एसआइटी के साथ लीगल सलाहकार व पूर्व डायरेक्टर प्रॉसिक्यूशन विजय सिंगला की मौजूदगी का लेकर प्रकाश सिंह बादल व सुखबीर बादल ने ऐतराज किया था। नई एसआइटी एलके यादव की अगुवाई में बनी हुई है जिसमें राकेश अग्रवाल और सतिंदर सिंह सदस्य हैं।

वन अनुसंधान केंद्र हल्द्वानी की भारत वाटिका में संरक्षित किए गए 33 राज्यों के सभी 27 राज्य वृक्ष

हल्द्वानी । देश के सभी 33 राज्यों के राज्य वृक्ष भारत वाटिका में संरक्षित किए गए हैं। जिसमें देश के 28 राज्य व पांच केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य वृक्ष शामिल किए गए हैं। राज्य वृक्षों के आगे उनके वैज्ञानिक नाम व राज्यों के नाम को अंकित करते हुए पट्टिका भी लगाई गई है। जिससे राज्यों के अनुसार उनके महत्व को समझा जा सके। उत्तराखंड वन अनुसंधान केंद्र में तैयार की इस वाटिया इस तरह की देश की पहली वाटिका है। वाटिका के अंदर सीखने और समझने के दृष्टिकोण से सभी राज्य वृक्षों को जगह दी गई है। शनिवार पूर्वाह्न 11 बजे भारत वाटिका का उद्घाटन मुख्य वन संरक्षक संजीव चतुर्वेदी, राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक ललित मोहन पांडे, शिक्षिका बीना फुलारा ने फीता काटकर किया। इस कार्यक्रम में सभी राज्य वृक्षों व उनके महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मुख्य वन संरक्षक संजीव चतुर्वेदी ने बताया कि देश के छह राज्य ऐसे हैं, जिनमें राज्य वृक्ष भी कॉमन है। ऐसे में 33 राज्यों के अनुपात में 27 वृक्षों को रोपा गया है। इस मौके पर अनुसंधान केंद्र के वन क्षेत्राधिकारी मदन सिंह बिष्ट, खुशबू सुयाल आदि मौजूद थे।

बाहर से भी मंगाए गए पौधे– वन अनुसंधान केंद्र में बनाई गई भारत वाटिका के लिए देश के सभी राज्यों के वृक्ष शामिल किए गए हैं। ऐसे में जो वृक्ष मौजूद नहीं थे उन्हें बाहर के प्रदेशों व नर्सरी से मंगाया गया है।

जलवायु के अनुसार अलग ट्रीटमेंट– भारत वाटिका में स्थापित किए गए पौधे देश की विभिन्न जलवायु से संबंध रखते हैं। ऐसे में वाटिका के अंदर पौधों को उनके मूल जलवायु के आधार पर अलग से ट्रीटमेंट देने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे जलवायु की कमी के चलते कोई भी पौधा सूखने नहीं पाए।

एलएलबी छात्रा की आत्महत्या मामले में पति और ससुर पर मुकदमा दर्ज

काशीपुर । एलएलबी छात्रा की आत्महत्या में कुंडा थाना पुलिस ने पति और ससुर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम

बेतवाला निवासी जोगा सिंह ने कुंडा थाना पुलिस को तहरीर देकर कहा कि उन्होंने अपनी पुत्री रश्मि की शादी 20 फरवरी 2018 को ग्राम नादेही थाना जसपुर निवासी राजीव कुमार पुत्र रामलाल सिंह के साथ की थी। शादी के बाद से ससुराल वाले दहेज में एक स्विफ्ट डिजायर कार की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर ससुराल वालों ने रश्मि को मारपीट कर घर से निकाल दिया था। ससुरालियों से विवाद के चलते रश्मि पिछले 2 वर्षों से अपने मायके में ही रह रही थी। उसने पति समेत ससुरालियों पर आइटीआइ थाने में दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था। इसके अलावा उसने संबंधित न्यायालय में भरण-पोषण वाद भी दायर किया था। मृतका के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि रश्मि का पति राजीव कुमार मुकदमे वापस लेने के लिए लगातार दबाव बनाता रहता था। रास्ते में उसकी पुत्री को रोककर कहता था कि तू जहर खा कर मर क्यों नहीं जाती। तेरे मरने पर मुकदमे भी खत्म हो जाएंगे और मैं दूसरी शादी भी कर सकूंगा। रश्मि के पिता ने कहा कि कोर्ट आते-जाते पति मुकदमा वापस लेने के लिए बेटी पर दबाव बनाता था। आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार को रश्मि किला बाजार से होकर कोचिंग के लिए जा रही थी, रास्ते में उसके पति ने उसके साथ अभद्रता की और जान से मारने की धमकी दी। मृतका के पिता जोगा सिंह की तहरीर पर कुंडा थाना पुलिस ने पति राजीव कुमार और ससुर रामलाल सिंह के खिलाफ धारा 306 आइपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जाम में फंसकर महिला उद्यमी की मौत पर राष्ट्रपति ने जताया दुख, कानपुर पुलिस कमिश्नर ने मांगी माफी

कानपुर । राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के कानपुर आगमन पर यातायात रोकने से लगे जाम में फंसी कार में सवार बीमार महिला उद्यमी वंदना मिश्रा की अस्पताल ले जाते समय मौत होने पर पुलिस आयुक्त ने माफी मांगी है। शनिवार की सुबह पुलिस कमिश्नर ने ट्विटर पर घटना के लिए माफी मांगी और मातहतों के साथ महिला उद्यमी के घर पहुंचकर शोक संवदेना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से बातचीत करके ढांढस बंधाया।

बीमार महिला उद्यमी को ले जा रहे थे अस्पताल – किदवई नगर निवासी महिला उद्यमी वंदना मिश्रा पिछले कई दिनों से बीमार थीं। कोरोना संक्रमित होने के बाद रिपोर्ट नेगेटिव आ गई थी लेकिन उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही थी। शुक्रवार को उनकी तबीयत खराब हुई और उल्टियां शुरू हो गईं। इसके बाद पति शरद मिश्रा कार से उन्हें लेकर रीजेंसी अस्पताल ले गए। डॉक्टर को दिखाने के बाद वह घर वापस आ गई थीं लेकिन शुक्रवार की शाम को अचानक तबीयत फिर से खराब हो गई। घर वाले उन्हें कार से दोबारा रीजेंसी अस्पताल लेकर जा रहे थे। गोविंदपुरी पुल पर उनकी कार जाम में फंस गई। स्वजन का आरोप है कि पुलिस कर्मियों को बीमारी के बारे में जानकारी दी लेकिन उन्होंने राष्ट्रपति के आगमन का हवाला देते हुए रोक दिया। जाम खुला और वह अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टरों ने वंदना को मृत घोषित कर दिया।

राष्ट्रपति ने व्यक्त किया दुख– इस घटना की जानकारी सुबह समाचार पत्र के माध्यम से सर्किट हाउस में ठहरीं राष्ट्रपति की पत्नी को हुई तो उन्हें काफी दुख हुआ। उन्होंने घटना की चर्चा की तो राष्ट्रपति ने भी दुख व्यक्त किया। उन्होंने तत्काल कानपुर जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर को घटना पर शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाने के निर्देश दिए।

इसपर जिलाधिकारी आलोक तिवारी ने दिवंगत वंदना मिश्र के पति शरद मिश्र तक राष्ट्रपति का शोक संदेश पहुंचाया और कहा कि इसकी क्षतिपूर्ति तो नहीं हो सकती है लेकिन हमारी कोशिश होगी कि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो।

ट्वीटर पर मांगी माफी– शनिवार की सुबह राष्ट्रपति द्वारा आदेश मिलने पर पुलिस आयुक्त असीम अरुण के संज्ञान में आई तो उन्होंने पुलिस कमिश्नरेट के अधिकृत ट्विटर अकाउंट पर माफी मांगी। उन्होंने लिखा- आइआइए की अध्यक्ष बहन वंदना मिश्रा जी के निधन के लिए कानपुर नगर पुलिस और व्यक्तिगत रूप से मैं क्षमा का प्रार्थी हूं। भविष्य के लिए यह बड़ा सबक है। हम प्रण करते हैं कि हमारी रूट व्यवस्था ऐसी होगी कि न्यूनतम समय के लिए नागरिकों को रोका जाए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो।

घर पहुंचकर जताया शोक– पुलिस कमिश्नर असीम अरुण, डीसीपी यातायात बीबीजीडीएस मूर्ति, डीसीपी साउथ रवीना त्यागी समेत पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ महिला उद्यमी के घर पहुंचे। उनके पति शरद मिश्रा व घरवालों से बात करके ढांढस बंधाया। पुलिस आयुक्त ने सभी के सामने घटना को लेकर शोकाकुल परिवार के सामने खेद व्यक्त किया। उन्होंने दोहराया कि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी। इसके लिए रणनीति बनाई जाएगी। बीते वर्षों में कई बार ऐसा हो चुका है जब वीवीआइपी मूवमेंट के चलते जाम में फंसे बीमार की मृत्यु हुई हो। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि वह महामहिम राष्ट्रपति के निर्देश पर आए हैं।

भोपाल में कृषि सुधार कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को पुलिस हिरासत में लिया गया।

पीएम मोदी के समीक्षा करने पर रामलला मंदिर के मुख्य पुजारी प्रसन्न, बोले- अब धरातल पर दिखेगा अयोध्या का विकास

लखनऊ, (एजेंसी) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शनिवार को अयोध्या के विकास कार्य की समीक्षा करने के साथ ही सीएम योगी आदित्यनाथ के रामनगरी को लेकर विजन डॉक्यूमेंट देखने के फैसले पर रामलला मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने काफी प्रसन्नता व्यक्त की है। आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कदम निश्चित रूप से रामनगरी अयोध्या के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

आचार्य सत्येंद्र दास से कहा कि रामनगरी अयोध्या में काफी विकास कार्य प्रस्तावित हैं, लेकिन इससे परोक्ष रूप से पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ का जुडऩा काफी अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि यह तो सत्य है कि जब तक पीएम नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ अयोध्या में चल रहे विकास कार्य की स्वयं मॉनिटरिंग नहीं करेंगे, तब तक तो यहां पर विकास कार्य कागज पर ही दिखेगा। यहां पर अधिकारियों को बेहद मुस्तैद रखने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की इस तरह की समीक्षा बैठक बेहद जरूरी है।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास बीते 28 वर्ष से अयोध्या में रामलला की पूजा कर रहे हैं। उनको 1992 में यहां पर मुख्य पुजारी नियुक्त किया गया था। अयोध्या में 1992 में विवादित ढांचा गिरने से करीब नौ महीने पहले से पुजारी के तौर पर आचार्य सत्येंद्र दास रामलला की पूजा करते रहे हैं। मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने कहा था कि भारी सुरक्षा और प्रतिबंधों के बीच लंबे समय तक नियमित रूप से रामलला की पूजा करते हुए उन्हें हमेशा लगता था कि यहां एक न एक दिन दिन भव्य मंदिर जरूर बनेगा।

उनको पांच मार्च 1992 को विवादित स्थल के रिसीवर ने यहां पर पुजारी के तौर पर यहां नियुक्त किया था, तब से नियमित रूप से आचार्य सत्येंद्र दास रामलला की पूजा अर्चना करते आ रहे हैं।

घोटाला छिपाने के लिए मातृ वंदना योजना के आवेदन पत्रों पर चलाया काला मार्कर

बरेली । पीएम मातृ वंदना योजना में करीब 1.25 करोड़ रुपये के घपले मामले में रोज नई परतें खुल रही हैं। बिथरी चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गड़बड़झाले की सुगबुगाहट के बाद मीरगंज ब्लाक में मातृ वंदना योजना ने घोटाला छिपाने की भरसक कोशिश की है। पहले आवेदन पत्र गायब बताए और फिर सैकड़ों आवेदन पत्रों पर काला मार्कर चला कर पहचान छिपाने की कोशिश की गई। मीरगंज में भी पांच हजार से ज्यादा महिलाओं को योजना के तहत लाभार्थी बनाया गया है। कुछ ब्लाकों में योजना के तहत काफी ज्यादा लोगों के लाभार्थी होने पर जांच शुरू हुई थी। बिथरी चैनपुर में सैकड़ों महिलाओं को फर्जी लाभार्थी बनाकर करीब डेढ़ करोड़ रुपये की गड़बड़ी प्राथमिक जांच में सामने आ चुकी है। इधर, मीरगंज ब्लाक में लाभार्थी महिलाओं की जानकारी मांगी तो पहले आवेदन पत्र और रजिस्टर न मिलने की बात स्टाफ ने कही। बाद में रिकार्ड मिला तो सैकड़ों आवेदन पत्रों पर लिखी क्रम संख्या पर कालिख पुती हुई थी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.एसके गर्ग ने बताया कि सभी संदिग्ध ब्लाकों की जांच कराई जा रही है। मामले में अंतिम रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रतापगढ़ में जिला पंचायत अध्यक्ष के नामांकन के दौरान भाजपाई व पुलिस में नोकझोंक

प्रयागराज । यूपी के प्रतापगढ़ में जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए शनिवार को अफीम कोठी में नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी ने सबसे पहले नामांकन पत्र दाखिल किया। जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) प्रत्याशी ने भी नामांकन किया। वहीं भाजपा प्रत्याशी ने भी नामांकन किया। इस दौरान भाजपा समर्थकों और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। पुलिस अधिकारियों ने मामला संभाला।

अफीम कोठी में नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान प्रवेश द्वार पर अंदर घुसते समय पुलिस के टोकने से भाजपा कार्यकर्ता नाराज हो गए। इस दौरान सीओ रानीगंज से उनकी झड़प शुरू हो गई। वहीं मौके पर मौजूद एएसपी (पूर्वी) सुरेंद्र द्विवेदी ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया।

सबसे पहले सपा प्रत्याशी अमरावती यादव ने नामांकन किया– सबसे पहले यानी 11 बजे नामांकन करने सपा प्रत्याशी अमरावती यादव ने नामांकन किया। उन्होंने दो सेट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके साथ सपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा, जिला पंचायत सदस्य विजय यादव, अनीस खान सहित कई नेता थे। फिर भीड़ के साथ भाजपा प्रत्याशी क्षमा सिंह सहित दो प्रत्याशियों ने नामांकन किया। भाजपा की तरफ से प्रत्याशी क्षमा सिंह ने भी नामांकन किया। वहीं भाजपा ने इस पद के लिए जिला पंचायत सदस्य पूनम इंसान से भी नामांकन पत्र दाखिल करवा दिया। जिले की कुल 57 जिला पंचायत सीटों वाले जिला पंचायत की अध्यक्ष की कुर्सी के लिए इस बार भी कांटे की टक्कर है। नामांकन स्थल पर जुटने वाली भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है।

जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) की प्रत्याशी माधुरी पटेल ने भी नामांकन किया। उन्होंने साढ़े 11 बजे अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर उनके साथ विधायक बाबागंज विनोद सरोज, डॉ. केएन ओझा, हरिओम श्रीवास्तव, दिनेश सिंह डगैता एवं मुक्कू ओझा भी मौजूद थे।

प्रमुख चौराहों व संवेदनशील स्थलों पर फोर्स तैनात– नामांकन स्थल के अलावा शहर के प्रमुख चौराहों व संवेदनशील स्थलों पर भी फोर्स तैनात है। विकास भवन के सामने से गुजरे कटरा रोड पर रूट डायवर्ट किया गया है। विकास भवन के बगल से सिटी मुख्य मार्ग से जुड़े रोड के मोड़ पर और अफीम कोठी के पहले बैरियर बनाया गया है।

इसी बैरियर पर प्रत्याशियों के समर्थकों को रोक दिया जा रहा है। तीन बजे के बाद नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। मतदान तीन जुलाई को दिन में 11 बजे से तीन बजे तक होगा। तीन बजे के बाद मतगणना होगी।

चिराग पासवान बोले-नीतीश मिलें तो छुऊंगा पैर, तेजस्वी यादव के आफर पर कहा- धन्यवाद छोटे भाई

पटना । लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) में मचे घमासान के बीच चिराग पासवान को राजद और कांग्रेस से आफर मिल चुका है। जमुई से सांसद चिराग ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। वे अपनी प्राथमिकता आशीर्वाद यात्रा को बता रहे हैं। शनिवार को एक टीवी चैनल से बातचीत में चिराग ने कहा कि नीतीश कुमार अगर मुझे कहीं मिलेंगे तो मैं उनके पैर छुऊंगा पर नीतियों को लेकर उनका विरोध जारी रहेगा। तेजस्वी यादव के साथ आने के आफर पर भी चिराग ने अपना रुख साफ किया।

लोजपा में मचे घमासान पर चिराग ने कहा कि मैं तो सोच रहा हूं कि काश यह सपना होता। चिराग ने कहा कि रामविलास पासवान के निधन के बाद मैं चाचा पशुपति कुमार पारस में पिता की छवि देखता था। चाचा ने मुझे अकेले तो छोड़ा ही, धोखा भी दिया। पिता की बरखी तक का इंतजार नहीं किया। उन्होंने कहा कि इतना कुछ करने से पहले चाचा ने अगर मुझसे कहा होता तो मैं हर बात मानने के लिए तैयार हो जाता।

बोले थे पापा, कुछ भी हो नीतीश को ना

चिराग ने कहा कि पापा के रहते कई बार लोगों ने लोजपा को तोड़ने की कोशिश की। नीतीश को लेकर चिराग ने कहा कि मेरे पिता के आखिरी शब्द थे कि कुछ भी हो जाए नीतीश के साथ मत जाना। चिराग ने कहा कि आज इस बात का बहुत दुख है कि जिन्होंने पापा का राजनीतिक भविष्य खराब करने की कोशिश की उनके साथ पार्टी के लोग खड़े हैं। चिराग ने कहा कि नीतीश मुझसे बड़े हैं, जब भी मिला हूं उनका पैर छुआ है। आगे भी नीतीश का सम्मान करूंगा। लेकिन नीतियों को लेकर बिहार के सीएम का विरोध जारी रहेगा। चिराग ने कहा कि बिहार की बर्बादी का मुख्य कारण नीतीश कुमार हैं।

छोटे भाई तेजस्वी के आफर का सम्मान– चिराग ने कहा कि लालू और रामविलास पासवान ने काफी दिनों तक साथ काम किया। दोनों के संबंध अच्छे रहे। तेजस्वी यादव की ओर से पार्टी में आने को लेकर मिले आफर पर चिराग ने कहा कि वो हमेशा से मेरे छोटे भाई हैं। उनके आफर का सम्मान करता हूं। अभी मेरी प्राथमिकता आशीर्वाद यात्रा है।

तेजस्वी यादव ने कह दी बड़ी बात, बोले- दो से तीन महीने में गिर जाएगी बिहार सरकार

पटना, (एजेंसी) ।

दिल्ली से लौटने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बीच उन्होंने बड़ा बयान दे दिया है। अपने विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच उन्होंने कहा कि दो-तीन महीने में बिहार की सरकार गिर जाएगी। उनके इस बयान से राजनीति तेज हो गई है। सत्ता पक्ष का कहना है कि वे सपना देख रहे हैं। एनडीए की सरकार पूरी तरह मजबूत है।

तेजस्वी यादव शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में राघोपुर गए थे। वहां जनता उनके समक्ष समस्याएं रख रही थी। समस्याओं को लेकर आक्रोश जाहिर कर रहे थे। इसी दौरान नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि घबराइए मत, यह सरकार दो से तीन महीने रुक जाइए सरकार गिरने वाली है। उनके इस बयान के बाद से राजनीतिक गरमाहट आ गई है।

मालूम हो कि लंबे समय तक दिल्ली में रहने के बाद तेजस्वी हाल ही में पटना लौटे हैं। यहां लौटते ही उन्होंने चिराग पासवान को आमंत्रण दे दिया। इसके साथ ही राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कोरोना, बेरोजगारी, टीकाकरण आदि के मुद्दे पर सरकार को घेरा। इस बीच उनके इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं।

मांझी लगातार भाजपा पर बोलते रहे हैं हमला – हाल के दिनों पर गौर करें तो पूर्व सीएम जीतन राम मांझी लगातार भाजपा पर हमलावर रहे हैं। इस क्रम में उन्होंने Vaccination Certificate पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर पर भी आपत्ति जताई थी। इसके अलावा भी कई मौके पर उन्होंने तल्ख तेवर दिखाए। वहीं तेजस्वी के बड़े भाई तेजप्रताप से उनकी मुलाकात की भी खूब चर्चा हुई।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होगा जदयू

तमाम संभावनाओं को विराम देते हुए जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने केंद्र सरकार में शामिल होने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि जदयू और भाजपा के संबंध मजबूत हैं। कहीं कोई विवाद नहीं है।

मिथिला विवि के कुलपति राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद की गुणवत्ता आश्वासन समिति के सदस्य नामित

दरभंगा । ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति प्रो. सुरेन्द्र प्रताप सिंह बिहार राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद की गुणवत्ता आश्वासन समिति के सदस्य नामित किए गए हैं। बिहार राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव का पत्र मिलते ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों और पदाधिकारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। बिहार राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद ने पिछले 11 मार्च की बैठक में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति को नामित किए जाने का निर्णय लिया था।

बता दें कि गुणवत्ता आश्वासन समिति छह सदस्यीय होते हैं। समिति बिहार के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षण एवं शोध में गुणात्मक सुधार के साथ ही उनके डाटाबेस तैयार करने के लिए सुझाव देगी। समिति महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के गुणात्मक सुधार का भी सुझाव देगी। साथ ही महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में सर्वोत्तम प्रथाओं के संवर्द्धन का मार्ग प्रशस्त करेगी। समिति प्रतिमाह परिषद को प्रगति प्रतिवेदन समर्पित करेगी।

कुलपति के बिहार राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद की गुणवत्ता आश्वासन समिति का सदस्य नामित किए जाने पर प्रतिकुलपति प्रो. डॉली सिन्हा, कुलसचिव प्रो. मुश्ताक अहमद, प्रो. चन्द्र भानु प्रसाद ङ्क्षसह समेत विश्वविद्यालय के कई शिक्षकगण ने बधाई दी है। बता दें कि ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रताप सिंह वर्तमान में पाटलिपुत्रा विवि पटना,आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय पटना, मौलाना मजरूल हक अरबी-फारसी विवि पटना के कुलपति के पद पर अतिरिक्त प्रभार में हैं।

जन अधिकार छात्र परिषद ने मिथिला विश्वविद्यालय में किया प्रदर्शन– जन अधिकार छात्र परिषद ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय इकाई द्वारा शुक्रवार को विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कुव्यवस्था के खिलाफ मुख्यालय में प्रदर्शन किया गया। जाप छात्र नेताओं ने विवि धरना स्थल से विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ आक्रोशपूर्ण नारेबाजी करते हुए विश्वविद्यालय मुख्यालय तक पहुंचे। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे छात्र परिषद के कुणाल पांडेय कहा कि मिथिला विवि प्रशासन छात्रों की समस्याओं को हल करने की जग बढ़ा रहा है। अब तक यूजी और पीजी परीक्षा फॉर्म की तिथि घोषित नहीं की गई है। बीएड (2019-21) के छात्रों का पुनर्मूल्यांकन का रिजल्ट प्रकाशित करने, विश्वविद्यालय में नामांकित सभी यूजी और पीजी के छात्रों को अगले सत्र में प्रमोट करने, फीस वृद्धि को वापस लेने, ओएमआर शीट पर परीक्षा का संचालन नहीं करने तथा विश्वविद्यालय में चल रहे निर्माण कार्य में घोर अनियमितता का उच्च स्तरीय जांच सहित 11 सूत्री मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। वहीं छात्र परिषद के वरीय प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक झा ने कहा कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अराजकता चरम पर है, छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। मिथिला विश्वविद्यालय सिर्फ सर्टिफिकेट बांटने का केंद्र बनकर रह गया है।

वह छात्र परिषद के दीपक स्टार ने कहा कि विवि अविलंब परीक्षा प्रपत्र भरने से वंचित छात्रों के लिए तिथि प्रकाशित करे, पुस्तकालयों में नए पाठ्यक्रम की पुस्तकें मुहैया कराए जाएं। इसके बाद अधिकार छात्र छात्र परिषद का जत्था विश्वविद्यालय चौरंगी पर एसटीइटी अभ्यार्थी मामले में धांधली के आरोप को लेकर बिहार के शिक्षा मंत्री का पुतला दहन किया।

महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री अनिल देशमुख के निजी सहायक कुंदन शिंदे (गुलाबी रंग में) को प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी मुंबई में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अदालत ले जा रहे हैं।

शिवसेना डोगरा फ्रंट के कार्यकर्ताओं ने जम्मू में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी की।

हैदराबाद के पास महानकाली मंदिर सिकंदराबाद में एक विशेष वैक्सीन अभियान के दौरान लोग कोविड वैक्सीन की खुराक प्राप्त करने की प्रतीक्षा करते हुए।

एक नजर

भाजपा नेता रेखा कादिरेश की हत्या मामले में तीन और लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बेंगलुरु । बेंगलुरु पुलिस ने शहर में भाजपा नेता रेखा कादिरेश की हत्या में शामिल होने के संदेह में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जनकारी दी। पुलिस ने कहा कि अब तक रेखा की हत्या में शामिल होने के संदेह में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि गुरुवार को दिनदहाड़े एक सशस्त्र गिरोह द्वारा महिला भाजपा पार्षद की हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार तीन आरोपियों की पहचान स्टीफन (21), अजय, (21) और पुरुषोत्तम (22) के रूप में हुई है। सभी कॉटनपेट, बेंगलुरु के निवासी हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि तलाशी दल ने पीटर उर्फ लंबू पीटर (46) और सूर्या (19) को शुक्रवार की तड़के ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने कहा कि पांच में से कम से कम तीन रेखा के पति कादिरेश के पहचान के हैं, जिनकी फरवरी 2018 में इसी तरह से हत्या कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि पांच में तीन गिरफ्तार आरोपी कादिरेश के कॉटनपेट इलाके में संचालित आपराधिक गिरोह का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने गुरुवार को पुलिस को हमलावरों को 24 घंटे के भीतर पकड़ने का निर्देश दिया था। मृत भाजपा नेता, रेखा (45) एस कादिरेश की दूसरी पत्नी थीं और भाजपा के टिकट पर दो बार बेंगलुरु स्थानीय निकाय के लिए चुनी गई थीं। मृत्यु से पहले, कादिरेश पर हत्या, जबरन वसूली और हत्या के प्रयास के दर्जन से अधिक मामले दर्ज थे। वह सबसे पुराने और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक कॉटनपेट में गिरोह चलाता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, रेखा खाने के पैकेट बांट रही थी तभी मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने उनपर हमला कर दिया। पुलिस ने कहा कि उनको केम्पेगौड़ा आयुर्विज्ञान संस्थान ले जाया गया, लेकिन वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यह घटना तब हुई जब वह भोजन के पैकेट बांट रही थी।

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण, रजत, कास्य मेडल जीतने वालों को तमिलनाडु सरकार देगी इनामी राशि, जानें किसको मिलेंगे कितने करोड़

चेन्नई । तमिलनाडु सरकार ने टोक्यो में होने वाले इस साल के ओलंपिक खेलों में जीतने वालों के लिए इनामी राशी का एलान किया है। मुख्यमंत्री एमके. स्टालिन ने कहा कि इस इस टोक्यो ओलंपिक गेम्स में जो खिलाड़ी स्वर्ण पदक जीतेंगे उसे तीन करोड़ और रजत के लिए तो 2 करोड़ वहीं कास्य पदक विजेता को 1 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। बता दें कि इस साल जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए भारत का थीम सॉन्ग हाल ही मे लॉन्च किया गया था। यह वीडियो काफी शानदार है। बता दें कि मोहित चौहान ने यह 'थीम'सॉन्ग तैयार किया है, जिसका शीर्षक 'लक्ष्य तेरा सामने है' है। इसके साथ ही उन्होंने इसे गाया भी है। टोक्यो ओलंपिक खेल 23 जुलाई से शुरू होंगे, जिसके लिये अभी तक 100 से ज्यादा भारतीय खिलाड़ियों ने क्वालीफाई कर लिया है। हाल ही में विदेश में ओलंपिक की तैयारियों में जुटे भारतीय खिलाड़ियों को बड़ी राहत मिली थी। टोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति ने साफ कहा था कि 14 दिन से ज्यादा विदेश में तैयारी कर रहे खिलाड़ियों को सीधे टोक्यो आने पर तीन दिन के एकांतवास में नहीं भेजा जाएगा। एकांतवास में भारत से आने वाले खिलाड़ी भेजे जाएंगे। वहीं आयोजन समिति ने 96 और 72 घंटे की निगेटिव आरटीपीसीआर रिपोर्ट के लिए लैबों की संख्या भी बढ़ा दी थी।

असम- अस्पताल से कोरोना पॉजिटिव कैदी हुआ फरार, पुलिस तलाश में जुटी

दीफू (असम)। पूरे देश में कोरोना वायारस संक्रमण के प्रसार को रोकने में भारत सरकार पूरी क्षमता के साथ कोशिश कर रही है। कोरोना से जेल के कैदी भी अछूते नहीं रहे है। कोरोना संक्रमण से पहले ही काफी जेल प्रशासन परेशान हैं। ऐसे में कैदियों का भाग जाना जेल अधिकारियों के लिए एक नया सिर दर्द बन रहा है। असम के कार्बी आंगलोंग जिले मे स्थित दीफू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के कोरोना वार्ड कर्मचारी और असम पुलिस की लापरवाही सामने आई है। अस्पताल में कोरोना का इलाज करवा रहा एक कैदी फरार हो गया। कोरोना संक्रमित कैदी के फरार होने की सूचना असम पुलिस ने दी है। असम पुलिस ने कहा कि कैदी का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया था, उसे गुरुवार दोपहर कोरोना वार्ड में भर्ती करवा दिया गया था। शुक्रवार रात वह अस्पताल से फरार हो गया। कैदी को 12 जून को दीफू थाना क्षेत्र के माटीपुंग से गिरफ्तार किया गया था। कैदी के पास से भारी मात्रा में ड्रग्स मिला था । वह अभी न्यायिक हिरासत में था। पुलिस ने कैदी को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू करक दिया है। कोरोना पॉजिटिव कैदियों के भागने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले रेवाड़ी में कोविड जेल से 13 कैदी फरार हो गए थे। तिहाड़ जेल प्रशासन ने कोरोना से कैदियों को बचाने के लिए लगभग 4 हजार कैदियों को इमरजेंसी परोल और अंतरिम जमानत पर छोड़ा है। अब जेल में करीब 16,500 कैदी ही है। देश की हर जेल से कोरोना संक्रमित कैदियों की खबरें आने लगी है। कैदियों में कोरोना को लेकर डर का माहौल बना हुआ है। कैदी जेल के अंदर एक दूसरे से सटकर रहते है। तो क्या वहा भी दो गज़ की दूरी, मास्क है ज़रूरी का नियम मुमकिन हो पाएगा। सभी जेल प्रशासन कोरोना से लड़ने में जुटा हुए है।

कॉल सेंटर की आड़ में अमेरिकी नागरिकों से करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

कोलकाता । राजधानी कोलकाता में कॉल सेंटर की आड़ में अमेरिकी नागरिकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। कोलकाता पुलिस के साइबर क्राइम थाने के अधिकारियों ने इस सिलसिले में कसबा और तिलजला इलाके से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम शेख टीपू, मोहम्मद इरशाद, जोहा खान और शेख जमालुद्दीन है।

पुलिस के अनुसार, इन सभी ने मिलकर तिलजला इलाके में फर्जी कॉल सेंटर खोल रखा था। उक्त कॉल सेंटर से ये लोग अमेरिकी नागरिकों को फोन किया करते थे। ये लोग खुद को एक संस्था का कर्मचारी बताकर टेक्निकल सपोर्ट देने की बात कहते थे। कंप्यूटर और लैपटॉप में समस्या होने पर मदद का झांसा देते थे। इनका मुख्य टारगेट अमेरिका के वृद्ध नागरिक रहते थे। ये लोग उन्हें टेक सपोर्ट देने के नाम पर एक ऐप डाउनलोड करने के लिए कहते थे। डाउनलोड करने वाले लोगों को पता नहीं होता था कि वह एक मिरर डेप है।

इसके बाद जालसाज अमेरिकी नागरिकों के कंप्यूटर का कंट्रोल ले लेते और फिर उनके बैंक अकाउंट का लेनदेन देखने के बाद उनके अकाउंट से रुपये ट्रांसफर कर लेते थे। इस तरह अभियुक्तों ने करोड़ों की ठगी की है। इस तरह की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

तमिलनाडु समेत कई राज्यों में आए डेल्टा प्लस वैरिएंट के नए मामले, देश में कुल 51 केस

नई दिल्ली, एजेंसियां। देश में कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वैरिएंट के मामले सामने आ रहे हैं। तमिलनाडु में डेल्टा प्लस वैरिएंट के नए मामले सामने आए हैं। तमिलनाडु के स्वास्थ्य सचिव के मुताबिक, हम नियमित रूप से लगभग 1000 नमूने (अप्रैल से) भेज रहे हैं। इनमें 70 फीसद से अधिक मामले डेल्टा वैरिएंट से जुड़े हुए थे। उन्होंने बताया कि 3 सैंपल में डेल्टा प्लस वैरिएंट मिला। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान ने डेल्टा प्लस वैरिएंट (नमूनों के दूसरे सेट में) के 6 मामलों की पहचान की।

बता दें कि देशभर में कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वैरिएंट के अब तक कुल 51 मामले सामने आ चुके हैं। इसके साथ ही अब तक इस वैरिएंट से संक्रमित तीन लोगों की मौत हुई है। कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट के सबसे ज्यादा 22 मामले महाराष्ट्र में पाए गए हैं। केंद्र सरकार ने इसे वैरिएंट आफ कंसर्न(चिंताजनक वैरिएंट) घोषित किया है लेकिन विज्ञानियों की माने तो अभी इसके ज्यादा संक्रामक होने के सुबूत नहीं मिले हैं। आइसीएमआर के महामारी विज्ञान और संचारी रोगों के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक रमन गंगाखेडकर ने डेल्टा प्लस वैरिएंट को लेकर कहा है कि डेल्टा वैरिएंट बहुत फैल गया है और ये चिंता का एक रूप है। चूंकि यह चिंताजनक वैरिएंट है, इसलिए आपको डेल्टा प्लस को भी चिंताजनक वैरिएंट के रूप में भी देखना होगा।

किस राज्य में कितने केस – पिछले तीन महीने के दौरान 12 राज्यों में डेल्टा प्लस के केस मिले हैं। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 22 केस हैं। इसके अलावा तमिलनाडु में नौ, मध्य प्रदेश में सात, केरल में तीन, पंजाब और गुजरात में दो-दो और आंध्र प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा एवं कर्नाटक में एक-एक मरीज पाए गए हैं।

कुल तीन मौतें हुई-मध्य प्रदेश में डेल्टा प्लस वैरिएंट से संक्रमित दो मौतें हुई हैं। इनमें से किसी ने भी वैक्सीन नहीं लगवाई थी। वहीं, समाचार एजेंसी प्रेट्र के मुताबिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में सरकारी अस्पताल में इस वैरिएंट से संक्रमित एक बुजुर्ग महिला की मौत हुई है।

पंजाब के बाद हिमाचल में अलर्ट- पंजाब में कोरोना वायरस के नए वेरियंट डेल्टा प्लस का मामला सामने आने के बाद हिमाचल में अलर्ट जारी कर दिया गया है। पंजाब में कोरोना के डेल्टा प्लस वैरिएंट के अब तक कुल 2 मामले सामने आए हैं। लुधियाना में भी डेल्टा प्लस वैरिएंट का पहला मरीज मिला है।

फरीदाबाद में पहला मामला- दिल्ली से सटे फरीदाबाद में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट डेल्टा प्लस का पहला मरीज सामने आया है। नए वैरिएंट के आने से जिला प्रशासन सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

ओडिशा में पहला केस - एक मरीज ओडिशा से भी होने की बात अब स्पष्ट हो गई है। ओडिशा के देवगढ़ जिले में एक 65 वर्षीय वयस्क व्यक्ति के इस वैरियेंट से संक्रमित होने खबर है।

किसान आंदोलन को लेकर खुफिया एजेंसियों का अलर्ट, पाकिस्तानी ISI कर सकती है हिंसा भड़काने की साजिश

नई दिल्ली । कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे किसान आंदोलन को आज सात महीने पूरे हो गए हैं। इसको देखते हुए आज किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकालने का ऐलान किया है। दिल्ली में ट्रैक्टर रैली के बीच खुफिया एजेंसियों ने दिल्ली पुलिस के साथ ही अन्य एजेंसियों को अलर्ट किया कि पाकिस्तान स्थित आईएसआई से जुड़े लोग किसान आंदोलन को निशाना बना सकते हैं। खुफिया एजेंसियों ने दिल्ली पुलिस और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को अलर्ट किया है इसकी वजह है कि पाकिस्तान स्थित इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस किसान आंदोलन को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहा है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, ढ्ढस्ढ्ढ किसानों को भड़काकर हिंसा फैलाने की कोशिश भी कर सकता है।

आज 26 जून को किसानों का देशव्यापी प्रदर्शन है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों को इससे संबंधित एक पत्र भेजा गया है। पत्र मिलने के बाद दिल्ली पुलिस की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से कुछ मेट्रो स्टेशन भी शनिवार को कुछ घंटों के लिए बंद रखा गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि समर्पित और पर्याप्त सुरक्षा की मेट्रो स्टेशनों के बाहर तैनात की जाएगी।

एहतियात के तौर पर और कानून-व्यवस्था की स्थिति में किसी भी तरह की गड़बड़ी से बचने के लिए, दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने शनिवार को तीन मेट्रो स्टेशनों- विश्वविद्यालय, सिविल लाइंस और विधानसभा को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बंद रखने का फैसला किया है। दिल्ली पुलिस की सलाह पर यह कदम उठाया गया है, जिसने सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए हैं।

दिल्ली के सीमावर्ती इलाकों में प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ कई किसान समूहों के भी शामिल होने की उम्मीद है। इस बीच, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को किसान संघों से केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ अपना आंदोलन समाप्त करने का आग्रह किया।भोपाल में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, तोमर ने शुक्रवार को कहा- मैं सभी किसान संघों से अपना आंदोलन समाप्त करने का आग्रह करता हूं. सरकार ने उनके साथ 11 दौर की बातचीत की थी। कृषि सुधार विधेयक किसानों के जीवन में बेहतरी लाएंगे।

राष्ट्रीय कार्यबल ने की कोरोना प्रबंधन पर केंद्र सरकार की कड़ी मेनहत और प्रयास की प्रशंसा

नई दिल्ली । चिकित्सा जगत के जाने माने विशेषज्ञों वाले राष्ट्रीय कार्यबल (एनटीएफ) ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए केंद्र सरकार की कड़ी मेहनत और प्रयास की सराहना की है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति ने यह भी कहा है कि कोरोना महामारी की पहली लहर के दौरान आक्सीजन की समस्या को दूर करने के लिए केंद्र ने सक्रिय कदम उठाए, जिसका दूसरी लहर में फायदा मिला।

शीर्ष अदालत में दाखिल अपनी रिपोर्ट में एनटीएफ ने कहा है कि उसके सदस्यों ने इतनी भीषण महामारी से निपटने में केंद्र सरकार के कठोर परिश्रम और प्रयास की सराहना की है। सदस्यों ने केंद्र सरकार की इस बात के लिए तारीफ की है, उनकी तरफ से जो सिफारिशें की गई हैं, उनमें से ज्यादातर पर पहले ही काम शुरू हो चुका है।

समिति ने कहा है कि केंद्र ने लिक्विड मेडिकल आक्सीजन की उपलब्धता और उसकी भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए कदम उठाए। राज्यों को भी पीएसए आक्सीजन प्लांट स्थापित करने के लिए मदद की, जिनमें से कई इस महीने के अंत तक शुरू भी जाएंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) एक आक्सीजन मांग एकत्रीकरण प्रणाली (ओडीएएस) विकसित कर रहा है। इससे राज्य स्तर पर अस्पताल में बिस्तरों और भर्ती मरीजों के आधार पर आक्सीजन की मांग का पता चल सकेगा।

समिति ने यह भी कहा कि महामारी की पहली लहर के दौरान केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से ही इस साल अप्रैल में दूसरी लहर के दौरान आक्सीजन का उत्पादन बढ़ाया जा सका। दूसरी लहर के दौरान आक्सीजन के तीसरे हफ्ते में रोजाना औसतन 5500 मीट्रिक टन की मांग थी जो चौथे हफ्ते में बढ़कर 7100 मीट्रिक टन तक पहुंच गई थी। नौ मई को तो आक्सीजन की मांग सबसे ज्यादा 8943 मीट्रिक टन तक पहुंच गई। मेडिकल आक्सीजन का उत्पादन बढ़ाने के लिए केंद्र ने औद्योगिक गैस उत्पादकों को लाइसेंस जारी किए गए। मोदीनगर और पुणे में नए आक्सीजन उत्पादन प्लांट लगाए गए। देश के इस्पात कारखानों में उपलब्ध आक्सीजन का इस्तेमाल भी मेडिकल आक्सीजन के रूप में किया गया। मेडिकल सिलेंडर के रूप में औद्योगिक आक्सीजन सिलेंडर का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई।

धार्मिक नगरी उज्जैन में महाकाल मंदिर के पास खुदाई, दिखा 1000 साल पुराने मंदिर का ढांचा

भोपाल । मध्य प्रदेश में स्थित धार्मिक नगरी उज्जैन में मौजूदा ज्योतिर्लिंग महाकाल के पास ही में खुदाई चल रही थी। पुरातत्व विभाग की निगरानी में चल रही इस खोदाई में करीब एक हजार साल पुराने मंदिर का ढांचा मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, जल्द ही मंदिर का मूलभाग सामने आ सकता है। अब तक हुई खुदाई में परमारकालीन मंदिर के पाषाण खंभ, छत का हिस्सा, शिखर आदि के अवशेष यहां से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही दो हजार साल पुराने शुंग व कुषाण काल में निर्मित मिट्टी के बर्तनों के अवशेष भी मिल चुके हैं।

खोदोई में मिली इन सब धरोहरों को खुदाई स्थल के समीप सहेजकर रखा गया है। करीब एक पखवाड़े चली खोदाई के बाद शुक्रवार को एक हजार साल पुराने मंदिर का ढांचा दिखाई देने लगा है। उम्मीद है कि अब जल्द ही मंदिर का पूरा मूलभाग सामने आएगा। बता दें कि मध्य प्रदेश शासन व महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा करीब 400 करोड़ रुपये की लागत से महाकाल मंदिर क्षेत्र का उन्नयन व सुंदरीकरण किया जा रहा है।

मंदिर के पास नवनिर्माण के लिए यहा पर खुदाई की जा रही है। इससे पहले दिसंबर, 2020 में यहां एक हजार साल पुराने मंदिर होने के प्रमाण मिले थे। इसकी अनदेखी के चलते पुरासंपदा फिर से जमींदोज होने के कगार पर थी। मामले के सामने आने के बाद मध्य प्रदेश पुरातत्व विभाग के आयुक्त शिवशेखर शुक्ला ने पुराविद् डा. रमेश यादव के नेतृत्व में चार सदस्यीय दल गठित कर पुरासंपदा का निरीक्षण करने के निर्देश दिए थे। इसकी खुदोई के लिए दल ने स्थल का निरीक्षण कर विभाग को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। इस पर आयुक्त ने महाकाल मंदिर के गौरवशाली इतिहास को संरक्षित करने के लिए पुरातत्व विभाग की निगरानी में खोदाई कराने का निर्णय लिया था। वहीं शोध अधिकारी डा. ध्रुवेंद्रसिंह जोधा को पुरातात्विक विधि से खुदाई कराने की जिम्मेदारी दी गई थी।

रिश्वत मांगने के आरोप में महिला पुलिसकर्मी पर मामला दर्ज

जामनगर । गुजरात के जामनगर में एक महिला पुलिस सब इंस्पेक्टर के खिलाफ कथित तौर पर 5000 रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है, जबकि उसके पुरुष सहयोगी कांस्टेबल को राशि स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपित पीएसआई यूआर भट्ट और कांस्टेबल दिव्यराज सिंह झाला जामनगर शहर के महिला थाने में तैनात हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के एक अधिकारी ने बताया कि भट्ट ने शिकायतकर्ता से उस थाने में दर्ज अपनी भाभी के अपहरण के मामले की जांच के बदले में रिश्वत मांगी थी। अपहरण के मामले की सूचना देने वाले व्यक्ति द्वारा दर्ज की गई शिकायत पर कार्रवाई करते हुए स्थानीय एसीबी ने शुक्रवार रात महिला थाने में जाल बिछाया और पीएसआई भट्ट के ड्राइवर के रूप में काम करने वाले एक कांस्टेबल दिव्यराज सिंह झाला को गिरफ्तार कर लिया। झाला को पकड़ा गया। उसने भट्ट के कहने पर 5000 रुपये लिए थे। अधिकारी ने कहा कि पीएसआई मौके से फरार हो गया और अभी तक उसे पकड़ा नहीं जा सका है। अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तार आरोपित ने स्वीकार किया कि वह पीएसआई की ओर से रिश्वत ले रहा था।

संभावित तीसरी लहर से निपटने की तैयारी, सीएम पटनायक ने 7 जिलों में आक्सीजन प्लांट के लिए रखी आधारशिला

भुवनेश्वर । कोरोना की दूसरी लहर में आक्सीजन की कमी से देश के कई राज्यों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। आगामी दिनों में तीसरी लहर को लेकर आशंका जतायी जा रही है। ऐसे में तीसरी लहर से निपटने के लिए राज्य सरकार ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। आक्सीजन की कमी से किसी की जान ना जाए, इसके लिए राज्य में युद्ध स्तर पर मेडिकल आक्सीजन प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं।

इसी के तहत ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शुक्रवार को प्रदेश के सात जिलों में आक्सीजन संरक्षण एवं आवंटन व्यवस्था के लिए आधारशिला रखी है। इन सात जिलों में अनुगुल, बौद्ध, देवगड़, ढेंकानाल, गजपति, कालाहांडी एवं नुआपड़ा जिला शामिल है। इसी के साथ ही प्रदेश के 30 जिलों में आक्सीजन प्लांट लगाने हेतु कार्य शुरू हो गया है। महामारी में लोगों के स्वास्थ्य हित को देखते हुए आगामी 2 महीने के अन्दर इन सभी प्लांट को कार्यकारी करने की बात मुख्यमंत्री ने कही है।

जानकारी के मुताबिक मेडिकल आक्सीजन प्लांट प्रतिष्ठा होने से प्रत्येक संरक्षण व्यवस्था में 6 किलोमीटर तरल आक्सीजन संरक्षण व आवंटन किया जा सकेगा। इसके साथ ही अन्य जिलों के विभिन्न अस्पताल में आक्सीजन पाईप संयुक्त कोविड वार्ड के साथ टीकभंडार गृह का भी उद्घाटन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि कोरोना की पहली एवं दूसरी लहर से हमने जो अनुभव प्राप्त किया है, उससे तीसरी लहर से निपटने में मदद मिलेगी। एक भी कोरोना मरीज स्वास्थ्य सेवा से वंचित ना होने पाए, इस दिशा में राज्य सरकार कार्य करने की बात मुख्यमंत्री ने कही है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने एक बार फिर सभी डाक्टर ए?वं स्वास्थ्य कर्मचारियों के प्रति आभार प्रकट किया है।

पिता को पानी देने गई छह साल की बच्ची पर कुत्तों ने किया हमला, मौत

जयपुर । राजस्थान के अलवर जिले में छह साल की मासूम बच्ची को आवारा कुत्तों ने नोच खाया। बताया जाता है कि बच्ची को 10-12 कुत्तों ने इतना काटा कि उपचार के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई है। यह घटना राजस्थान में अलवर जिले के बरवाड़ाबास गांव की है। यहां एक बच्ची अपनदीप कौर अपने पिता सोहन सिंह को खेत में पीने का पानी देने जा रही थी। सोहन सिंह खेत में दिखाड़ी मजदूर है। बच्ची घर से पानी की बोतल लेकर जा रही थी कि रास्ते में कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। ये कुत्ते आपस में लड़ रहे थे और फिर इन्होंने बच्ची पर हमला कर दिया, जिससे बच्ची बेहोश हो गई। कुत्ते बेहोश बच्ची को नोचते रहे। इस दौरान गांव के ही एक व्यक्ति की नजर पड़ी तो वह बचाने पहुंचा।

काफी मशक्कत के बाद कुत्तों को भगाया गया। बच्ची का ऐसा कोई अंग नहीं बचा, जिसे कुत्तों ने काटा नहीं हो और खून नहीं आ रहे हो। सूचना पर बच्ची के पास पहुंचे पिता रामगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां से अलवर जिला अस्पताल भेज दिया गया। इलाज के दौरान शनिवार सुबह बच्ची की मौत हो गई। सोहन सिंह के चार बेटियां है। इनमें छह साल की अमनदीप कौर सबसे बड़ी थी। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि आवारा कुत्तों को लेकर कई बार प्रशासन से शिकायत की गई। कई बार लोगों को ये कुत्ते काट लेते हैं। बच्चों का तो घर से निकलना ही मुश्किल हो रहा है। घटना के बाद पंचायत समिति ने कुत्तों को पकड़ने का अभियान शुरू किया है। गौरतलब है कि प्रदेश में इससे पहले भी कई जिलों में आवारा कुत्तों के हमलों से कई बच्चों की जान जा चुकी है। आवारा कुत्तों की वजह से बच्चों और बूढ़ों का निकलना दूभर हो रहा है। इस घटना से लोगों में काफी रोष है।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को ईडी का समन, दो सहयोगी भी हुए गिरफ्तार

मुंबई । कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ के लिए महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को शनिवार को अपने कार्यालय में तलब किया है। अनिल देशमुख के निजी सहायक कुंदन शिंदे और निजी सचिव संजीव पलांडे को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) नेगिरफ्तार किया है। इस बीच, ईडी ने कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के नागपुर स्थित आवास पर छापा मारा। गौरतलब है कि शुक्रवार (25 जून) को अनिल देशमुख के नागपुर और वर्ली में स्थित आवास पर ईडी ने छापेमारी भी की थी।

इस मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने पत्रकारों से कहा आप जानते हैं परमबीर सिंह ने मुंबई पुलिस कमिश्नर के पद से हटाए जाने के बाद मुझ पर झूठे आरोप लगाए क्योंकि उनकी भूमिका बेहद संदिग्ध थी। जब वह पद पर थे तब उन्होंने आरोप क्यों नहीं लगाए?

वहीं एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार का अनिल देशमुख के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापेमारी पर प्रतिक्रिया जताते हुए कहा %ये सभी चीजें हमारे लिए नई नहीं हैं। केंद्रीय एजेंसियों की निगाह उनके बेटे के कारोबार पर थी, लेकिन जहां तक मुझे पता है उन्हें कुछ नहीं मिला इसलिए वे अन्य जगहों पर उनके परिवार के लिए परेशानी खड़ी करने की कोशिश कर रहे हैं। चिंता करने की जरूरत नहीं है।

बता दें कि राज्?य के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने भ्रष्?टाचार का आरोप लगने के बाद अपने पद से इस्?तीफा दे दिया था। दरअसल मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्?त परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक पत्र लिख पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर प्रतिमाह 100 करोड़ वसूली करवाने का आरोप लगाया था।

इसके अलावा सचिन वाजे भी अनिल देशमुख पर अवैध वसूली का आरोप लगा चुके हैं। इस आरोप को लेकर अनिल देशमुख पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया था। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप को लेकर ही प्रवर्तन निदेशालय उनके आवास पर छापेमारी कर रही है।

केदारनाथ से डेब्यू करने पर बेटी से नाखुश थे सैफ?

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस सारा अली खान के द्वारा केदारनाथ डेब्यू फिल्म चुनने पर उनके पिता सैफ अली खान नाराज थे। ऐसी रिपोर्ट्स पर सारा अली खान ने खुलकर बात की है।

सैफ अली खानकी बेटी सारा अली खानने साल 2018 में डायरेक्टर अभिषेक कपूर की फिल्म 'केदारानाथ' से अपना बॉलिवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके ऑपोजिट सुशांत सिंह राजपूत थे। अब सारा अली खान ने अपने एक इंटरव्यू में उन रिपोर्ट्स पर बात की, जिनमें बताया गया था कि उनके पिता सैफ अली खान 'केदारनाथ' को पहली फिल्म को चुनने को लेकर निराश थे। सारा ने खुलासा किया कि उनके पिता सैफ अली खान जानते हैं कि उनकी बेटी बिना उन्हें आश्वस्त किए किसी भी प्रॉजेक्ट के लिए हां नहीं करेगी। ऐक्ट्रेस ने कहा कि उनके पिता ने उन्हें अपने निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। सारा अली खान के अनुसार, सैफ अली खान एक ऐसे ऐक्टर भी हैं जो अधिकतर लोगों से बेहतर समझते हैं कि आखिरकार आप किसी ऐसी फिल्म का हिस्सा नहीं बन सकते जिसके बारे में आप आश्वस्त नहीं हैं। सारा अली खान ने उन रिपोर्ट्स पर भी बात की, जिनमें बताया गया कि उनके पिता सैफ अली खान चाहते थे कि वह 'केदारनाथ' के अलावा किसी और फिल्म का चुनाव करती। ऐक्ट्रेस के अनुसार, उनके पिता को कभी भी किसी भी चीज से समस्या नहीं थी। सारा अली खान ने कहा कि 'केदारनाथ' के बाद उन्हें मिले प्यार और प्रशंसा के बाद उन्होंने जो चुना और जो उन्होंने किया, उस पर उन्हें बहुत गर्व था। सुशांत सिंह राजपूत की डेथ एनिवर्सरी पर उन्हें याद करते हुए सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में दोनों एक पूल में मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। इसके साथ सारा अली खान ने लिखा, 'जब भी मुझे मदद, सलाह और हंसने की जरूरत पड़ी तो तुम हमेशा मेरे साथ थे। तुमने मेरा ऐक्टिंग की दुनिया से परिचय करवाया। मुझे यकीन दिलवाया कि सपने सच हो सकते हैं और मुझे वो सबकुछ दिया जो आज मेरे पास है। आज भी विश्वास नहीं होता कि तुम चले गए हो। लेकिन जब भी मैं सितारों, उगते हुए सूरज और चांद को देखती हूं तो मुझे एहसास होता है कि तुम यहीं हो। केदारनाथ से एंड्रोमेडा तक।' वर्क फ्रंट की बात करें तो सारा अली खान आनंद एल राय की फिल्म 'अतरंगी रे' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और धनुष भी हैं। इसके अलावा वह आदित्य धर की फिल्म 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' में काम करती दिखाई देंगी। इस फिल्म में उनके साथ विकी कौशल हैं। सारा अली खान आखिरी बार फिल्म 'कुली नंबर वन' में वरुण धवन के साथ दिखाई दी थीं।

साजिद नाडियाडवाला की फिल्म में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे अहान शेट्टी

अक्षय कुमार बॉलीवुड के सबसे बिजी एक्टर में से एक हैं। अक्षय के पास इन दिनों कई फिल्मों की लाइन लगी हुई हैं। वहीं अब उन्होंने साजिद नाडियाडवाला के साथ एक और फिल्म साइन की है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में अक्षय के साथ सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी भी नजर आएंगे। अक्षय और अहान दोनों के पास नाडियाडवाला की एक-एक फिल्म पहले से है जिसमें अक्षय कुमार अभिनीत बच्चन पांडे और अहान शेट्टी अभिनीत तड़प शामिल है, ऐसे में अब दोनों का एक साथ आना निश्चित रूप से एक ऐसी खबर है जिसने सभी को उत्साहित कर दिया है। इस प्रोजेक्ट पर अभी काम चल रहा है, इसे लेकर अधिक जानकारी जल्द ही सामने आ सकती है। प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने कहा, पूरी टीम अभिनेताओं की इस एक्शन पावर-पैक के लिए उत्साहित है जिसमें अक्षय और अहान पहली बार एक साथ आ रहे हैं। केवल साजिद सर ही इसे संभव बना सकते थे और हम सभी वास्तव में उस एनर्जी के लिए उत्साहित हैं जो ये दोनों कलाकार स्क्रीन पर लाएंगे। प्रोजेक्ट की घोषणा की जानी बाकी है और फिलहाल प्लानिंग स्टेज पर है। हमारे पास जल्द ही अधिक जानकारी सामने होगी। इस साल की शुरुआत में, बच्चन पांडे से अक्षय का रुग्गड लुक रिलीज किया गया था और अभिनेता बच्चन पांडे में दसवीं बार निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ काम कर रहे हैं। साथ ही, अक्षय कुमार ने निर्माता द्वारा निर्मित की जा रही तारा सुतारिया के साथ अहान शेट्टी की पहली फिल्म 'तड़प' का पहला पोस्टर प्रस्तुत किया था।

रिया चक्रवर्ती, अंकिता लोखंडे सहित ये चेहरे बिग बॉस 15 में आ सकते हैं नजर

बिग बॉस 15 की तैयारियां शुरू हो गई है। खबरें आ रही हैं कि कई सेलिब्रिटीज से बात शुरू हो गई है। कुछ ने मना कर दिया तो कुछ भारत के सबसे बड़े रियलिटी शो में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। कुछ से टर्म्स एंड कंडीशन डिस्कस की जा रही है। सबसे धमाकेदार बात तो ये है कि रिया चक्रवर्ती को इस शो में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु के बाद रिया चक्रवर्ती लगातार सुर्खियों में रही हैं। उनके लिए कुछ महीने बेहद बुरे भी साबित हुए थे। रिया के आने से न केवल शो का आकर्षण बढ़ेगा बल्कि सुशांत और रिया के रिश्ते के बारे में भी कई नई बातें सामने आ सकती हैं। बात यही नहीं खत्म हुई है। यदि रिया मान जाती हैं तो अंकिता लोखंडे को भी इस शो में लाने की कोशिश की जाएगी। सोचिए, जब रिया और अंकिता सामने होंगी तो क्या होगा? गौरतलब है कि अंकिता भी सुशांत की गर्लफ्रेंड रह चुकी हैं और दोनों ने लंबा वक्त साथ गुजारा था। रिया और अंकिता के अलावा भी और भी कई बड़े नाम हैं। दिशा वकानी, दिशा परमार, कृष्णा अभिषेक, जेनिफर विंगेट, अदा खान, तेजस्वी प्रकाश, अभिजीत सावंत, भूमिका चावला और पर्ल वी पुरी से भी बातें हो रही हैं। ये सब बेहद लोकप्रिय हैं। यदि आधे भी आ जाते हैं तो शो का आकर्षण बढ़ जाएगा। बिग बॉस 15 को इस बार भी बॉलीवुड स्टार सलमान खान होस्ट करेंगे।

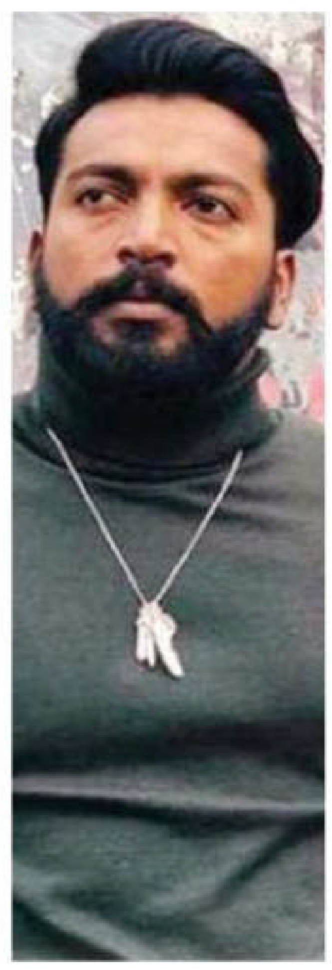

डिजिटल रिलीज अच्छी लेकिन पहली पसंद थिएटर में फिल्में देखना

नई तमिल डिजिटल रिलीज 'जगमे थांधीराम' में दीपम की भूमिका निभाने वाले तमिल अभिनेता कलैयारासन का कहना है कि जहां डिजिटल प्लेटफॉर्म के कई फायदे हैं, वहीं उनका पहला प्यार हमेशा फिल्म थिएटर ही रहेगा। उन्होंने कहा, ''डिजिटल (माध्यम) सभी फिल्मों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सिनेमाघरों में कारोबार के कुछ मापदंड होते हैं लेकिन डिजिटल क्षेत्र में हमें नए निर्देशकों, कहानियों और अभिनेताओं को लाने की आजादी है।'' अभिनेता ने कहा, ''बड़े होकर, मैंने सिनेमाघरों में फिल्में देखी हैं। हम वहां जाकर दो घंटे बैठते हैं और यह एक बहुत अच्छा माहौल है। आप जिस भी मूड में हैं, एक बार थिएटर में प्रवेश करने के बाद यह एक अलग माहौल है। डिजिटल दुनिया का हमारे पास आना कुछ सकारात्मक है लेकिन मैं अपनी फिल्मों को पहले सिनेमाघरों में देखना चाहता हूं और फिर इसे डिजिटल पर देखना चाहता हूं।'' कलैयारासन का कहना है कि वह भी, अन्य लोगों की तरह, पहले सिनेमाघरों में 'जगमे थंदीराम' देखना पसंद करते हैं। वे कहते हैं, ''मैं सिनेमाघरों में 'जगमे थंदीराम' देखने और प्रशंसकों के साथ सीटी बजाने का इंतजार कर रहा हूं। लेकिन मुझे खुशी है कि यह ऑनलाइन रिलीज हो गई है। विदेश में मेरे दोस्त इसे देख पाएंगे। मुझे लगता है कि सभी को मेरी फिल्म देखने को मिलेगी और यह है मेरे लिए एक अच्छी बात है'' 'जगमे थांधीराम' में धनुष और ऐश्वर्या लक्ष्मी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई है।

Youtube पर सबसे अधिक खोजे जाने वाले भारतीय अभिनेता हैं अजय

भारतीय फिल्म निर्माता-अभिनेता-स्टार अजय देवगन एक बार फिर सुर्खियों में हैं क्योंकि वह पिछले 12 महीनों में Youtube पर सबसे अधिक खोजे जाने वाले भारतीय अभिनेता बन गए हैं। गूगल ट्रेंड्स के मुताबिक, हर दिन लाखों लोगों द्वारा कई भारतीय अभिनेताओं को उनके माध्यम से खोजा जाता है और इस लिस्ट में पिछले साल अजय टॉप पर हैं। सलमान खान, अल्लू अर्जुन, अमिताभ बच्चन और थलपति विजय जैसे अन्य भारतीय सुपरस्टार भी इस सूची में शामिल हैं। दर्शकों को उनके सिंघम के लिए जो प्यार मिलता है वह काबिले तारीफ है। एक अन्य सर्वेक्षण में युवा क्रांतिकारी भगत सिंह की भूमिका के कारण वर्तमान पीढ़ी के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक वे चुने गए हैं। अपने तीन दशक लंबे करियर में, देवगन ने कई बेहतरीन भूमिकाएं निभाई हैं। कला और व्यावसायिक फिल्मों के एक सुखद मिश्रण के आधार पर अपने लिए एक ब्रांड-वैल्यू बनाया है।

जनवरी 2020 में उनकी फिल्म तन्हाजी : द अनसंग वॉरियर की रिलीज ने 300 करोड़ (सकल) के विश्वव्यापी बॉक्स ऑफिस के आंकड़े को पार किया। त्रिभंगा और द बिग बुल जैसी ओटीटी फिल्में प्रोड्यूस की। व्यक्तिगत रूप से, कोरोना काल में अजय ने मदद के हाथ बढ़ाए। महामारी से पीड़ित लोगों की मदद के लिए निरंतर प्रयास किए। चाहे टीकाकरण शिविर लगाना हो या आईसीयू यूनिट स्थापित करना हो। शायद यही वजह है कि उन्हें यूट्यूब पर नंबर वन सर्च किए जाने वाले भारतीय अभिनेता के रूप में दिखाया गया है।

मेरे लिए 'शेरनी' एक नजरिया है

अभिनेता नीरज काबी को लगता है कि 'शेरनी' (बाघिन) शब्द एक दृष्टिकोण को परिभाषित करता है और इसलिए इसे लिंग-विशिष्ट के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। नीरज ने कहा, ''मेरे लिए शेरनी एक रवैया है। यह लैंगिक पक्षपात नहीं है। इसलिए, मैं एक पुरुष को भी शेरनी या एक महिला को शेरनी कहूंगा।'' विद्या बालन-स्टारर 'शेरनी' हाल ही में डिजिटल रूप से सामने आई और काबी कलाकारों में शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''शेरनी साहस का एक वष्टिकोण है और बिना गिरे या पीछे देखे, और बिना रुके अकेले चलने की शक्ति है .चाहे कुछ भी हो जाए। इसलिए, मेरे लिए यह गुण रखने वाला कोई भी पुरुष या महिला एक शेरनी है।'' 'शेरनी' में विद्या बालन आदमखोर बाघिन की तलाश में एक ईमानदार वन अधिकारी की भूमिका निभाती हैं। काबी एक वरिष्ठ अधिकारी की भूमिका निभाते हैं, जो अभावग्रस्त व्यवस्था का हिस्सा है। अमित मसुरकर द्वारा निर्देशित फिल्म में शरत सक्सेना, मुकुल चड्ढा, विजय राज, इला अरुण और बृजेंद्र कला भी हैं।

रणवीर सिंह फिर से फिल्म सेट पर लौटे

अभिनेता रणवीर सिंह को सोमवार को काम पर वापस लौटते हुए देखा गया जब वो कोविड की दूसरी लहर के बाद शहर को अनलॉक करने के फैसले के बाद एक फिल्म के सेट में प्रवेश कर रहे थे। एक सेट पर रणवीर को सफेद टी-शर्ट और लाल स्वेटपैंट के साथ चमकीले पीले रंग की जैकेट पहने देखा गया। उन्होंने अपने लुक को अनोखे चश्मे, एक टोपी और एक मास्क के साथ पूरा किया। एक सूत्र ने कहा, ''रणवीर हमेशा हर लॉकडाउन के बाद शूटिंग फिर से शुरू करने वाले पहले अभिनेताओं में से एक रहे हैं क्योंकि उनका वास्तव में मानना है कि उद्योग को फिर से शुरू करने की जरूरत है। इसलिए, फिर से वह काम शुरू करने वाले पहले सुपरस्टार में से एक हैं।'' रणवीर किसके लिए शूटिंग कर रहे हैं, इसके बारे में विवरण गुप्त है। सूत्र ने कहा, ''वह एक बड़े प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रहे थे, जिसे गुप्त रखा गया है। इसका विवरण जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा। यह आज उनके लिए एक गहन शूटिंग है और रणवीर अपने ट्रेडमार्क उत्साह में, जाने के लिए तैयार दिखे।''

क्वॉलिटी एंटरटेनमेंट देने में यकीन रखती हूं

निक्की तंबोली अभी कई सारी परियोजनाओं में व्यस्त हैं, जिनमें म्यूजिक वीडियोज से लेकर स्टंट बेस्ड रिएलिट शो सभी शामिल हैं। निक्की का कहना है कि लगातार बने रहना और क्वॉलिटी एंटरटेनमेंट देने में वह विश्वास करती हैं। निक्की कहती हैं, ''कंसिस्टेंट रहना और क्वॉलिटी एंटरटेनमेंट देने में मेरा हमेशा से यकीन रहा है। जिंदगी के इस दौर में मैं एक के बाद एक काम मिल रहा है। यह वाकई में ब्लेसिंग है।'' वह आगे कहती हैं, ''मैं यहां अपने प्रशंसकों और मुझे स्क्रीन पर देखने वाले लोगों का मनोरंजन करने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए हूं। यह अभी शुरूआत है और आने वाले दिनों के लिए और भी बहुत कुछ है। साथ ही, मेरा नया गाना अगले हफ्ते रिलीज हो रहा है और मुझे यकीन है कि आप सभी को यह पसंद आएगा क्योंकि इसे बनाते वक्त हमें यह काफी पसंद आया है।'' निक्की फिलहाल मिलिंद गाबा के साथ शांति गाने के म्यूजिक वीडियो में नजर आ रही हैं। वह केपटाउन में 'खतरों के खिलाड़ी 11' की शूटिंग भी कर रही हैं। निक्की ने टोनी कक्कड़ के एक गीत 'नंबर लिख' में भी नजर आई हैं।

वनडे फॉर्मेट में पदार्पण के लिए तैयार हैं शेफाली वर्मा

इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय महिला टीम का पहला वनडे आज

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम रविवार से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच से ही मजबूत विश्व चैम्पियन इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करना चाहेगी जिसमें युवा खिलाड़ी शेफाली वर्मा अपना वनडे पदार्पण करने को तैयार है। शेफाली ने अभी तक 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और इस 17 साल की बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से विश्व क्रिकेट को अपनी ओर आकर्षित किया है। लेकिन शेफाली को साउथ अफ्रीकी महिला टीम के खिलाफ पिछली घरेलू सीरीज के लिए नहीं चुना गया था जिसमें भारत को बुरी हार झेलनी पड़ी थी। टीम इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन से उस पिछली सीरीज की भरपायी करना चाहेगी।हालांकि रविवार को भारतीय टीम प्रबंधन के इस तरह कोई गलती नहीं करेगा जिसे पिछले हफ्ते इंग्लैंड के खिलाफ उसके टेस्ट डेब्यू में 96 और 63 रन के स्कोर देखकर अब उसकी अहमियत पता चल गयी है। भारतीय टीम के लिए उसकी विस्फोटकीय बल्लेबाजी निश्चित रूप से

काफी महत्वपूर्ण है। उप कप्तान हरमनप्रीत कौर को छोड़कर टीम में कोई प्रभावशाली खिलाड़ी मौजूद नही हैं और वह भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म में नहीं है। रक्षात्मक खिलाड़ी पूनम राउत, शीर्ष क्रम में कप्तान मिताली राज के साथ शेफाली अगर फार्म में हो तो बल्लेबाजी में काफी अंतर पैदा कर सकती है। शेफाली ने आन्या श्रबसोल, कैथरीन, क्रास, स्किवर और सोफी को जिस तरह से खेला था, उससे निश्चित रूप से घरेलू टीम का कोचिंग स्टाफ इस हरियाणवी तूफान को रोकने की योजना बना रहा होगा।

शेफाली को अपना स्वाभाविक आक्रामक खेल खेलना चाहिए: मिताली

भारतीय कप्तान मिताली राज ने युवा खिलाड़ियों खास तौर पर युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को अपनी सलाह में कहा है कि उन्हें अपना स्वाभाविक आक्रामक खेल खेलना चाहिए। मिताली ने इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को ब्रिस्टल में होने वाले पहले वनडे की पूर्वसंध्या पर कहा , यदि मुझे 16 साल की किसी खिलाड़ी को कोई सन्देश देना हो तो मैं उससे यही कहूंगी कि पहली बार अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैदान पर उतरने का आनंद लो। जब मैं 16 साल की खिलाड़ी के रूप मैं उतरी थी तो मुझे ब्लू जर्सी पहनने और देश के लिए खेलने का महत्त्व ही नहीं पता था। यही सब कुछ है जो मैं 16 साल की मिताली को कहना चाहूंगी। जैसे मिताली ने 1999 में अपनी शुरुआत की थी ठीक उसी तरह एक और युवा खिलाड़ी शेफाली वर्मा ने मौजूदा समय में अंतर्राष्ट्रीय सर्किट में अपनी धमाकेदार शुरुआत की है।

वनडे करियर के 22 साल पूरे करने वाली सचिन के बाद दुनिया की दूसरी खिलाड़ी बनीं मिताली

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज की गिनती दुनिया की शीर्ष महिला क्रिकेटरों में होती है। उन्होंने महिला क्रिकेट टीम को ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने अपने करियर में कई मील के पत्थर पार किए हैं। शनिवार को मिताली राज ने अपने करियर में एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है।

उन्होंने वनडे इंटरनेशनल करियर के 22 साल पूरे कर लिए हैं। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बाद ये मुकाम हासिल करने वाली मिताली दुनिया की दूसरी खिलाड़ी हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने 26 जून, 1999 को आयरलैंड के खिलाफ पहला वनडे मैच खेला था। शानिवार को वनडे इंटरनेशनल करियर में उनके 22 साल पूरे हो गए। इससे पहले, सचिन तेंदुलकर ने ऐसा किया है। तेंदुलकर का करियर 22 साल 91 दिन का रहा है। सचिन ने पाकिस्तान के खिलाफ 18 दिसंबर, 1989 को डेब्यू किया था और अपना आखिरी मैच भी पाकिस्तान के खिलाफ ही 18 मार्च 2012 को खेला था।

यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम का संयोजन क्या रहेगा

यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम का संयोजन क्या रहेगा जिसकी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में काफी आलोचना हुई थी। प्रिया पूनिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में इतना अच्छा नहीं कर पायी थी और भारत के पास विकेटकीपर बल्लेबाज इंद्राणी रॉय के रूप में विकल्प मौजूद है जिन्हें घरेलू 50 ओवर के टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम में चुना गया है। अगर स्मृति मंधाना और शेफाली पारी का आगाज करती हैं तो इंद्राणी को अपने मौके का इंतजार करना होगा क्योंकि अपने अच्छे प्रदर्शन और थोड़े बेहतर स्ट्राइक रेट के बाद पूनम राउत तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना चाहेगी जिनके बाद कप्तान और उप कप्तान चौथे-पांचवें नंबर पर उतरेंगी। ऑल राउंडर दीप्ति शर्मा का छठा स्थान निश्चित ही है और तानिया भाटिया और इंद्राणी के बीच अगर फैसला होगा तो इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में अपने प्रदर्शन की बदौलत तानिया दावेदार होंगी।

गेंदबाजों में झूलन गोस्वामी का चुना जाना तय

चार गेंदबाजों में किफायती झूलन गोस्वामी का चुना जाना तय है और शिखा पांडे, पूजा वस्त्राकर और अरूधंती रेड्डी में से दो को चुना जायेगा। भारतीय टीम ने देख लिया है कि एक्लेस्टोन ने अपनी व्विकेट टू विकेटज् स्पिन गेंदबाजी से एकमात्र टेस्ट के दौरान कैसे परेशान किया था इसलिये एकता बिष्ट या फिर राधा यादव को तरजीह दी जा सकती है जिनके पास भी ऐसी ही गेंदबाजी करने की काबिलियत है। अगर भारत ने तीसरे स्पिनर को उतारने का फैसला किया तो स्नेह राणा अपनी बल्लेबाजी काबिलियत और प्रभावशाली ऑफ ब्रेक गेंदबाजी से लेग स्पिनर पूनम यादव के सामने हो सकती हैं। पूनम यादव का प्रदर्शन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छा नहीं रहा था तो स्नेह प्रबल दावेदार दिखती हैं। इंग्लैंड के लिये सोफिया डंकले को पिछले हफ्ते अपने शानदार टेस्ट पदार्पण के चलते अपनी पदार्पण वनडे कैप मिल सकती है।

भारतीय टीम

मिताली राज (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, पूनम राउत, हरमनप्रीत कौर (उप कप्तान), दीप्ति शर्मा, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), स्नेह राणा, झूलन गोस्वामी, शिखा पांडे, जेमिमा रोड्रिग्स, अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्राकर, एकता बिष्ट, राधा यादव, पूनम यादव, प्रिया पूनिया, इंद्राणी रॉय (विकेटकीपर)।

मिताली एकदिवसीय में 6,000 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर

वर्ष 1999 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाली मिताली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 6,000 रन पूरे करने वाली भी पहली महिला क्रिकेटर हैं। मिताली के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को वर्ष 2016 में अलविदा कहने वाली इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स 5992 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रन के साथ सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। इससे पहले मिताली राज ने अतंरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे कर लिए थे। ऐसा करने वाली वे भारत की पहली और दुनिया की दूसरी क्रिकेटर बन गई हैं। इंग्लैंड की पूर्व कप्तान चार्लोट एडवर्डस एकमात्र महिला क्रिकेटर हैं, जिन्होंने मिताली से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 से अधिक रन बनाए।

ओलंपिक खेलने जाने वाले भारतीय एथलीट देश के असली हीरो : रिजिजू

क्रिकेटरों की तरह ही ओलंपिक में शामिल होने वाले एथलीटों का भी समर्थन करें

नई दिल्ली । केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने ओलंपिक खेलने जाने वाले भारतीय एथलीट्स को देश के असली हीरो करार देते हुए देशवासियों से इन एथलीट्स को उसी तरह अपना समर्थन देने का आग्रह किया है जैसे वे देश के क्रिकेटरों को देते हैं।

रिजिजू ने टोक्यो ओलंपिक एवं पैरालंपिक 2020 के लिए भारत की तैयारी को लेकर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से आयोजित वर्चुअल बातचीत के दौरान देश भर में एक चीयर अप अभियान की घोषणा करते हुए कहा, छह हजार से अधिक सेल्फी पॉइंट बनाए जाएंगे, जहां लोग एथलीटों के प्रति अपना समर्थन दिखा सकते हैं। मैंने रेल मंत्री पीयूष गोयल से बात की है और उन्होंने तुरंत देश भर के छह हजार रेलवे स्टेशनों पर जगह का पहचान की है, जहां ओलंपिक सेल्फी पॉइंट बनाए गए हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने अन्य लोगों को अभियान में शामिल होने और टोक्यो जाने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतीक के साथ एक सेल्फी फोटो भी क्लिक की है। मैं चाहता था कि ओलंपिक के महत्व को हर कोई समझे, जो देश के चारों ओर फैला हो। खेल देश की सबसे बड़ी सॉफ्ट पावर है। उल्लेखनीय है कि ग्रीष्मकालीन ओलंपिक एवं पैरालंपिक खेलों में भाग लेने वाले भारतीय एथलीटों की संख्या में पिछले तीन संस्करणों में लगातार वृद्धि देखी गई है। अब तक 100 से अधिक एथलीटों ने एडवांस में अपनी जगह पक्की है और कई एथलीटों के टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद है। खेल मंत्री नकहा है कि सरकार ने महासंघों और खिलाड़ियों के साथ मिलकर उन्हें उत्कृष्टता के लिए प्रयास के लिए अनुकूल माहौल देने में अहम भूमिका निभाई है।

भारत टोक्यो में पदक के लिए चुनौती दे सकता है: सोमैया

पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान एमएम सोमैया ने बातचीत के दौरान कोचिंग और अन्य सुविधाओं के संबंध में महासंघों का समर्थन करने में सरकार की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा, हमारे पास इन दिनों हॉकी से जुड़े दुनिया के कुछ बेहतरीन कोच हैं और हमारे लड़के और लड़कियां अच्छे हाथों में हैं। मुझे उम्मीद है कि भारत टोक्यो में पदक के लिए चुनौती दे सकता है। मुख्य राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने बताया कि कैसे एथलीट अतीत में अपने हमवतनों की तुलना में अपनी क्षमताओं में अधिक आश्वस्त हैं। उन्होंने इस बदलाव को संभव बनाने में सरकार की भूमिका को रेखांकित किया। गोपीचंद ने कहा, आज मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि टीम का हर सदस्य अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में रहने और संभवत: पदक जीतने के लिए प्रशिक्षण ले रहा है।

पहले दो टी-20 के लिए विंडीज टीम घोषित

धाकड़ ऑलराउंडर आंद्रे रसेल की वापसी

ग्रेनेडा। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जाने वाले पहले दो टी-20 मैचों के लिए 13 सदस्यीय टीम का एलान किया है। वेस्टइंडीज की इस टीम में धाकड़ ऑलराउंडर आंद्रे रलेस की वापसी हुई है। वेस्टइंडीज के चयनसमिति ने आगामी टी-20 विश्वकप को ध्यान में रखते हुए इस टीम को चुना है।

आपको बता दें कि रसेल दो बार वेस्टइंडीज के टी-20 (2012 और 2016) विश्वकप विजेता टीम का सदस्य रह चुके हैं। दुनियाभर के टी-20 लीग में खेलने के साथ ही उन्हें 49 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में खेलने का अनुभव है। वेस्टइंडीज के लिए आखिरी बार वह पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ टी-20 मुकाबले में नजर आए थे। टीम के चुनने के बाद मुख्य चयनकर्ता रॉजर हार्पर ने कहा, आंद्रे रसेल हमारे लिए एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। यह बैट और गेंद दोनों के साथ काफी प्रभावी खिलाड़ी हैं। यही कारण है की इस खिलाड़ी को टीम में शामिल किया गया है।इसके अलावा हम अभी विश्व कप के लिए एक मजबूत टीम तैयार कर रहे हैं। वहीं वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच हो रहे पांच मैचों की इस टी-20 सीरीज में दर्शकों को भी स्टेडियम में आने की अमुमति होगी लेकिन मैच देखने सिर्फ वही दर्शक आ सकेंगे जो पूरी तरह से वैक्सीन ले चुके हैं।

वेस्टइंडीज की टीम

किरोन पोलार्ड (कप्तान), निकोलस पूरन, फैबियन एलन, ड्वेन ब्रावो, फिदेल एडवर्ड्स, आंद्रे फ्लेचर, क्रिस गेल, जेसन होल्डर, एविन लुईस, ओबेद मैककॉय, आंद्रे रसेल, लेंडल सिमंस, केविन सिंक्लेयर।

चोटिल हिमा दास हो सकती है टोक्यो ओलंपिक से बाहर

धनलक्ष्मी ने जीती 100 मीटर की दौड़

पटियाला। तमिलनाडु की एस धनलक्ष्मी ने राष्ट्रीय अंतर प्रांत चैम्पियनशिप में सौ मीटर की दौड़ जीत ली जबकि दुती चंद चौथे स्थान पर रही। स्टार फर्राटा धाविका हिमा दास हीट रेस में लगी चोट के कारण बाहर हो गई जिससे टोक्यो ओलंपिक में उनकी भागीदारी पर भी संशय पैदा हो गया है।

महिलाओं की सौ मीटर दौड़ में कोई भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया। धनश्री ने 11.52 सेकंड का समय निकाला। श्रीलंका की अमाशा डिसिल्वा 11.59 सेकंड के साथ दूसरे और तमिलनाडु की अर्चना सुसींद्रन 11.60 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रही। इस सप्ताह की शुरूआत में इंडियन ग्रां प्री 4 में इसी ट्रैक पर 11.17 सेकंड का समय निकालने वाली दुती 11.62 सेकंड के साथ चौथे स्थान पर रही। रोड टू तोक्यो सूची में 41वें स्थान पर काबिज दुती का ओलंपिक में खेलना लगभग तय है। टोक्यो में महिलाओं की 100 मीटर रेस में 56 खिलाड़ी भाग लेंगे। लंबे समय से कमर में चोट से जूझ रही हिमा सुबह 100 मीटर हीट में मांसपेशी में खिंचाव का शिकार हो गई। अभी पता नहीं चल सका है कि उनकी चोट कितनी गंभीर है। समझा जाता है कि वह रविवार को 200 मीटर की दौड़ और 29 जून को महिलाओं की चार गुणा सौ मीटर दौड़ में भाग नहीं लेगी। हिमा की चोट चार गुणा सौ मीटर महिला रिले टीम की क्वॉलीफिकेशन की उम्मीदों को करारा झटका है । इस चौकड़ी में हिमा के अलाव दुती, धनलक्ष्मी और अर्चना शामिल है। पुरूष वर्ग में पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने 10. 27 सेकंड में सौ मीटर दौड़ जीती। पंजाब के लवप्रीत सिंह दूसरे और ओडिशा के अमिय कुमार मलिक तीसरे स्थान पर रहे। ऊंचीकूद में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर की ओलंपिक कोटा हासिल करने की उम्मीदें टूट गई जो 2. 20 मीटर की कूद ही लगा सके। वह ओलंपिक क्वॉलीफिकेशन का आखिरी प्रयास करने अमेरिका से यहां आये थे जहां वह कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ते हैं।

सौरभ-मनु की जोड़ी ने 10 मी. टीम स्पर्धा में जीता रजत पदक

स्वर्ण पदक के मुकाबले में रूस की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा

ओसियेक। सौरभ चौधरी और मनु भाकर की भारतीय जोड़ी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता।

प्रतियोगिता के तीसरे दिन सौरभ और मनु को स्वर्ण पदक के मुकाबले में रूस की विटालिना बातसाराशकिना और आर्टेम चेरनोयूसोव की जोड़ी से 12-16 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी 12-12 से बराबरी पर थी लेकिन अंतिम दो सीरीज गंवाने से स्वर्ण पदक से चूक गयी। वहीं 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में ही अभिषेक वर्मा और यशस्विनी सिंह देसवाल की जोड़ी कांस्य पदक के मुकाबले में गोलनौश सेबघाटोलाही और जावाद फोरोघी की ईरानी जोड़ी से 7-17 से हार गयी। लेकिन भारतीय राइफल निशानेबाजों के लिए 10 मीटर एयर मिश्रित स्पर्धा में दिन खराब रहा। दोनों टीमें फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहीं। इलावेनिल वलारिवान और दिव्यांश सिंह पंवार की जोड़ी दूसरे क्वालीफिकेशन दौर में पहुंची जिसमें वे 416.1 अंक के कुल स्कोर से छठे स्थान पर रहे। अंजुम मौदगिल और दीपक कुमार की जोड़ी पहले क्वॉलीफाइंग की बाधा पार नहीं कर सकीं और 15वें स्थान पर हीं। सौरभ और मनु के रजत पदक से भारत ने अब तक इस प्रतियोगिता में तीन पदक जीत लिए हैं।

ओलंपिक ए कट में प्रवेश करने वाले पहले भारतीय तैराक बने साजन प्रकाश

नई दिल्ली। साजन प्रकाश ओलंपिक क्वॉलीफिकेशन टाइम पार करने वाले पहले भारतीय तैराक बन गए जिन्होंने रोम में सेट्टे कोल्ली ट्रॉफी में पुरूषों के 200 मीटर बटरफ्लाय वर्ग में एक मिनट 56.38 सेकंड का समय निकाला। रियो ओलंपिक 2016 खेल चुके साजन टोक्यो ओलंपिक ए स्टैंडर्ड में प्रवेश में 0. 1 सेकंड से कामयाब रहे। टोक्यो ओलंपिक ए स्टैंडर्ड एक मिनट 56. 48 सेकंड है । केरल के इस तैराक ने पिछले सप्ताह बेलग्रेड ट्रॉफी तैराकी प्रतियोगिता में एक मिनट 56 . 96 सेकंड का समय निकाला था ।

भारत की जीत की भविष्यवाणी करने पर पेन ने न्यूजीलैंड से माफी मांगी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान टिम पेन को अपने बड़बोलेपन की वजह से माफी मांगनी पड़ी है। दरअसल टिम पेन ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल को लेकर एक भविष्यवाणी की थी जिसमें उन्होंने कहा था की भारत आसानी से न्यूजीलैंड को हरा देगा।

इसके बाद सोशल मीडिया पर टिम पेन को लेकर काफी कुछ कहा जाने लगा। सोशल मीडिया पर चल रहे बहस पर टिम पेन ने कहा, हम सभी कभी-कभी गलत साबित होते हैं। उन्होंने कीवी टीम की जमकर तारीफ की और कहा केन विलियमसन की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने शानदार क्रिकेट खेली और जो कीवी टीम ने इंटरनेशनल स्टेज पर किया वह उसका सम्मान करते हैं। टिम पेन ने कहा, हम हमेशा सही नहीं हो सकते हैं। कभी कभी हमारा अनुमान गलत साबित हो जाता है। सोशल मीडिया पर मेरा कीवी फैन्स से थोड़ा बहुत सामना हुआ तो मैंने सोचा कि मैं ऑन एयर आकर कुछ विनम्रता दिखाउं। आपको बता दें कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में न्यूजीलैंड की टीम ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया था। कप्तान विराट कोहली अगुआई वाली टीम अपनी पहली पारी में महज 217 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 249 रन बनाए और 32 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की।

अभिषेक ने पेरिस विश्व कप में जीता स्वर्ण

पेरिस। भारत के अभिषेक वर्मा ने अमेरिका के क्रिष स्काफ को शनिवार को टाई ब्रेक में पराजित कर पेरिस तीरंदाजी विश्व कप में पुरुष कम्पाउंड वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया। अभिषेक और स्काफ दोनों का निर्धारित समय में में स्कोर 148-148 से बराबर रहा था जिसके बाद टाई ब्रेक का सहारा लिया गया जिसमें अभिषेक ने 10 पर निशाना साध कर स्वर्ण अपने नाम कर लिया जबकि अमेरिकी तीरंदाज नौ पर ही निशाना लगा पाए और उन्हें हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अभिषेक ने इससे पहले सेमीफाइनल में रूस के एंटोन बुलेव को 146-138 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी थी जबकि स्काफ ने भारत के अमन सैनी को नजदीकी मुकाबले में 150-149 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था।

ग्लेन मैक्सवेल ने द हंड्रेड टूर्नामेंट से वापस लिया नाम

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट से हट गए हैं। द हंड्रेड का आयोजन 21 जुलाई से 21 अगस्त तक होना है जिसमें दुनिया भर के कई स्टार खिलाड़ियों के शामिल होने की संभावना है। मैक्सवेल ने लंदन स्पिरिट के साथ एक लाख पौंड का करार किया था। ईसीबी ने हालांकि अभी तक मैक्सवेल के हटने की घोषणा नहीं की है लेकिन टीम के मुख्य कोच और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न ने इसकी पुष्टि कर दी है। वार्न ने कहा, दुर्भाग्य से मैक्सवेल द हंड्रेड से हट गए हैं।हालांकि वह अब हट गए हैं और हमने उनकी जगह वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के जोश इंग्लिस को लिया है। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया के ही डेविड वार्नर और मार्कस स्टोयनिस ने भी इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था।

हेरात बनेंगे बांग्लादेश के स्पिन सलाहकार और प्रिंस बल्लेबाजी सलाहकार

ढाका। श्रीलंका के सबसे सफल लेफ्ट आर्म स्पिनर रंगना हेरात बांग्लादेश के स्पिन सलाहकार बनेंगे और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एश्वेल प्रिंस बल्लेबाजी सलाहकार बनेंगे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को यह घोषणा की। बांग्लादेश बोर्ड के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष अकरम खान ने कहा, इस समय कोविड के कारण कोच ढूंढना बहुत मुश्किल है इसलिए हमने अल्पकालिक आधार पर इन्हें चुना है और यदि इनका काम संतोषजनक पाया जाता तो हम इन्हें जारी रखेंगे। हेरात स्पिन कोच डेनियल वेटोरी की जगह लेने के लिए सबसे प्रबल दावेदार थे।

इंग्लैंड ने श्रीलंका का 3-0 से सूपड़ा साफ किया

साउथम्पटन। इंग्लैंड ने श्रीलंका को तीसरे और अंतिम टी -20 मुकाबले में शनिवार को 89 रन से रौंदकर तीन मैचों की सीरीज में श्रीलंका का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया। इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाजों जानी बेयरस्टो और डेविड मलान के बीच 105 रन की ओपनिंग साझेदारी के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 180 रन का विशाल स्कोर बनाया। बेयरस्टो ने 43 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाये जबकि मलान ने मात्र 48 गेंदों पर पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से 78 रन की विस्फोटक पारी खेली। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम 18.5 ओवर में मात्र 91 रन पर सिमट गयी।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी को किया जाएगा क्वारंटाइन, 14 दिन रहेगी न्यूजीलैंड में

आकलैंड । भारत के खिलाफ शानदार खेल दिखाते हुए न्यूजीलैंड की टीम ने आइसीसी के पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप खिताब को अपने नाम किया। टीम इंडिया खस्ता हाल बल्लेबाजी की वजह से न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए महज 139 रन का लक्ष्य ही रख पाई थी। कप्तान केन विलियमसन और रोस टेलर की नाबाद 96 रन की साझेदारी के दम पर टीम ने 8 विकेट से जीत दर्ज की।

न्यूजीलैंड के खिलाड़ी भारत को डब्ल्यूटीसी के फाइनल में हराने के बाद स्वदेश पहुंच गए हैं। लेकिन कोरोना के कारण शारीरिक दूरी को देखते हुए खिलाड़ी एयरपोर्ट से सीधे होटल चले गए जहां वह 14 दिनों तक क्वारंटाइन में रहेंगे। इसके साथ ही उनके साथ होटल में विजयी गदा भी 14 दिन तक क्वारंटाइन में रहेगी। कोरोना नियमों के कारण एयरपोर्ट पर खिलाड़ी किसी से नहीं मिले। इस दौरान एयरपोर्ट के स्टाफ सहित अन्य लोग थे जो गदा की फोटो लेना चाहते थे।

तेज गेंदबाज नील वैगनर ने कहा, शारीरिक दूरी का पालन करते हुए हम लोगों ने किसी से हाथ भी नहीं मिला सके। हमारे पास गदा थी और सभी लोग फोटो लेना चाहते थे। लेकिन दूर से ही उन्होंने बधाई दी जो हम सभी के लिए काफी मायने रखता है। यह काफी सुखद था और लोग पूछ रहे थे गदा कहां है। पुलिस अधिकारी भी रोक कर दूर से फोटो लेना चाहते थे। सभी के चेहरे पर हंसी देखना काफी अच्छा था।

गदा बीजे वाटलिंग के कमरे में रखी है जिन्होंने फाइनल मुकाबले के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। वैगनर ने कहा, हमने गदा को फ्लाइट में साझा की और पूरी रात जश्न के दौरान सभी लोगों के पास बारी-बारी से आई। फ्लाइट में रास टेलर ने मुझे इस गदा को वाटलिंग को देने के लिए कहा। वह इसे दो सप्ताह तक क्वारंटाइन के दौरान अपने पास रखेंगे।

श्रीजेश और दीपिका राजीव गांधी खेल रत्न के लिए नामित

हॉकी इंडिया ने हरमनप्रीत सिंह समेत तीन नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए भेजे

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम के अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश और महिला टीम की पूर्व सदस्य दीपिका के नाम प्रतिष्ठित राजीव गांधी खेलरत्न पुरस्कार के लिए भेजे हैं जबकि ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह समेत तीन नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए भेजे गए हैं। टोक्यो ओलंपिक के लिए भारतीय टीम के सदस्य हरमनप्रीत, वंदना कटारिया और नवजोत कौर के नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए भेजे गए हैं।

कोच बी जे करियप्पा और सी आर कुमार के नाम द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए दिए गए हैं। हॉकी इंडिया के अनुसार आजीवन योगदान के लिए ध्यानचंद पुरस्कार के लिए पूर्व खिलाड़ी आर पी सिंह और एम सी संग्गाइ इबेमाल के नाम की सिफारिश की गई है। खेलरत्न पुरस्कार के लिए एक जनवरी 2017 से 31 दिसंबर 2020 के प्रदर्शन को पैमाना रखा गया है। इस दौरान श्रीजेश ने ब्रेडा में चैम्पियंस ट्रॉफी 2018 में रजत पदक, 2018 एशियाई खेलों में कांस्य पदक और एफआईएच सीरिज फाइनल भुवनेश्वर 2019 में मिले स्वर्ण पदक में अहम भूमिका निभाई। श्रीजेश को 2015 में अर्जुन और 2017 में पद्मश्री मिल चुका है। वहीं दीपिका 2018 एशियाई खेलों और 2018 एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थी। हरमनप्रीत 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। वहीं वंदना कटारिया 200 से अधिक और नवजोत 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं ।

इन सभी के नामों की सिफारिश करना गर्व की बात: निंगोंबम

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोंबम ने नामांकन के बारे में कहा, पिछले साल रानी को खेलरत्न मिलना हम सभी के लिए गौरव की बात थी। इस बार हम देश के दो उम्दा हॉकी खिलाड़ियों पी आर श्रीजेश और दीपिका के नाम भेज रहे हैं। उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया के लिए इन सभी के नामों की सिफारिश करना गर्व की बात है। हमें उनके योगदान और उपलब्धियों पर गर्व है।